वार्षिक रिपोर्ट

ANNUAL REPORT

2013-14

उड़ीशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

CENTRAL UNIVERSITY OF ORISSA

(A Central University Established by an Act of Parliament)

Boys'Hostel at CUO permanent Campus, Sunabeda

Girls' Hostel at CUO permanent Campus, Sunabeda

वार्षिक रिपोर्ट
२०१३-२०१४

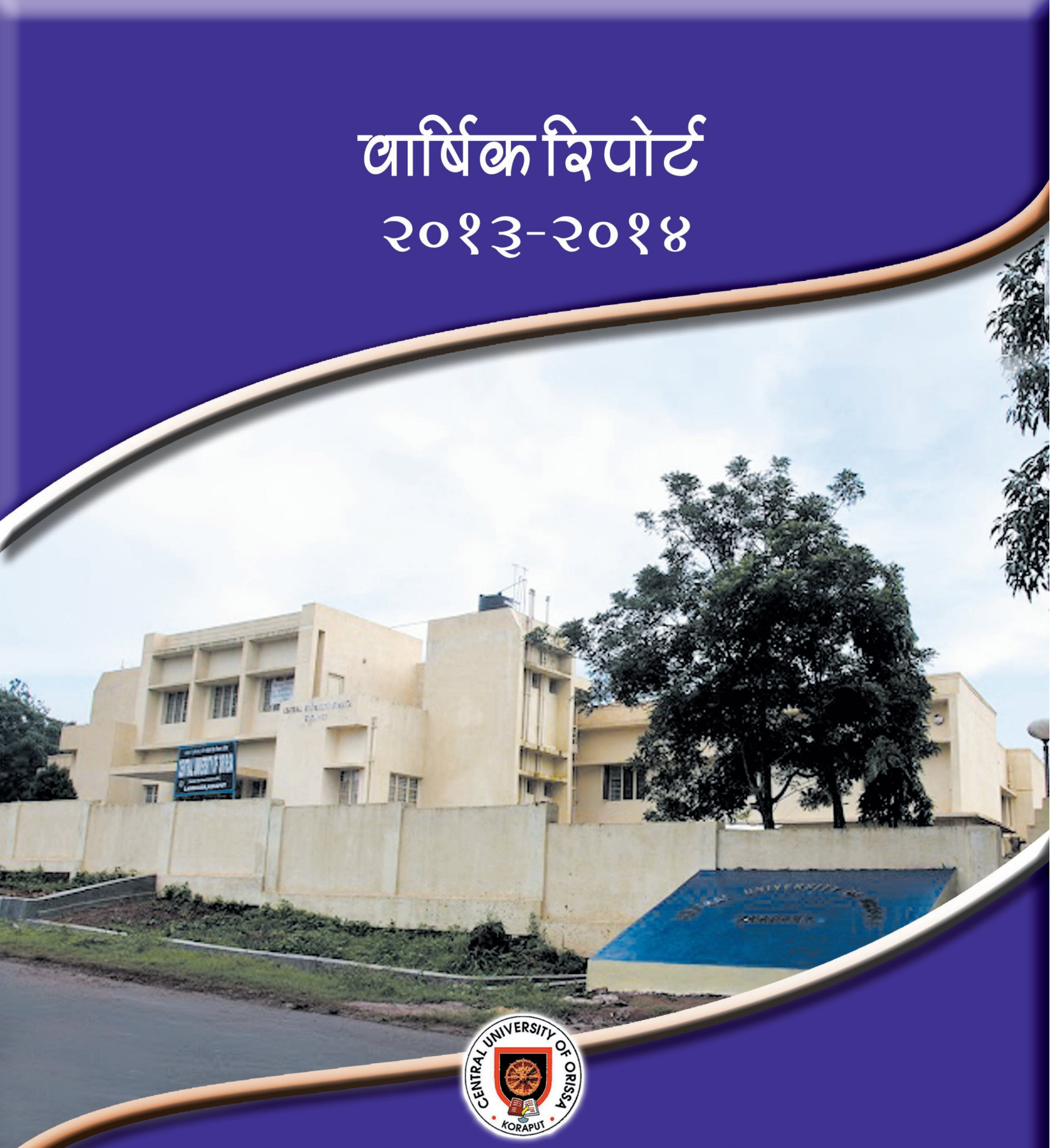

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विषय सूची

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
१.	कुलपति की कलम से	३
२.	प्रस्तावना	४
३.	सम्पादकीय समिति, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट २०१३-१४	५
४.	ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट समिति २०१३-१४	५
५.	केन्द्रीय विश्वविद्यालय की अधिकारियों /कर्मचारीयों की संख्या	५
६.	कार्यकारी सारांश	७
७.	विश्वविद्यालय के विद्यापीठ	९
८.	जनजातिय कल्याण एवं समुदाय विकास केन्द्र (सीटीडब्ल्यूसीडी)	२९
९.	केन्द्रीय पाठागार	३०
१०.	कम्प्यूटर केन्द्र	३३
११.	परीक्षा अनुभाग	३४
१२.	वित्त	३४
१३.	बैठकें	३४
१४.	शैक्षणिक वर्ष २०१३-१४ के लिए शैक्षिक कैलेंडर	३५
१५.	विद्यार्थी पंजीकरण	३५
१६.	कानूनी शिक्षा पर राष्ट्रीय संवर्धन	३७
१७.	जनजातीय क्षेत्र में वर्ष के उभरते विश्वविद्यालय पुरस्कार	३७
१८.	तीसरे दीक्षांत समारोह	३७
१९.	शिक्षा पर स्वामी विवेकानन्द की अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	३७
२०.	भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा चौथा स्थापना दिवस व्याख्यान	३७
२१.	विशेष दीक्षांत समारोह-२०१३, ३१ अगस्त,२०१३	३७
२२.	विश्वविद्यालय की आज की कानूनी शिक्षा: समय की मांगह्न पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	३७
२३.	पर्यावरण परिवर्तन एवं जैव विविधता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	३७
२४.	डॉक्टर ऑफ साइन्स डिग्री प्रदान करने हेतु विशेष कार्यक्रम	३८
२५.	स्वदेशी अध्ययन के लिए केन्द्र की स्थापना हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	३८
२६.	साहित्य में प्रथम कुन्तला कुमारी साबत स्मारक व्याख्यान	३८
२७.	समाज विज्ञान पर द्वितीय उत्कलमणि गोपबंधु दास स्मारक व्याख्यान	३८
२८.	विश्वविद्यालय के प्रथम आउटरिच एवं सलाह कार्यक्रम	३८
२९.	विश्वविद्यालय में घटित अन्य घटनाएँ एवं कार्यक्रम	३९
३०.	विद्यापीठों और केंद्रों की क्रियाकलाप	३९
३१.	छात्रावास के निवासियों को स्वास्थ्य/चिकित्सा सुविधा	४२
३२.	विश्वविद्यालय यातायात सुविधा	४२
३३.	यांत्रिक/अनुरक्षण कक्ष	४२
३४.	जन संपर्क प्रकोष्ठ	४४
३५.	मुख्य परिसर को कई केंद्रों का स्थानांतरण	४४
३६.	हमारे नये परिसर का विकास	४४
३७.	कार्यकारी परिषद के सदस्यगण	४५
३८.	शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण	४६
३९.	अन्य समिति के सदस्यगण	४६
४०.	नयी नियुक्ति	५१

कुलपति की कलम से

प्रिय साथियो,

ओड़िशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय संसद के अधिनियम (सन् २००९ की संख्या ३ सी) द्वारा सन् २००९ में स्थापित पन्द्रह केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है। यह शैक्षिक रूप से कम विकसित जिला जिसमें स्नातक नामांकन का अनुपात राष्ट्रीय औसत ११ फीसदी से भी कम है, एक विशेषादेश के साथ लोगों को अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु ओड़िशा के सबसे पिछड़े क्षेत्र में से एक कोरापुट में स्थापित की गयी है। इसी बीच ओड़िशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय एक प्रबुद्ध समाज जो निष्पक्षता व समानता के साथ उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु पूर्णत: सक्षम है के निर्माण के सार्थक अस्तित्व के साथ अपना पांच सौभाग्यशाली वर्ष पूर्ण कर चुका है।

किसी भी देश का विकास उसके गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन पर निर्भर करता है जो एक प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में उत्कृष्टता के लिए एक नया लक्ष्य निर्धारित करता है। यह केवल एक उच्च शिक्षा प्रणाली से ही संभव हुआ है जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों व सिद्धान्तों के सख्त अनुपालन के साथ शिक्षण व अनुसंधान के उच्च शैक्षिक मानकों का निर्धारण किया है।

पांच साल पहले सौभाग्यपूर्ण शुरुआत के साथ विश्वविद्यालय ने लाण्डीगुड़ा स्थित अपने अस्थायी परिसर में पांच केन्द्रों के साथ कार्य शुरू किया था, बाद में शैक्षिक सत्र २०११-१२ में और तीन केन्द्र खोले गए।

वर्तमान शैक्षिक सत्र २०१३-१४ में बीएड़ पाठ्यक्रम की शुरूात के साथ नौवें केन्द्र खोला गया। इन नौवें केन्द्रों में से चार विद्यापीठ के अन्तर्गत सात केन्द्रों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, गणित केन्द्र में पंचवर्षीय संकलित स्नातकोत्तर (विज्ञान) एवं शिक्षक शिक्षा केन्द्र में एकवर्षीय बी.एड़ पाठ्यक्रम प्रदान किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधन संरक्षण एवं जैवविविधता केन्द्र में द्विवर्षीय स्नातकोत्तर(विज्ञान) पाठ्यक्रम प्रदान किया जा रहा है जो अपने तरह के अद्वितीय केन्द्र है। प्रचलित शैक्षिक सत्र २०१३-१४ से नृविज्ञान, समाजशास्त्र, ओड़िया एवं पत्रकारित व जनसंचार जैसे चार विषयों पर शोध कार्यक्रम(एमफिल एवं पीएचड़ी) शुरू किया गया है।

हमारे पास युवा प्रतिभा के साथ अनुभवी तथा समर्पित संकाय है। संकाय सदस्यों द्वारा आईसीटी संचालित संपर्क शिक्षण कक्षा में विद्यार्थियों की भागीदारी को सुनिश्चित करता है। सेमेस्टर(छमाही) प्रणाली एवं विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली प्रगति पर है जो सतत मूल्यांकन को बढ़ावा देता है। संगोष्ठी, निबंध एवं अध्ययन यात्रा छात्रों के ज्ञान की सीमा को व्यापकता प्रदान करता है।

केन्द्रीय पुस्तकालय अपने भण्डार में १६,५०० भी अधिक पुस्तकें, खरीदी गयी ८२ पत्रिकाएं (दोनों राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय) एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(यूजीसी) इन्फोनेट डिजिटल पुस्तकालय संघ द्वारा ऑनलाइन पर उपलब्ध ८००० से भी अधिक इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं से सम्पन्न है। उपयोगकर्ताओं को रेप्रोग्राफिक सुविधाएं प्रदान की जाती है। विभिन्न जगहों से छात्रों के आवागमन के लिए चार बसों की व्यवस्था की गयी है। छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थी विश्वविद्यालय एवं विभिन्न शैक्षिक व अध्ययन यात्रा में भाग लेने हेतु इस बस सेवा का उपयोग करते हैं।

शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ कई मायने में घटनापूर्ण रहा। दस नए संकाय विश्वविद्यालय में भर्ती हुए। इस सत्र के दौरान मुख्य अतिथि मान्यवर केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मन्त्री डॉ.एम.एम.पालमराजु की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षान्त समारोह आयोजन किया गया था। इसके अलावा विधि में डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करने के लिए एक विशेष दीक्षांत समारोह, कानूनी शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, शिक्षा के स्वामी विवेकानन्द की अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, साहित्य एवं समाज विज्ञान पर यादगार व्याख्यान आदि इस वर्ष का मुख्य आकर्षण रहा। आगे बढ़ने की हुड़ एवं सलाह कार्यक्रम कामयाबी की दूसरी उपलब्धि रही। यूफेरेट्स परियोजना के तहत स्वदेशी अध्ययन केन्द्र के उद्घाटन एवं इरास्मस मंडस कार्यक्रम की शुरूआत के लिए वानान्गा विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भारत से यूरोप के लिए विद्यार्थी एवं कर्मचारी विनिमय गतिशीलता के लिए सहायक सिद्ध हुआ है।

चालू शैक्षिक सत्र में सुनावेड़ा स्थित ४५० एकड़ तक फैला हमारे मुख्य कैम्पस जो हिन्दुस्तान एरोनिटिक्स लिमिटेड (हि.ए.लि) के नजदीक है में समाजशास्त्र अध्ययन केन्द्र एवं शिक्षक शिक्षा केन्द्र आदि दो केन्द्र कार्यक्षम हुए हैं। विद्यार्थियों के लिए रेप्रोग्राफिक सुविधा के साथ केन्द्रीय पुस्तकालय भी कार्यक्षम हुआ है। मुख्य कैम्पस में अत्याधुनिक तकनीक सम्पन्न अतिथि गृह एवं लड़कों एवं लड़कियों के लिए छात्रावास का निर्माण विश्वविद्यालय के इतिहास में मील के पत्थर हैं।

ओड़िशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एवं ओड़िशा सरकार के विभिन्न अभिकरणों से प्राप्त समर्थन एवं सहयोग को विशेष रूप से उल्लेख करना चाहता है। इस रिपोर्ट ने मुझे निष्पक्षता व समानता के साथ गुणतापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु हमारे अथक प्रयासों को आपके सामने प्रस्तुत करने के लिए एक अवसर प्रदान किया है।

(प्रो.मोहम्मद मियां)

कुलपति, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

प्रस्तावना

विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष २०१३-१४ के दौरान विश्वविद्यालय की सभी उपयुक्त सूचना एवं प्रगति का एक सार-संग्रह पुस्तक है। इस रिपोर्ट में १ अप्रेल, २०१३ से ३१मार्च, २०१४ तक की अवधि को शामिल किया गया है। यह शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियाँ जो वर्ष के दौरान हमारे शिक्षाविदों ने रचनात्मक कार्य में निरंतरता एवं गति को बनाए रखते समय कुछ क्षेत्रों में नई रणनीति अपनाते हुए एवं उत्कृष्ट प्रगति दर्शाते हुए विशेषज्ञता के अपने संबंधित क्षेत्रों में अनुसरण करके कि एक समीक्षा प्रस्तुत करता है। एक तरह से यह संक्षिप्त सार इस प्रकार है जो एक स्वयं स्पष्ट सत्य जो भविष्य का सबसे अच्छा सिद्ध अतीत है में विश्वास रखते हुए लोगों के ध्यान एवं संवीक्षा को आमन्त्रित करने के साथ साथ एक और समकक्ष समीक्षा एवं विचार के लिए एक सुअवसर मानो परिसर समुदाय स्वयं का सिंहावलोकन करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का एक उन्मुक्त गृह के लिए अभिप्रेत है।

इस रिपोर्ट में सूचना वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासन, वित्त एवं विकास से जुड़ी गतिवधियों को शामिल किया गया है। इस वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष २०१३-१४ के दौरान विश्वविद्यालय के सभी कन्द्रों एवं अनुभागों में घटित सभी घटनाएँ एवं गतिविधियों के पूर्ण विवरणों को शामिल करने में अत्यन्त सावधानी बरती गयी है।

संपादकीय बोर्ड उन सभी लोगों का आभार मानता है जिह्नोंने इस वार्षिक रिपोर्ट २०१३-१४ को समय पर प्रकाशित किया है। रिपोर्ट के अंदर दिए गए तथ्य सभी विभाग प्रमुख एवं प्रशासन विभाग के अधिकारियों द्वारा मुहैया किया गया है। संकाय, कर्मचारी, सहयोगी कार्यक्रम के संकलन, पुस्तकालय का विस्तार एवं नए केन्द्रों की स्थापना के संदर्भ में ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के विस्तारित गतिविधियों के चलते समीक्षाधीन वर्ष २०१३-१४ उल्लेखनीय रहा। ओड़िशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक गतिविधियों के एक छोटी अवधि के मध्य नए मील के पत्थर को प्राप्त करते हुए एवं भौतिक बुनियादी ढ़ांचे का निर्माण करते हुए महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्ज करता रहा।

हम ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.मोहम्मद मियां को सम्पादकीय बोर्ड को उनके मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिए कृतज्ञता ज्ञापन करते हैं।

संपादकीय टीम पूरी निष्ठा से संयोजक, समन्वयक एवं वार्षिक रिपोर्ट समिति के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करता है जिन्होंने विभिन्न विभागों एवं अनुभागों से सूचना संग्रह करने एवं कुशलतापूर्वक रिपोर्ट को संकलित करने में अथक श्रम किया है।

हम सम्पादकीय समिति जिन्होंने रिपोर्ट में प्रस्तुतियों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अपने महत्वपूर्ण जानकारी के साथ कुशलता पूर्वक वार्षिक रिपोर्ट के सभी अध्यायों सम्पादित किया, के अथक प्रयासों का आभार मानते हैं एवं उसकी सराहना करते हैं।

डॉ.फगुनाथ भोई
जनसंपर्क अधिकारा
समन्वयक-वार्षिक रिपोर्ट समिति-२०१३-१४

डॉ.एस.के.पालिता
एसोसिएट प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष, एसबीसीएनआर
संयोजक-वार्षिक रिपोर्ट समिति-२०१३-१४

सम्पादकीय समिति, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट २०१३-१४

१. कर्णेल आर.एस.चौहान, कुलसचिव
२. डॉ.एस.के.पलिता, एसोसिएट प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष, एसबीसीएनआर
३. डॉ.जयन्त कुमार नायक, एसोसिएट प्रोफेसर एवं सीएएस, प्रमुख/प्रभारी
४. श्री ज्योतिष्क दत्त, एसोसिएट प्रोफेसर एवं सीएम, प्रमुख/प्रभारी
५. डॉ.फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी - संयोजक

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट समिति २०१३-१४

१.	डॉ.शरत कुमार पलिता, एसोसिएट प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष, एसबीसीएनआर	-	संयोजक
२.	डॉ.कपील डॉ.कपील खेमण्डु, सहायक प्राध्यापक एवं सीएसएस, प्रमुख/प्रभारी	-	सदस्य
३.	डॉ.जयन्त कुमार नायक, सहायक प्राध्यापक एवं सीएएस, प्रमुख/प्रभारी	-	सदस्य
४.	डॉ.प्रदोष कुमार रथ, सहायक प्राध्यापक एवं सीजे व एमसी, प्रमुख/प्रभारी	-	सदस्य
५.	डॉ.आलोक बराल, सहायक प्राध्यापक एवं महाविद्यालय, प्रमुख/प्रभारी	-	सदस्य
६.	श्री संजित कुमार दास, सहायक प्राध्यापक एवं प्रोकोष्ठ, प्रमुख/प्रभारी	-	सदस्य
७.	श्री रमेन्द्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्राध्यापक एवं सीटीई, प्रमुख/प्रभारी	-	सदस्य
८.	श्री ज्योतिष्क दत्त, सहायक प्राध्यापक एवं सीटीई, प्रमुख/प्रभारी	-	सदस्य
९.	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, सहायक प्राध्यापक एवं सीई, प्रमुख/प्रभारी	-	सदस्य
१०.	डॉ.फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी	-	संयोजक

केन्द्रीय विश्वविद्यालय की अधिकारियों /कर्मचारीयों की संख्या

विश्वविद्यालय की प्रगति एवं शैक्षिक विभागों में वृद्धि के साथ कई शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारीगण ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट की सेवा में शामिल हुए हैं। विश्वविद्यालय के नियमित एवं अनुबंध पर तैनात कर्मचारियों की अद्यतन सूची निम्नवत है:-

विश्वविद्यालय के सांगठनिक पदों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम
१.	प्रो.(डॉ.)मोहम्मद मियां	कुलपति (अतिरिक्त प्रभार)
२.	कर्णल आर.एस.चौहान	कुलसचिव
३.	कर्णल आर.एस.चौहान	वित्त अधिकारी-प्रभारी
४.	प्रो.मोहम्मद अलताफ खान	परीक्षा नियंत्रक

नियमित संकायों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विद्यापीठ/केन्द्र
१.	डॉ. शरत कुमार पलिता	एसोसिएट प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष	एसबीसीएनआर
२.	डॉ.जयन्त कुमार नाएक	सहायक प्राध्यापक	सीएएस
३.	श्री श्रीनिवास बी.कोटनाक	सहायक प्राध्यापक	सीएएस
४.	डॉ.काकोली बानार्जी	सहायक प्राध्यापक	सीबीसीएनआर
५.	डॉ.देवब्रत पण्डा	सहायक प्राध्यापक	सीबीसीएनआर
६.	श्री संजित कुमार दाश	सहायक प्राध्यापक	प्रकोष्ठ
७.	डॉ.प्रदोष कुमार रथ	सहायक प्राध्यापक	पत्रकारिता एवं जन संचार
८.	श्री सौरभ गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	पत्रकारिता एवं जन संचार
९.	डॉ.आलोक बराल	सहायक प्राध्यापक	सीओएलएल
१०.	श्री प्रदोष कुमार स्वाईं	सहायक प्राध्यापक	सीओएलएल
११.	डॉ.कपील खेमेण्डु	सहायक प्राध्यापक	सीएसएस
१२.	**डॉ.महेश कुमार पण्डा**	सहायक प्राध्यापक	सीएम
१३.	श्री ज्योतिष्क दत्त	सहायक प्राध्यापक	सीएम
१४.	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा	सहायक प्राध्यापक	सीई
१५.	श्री विश्वजित भोई	सहायक प्राध्यापक	सीई
१६.	श्रीमति मीनति साहु	सहायक प्राध्यापक	सीई
१७.	श्री रमेन्द्र कुमार पाढ़ी	सहायक प्राध्यापक	सीटीई
१८.	डॉ.आर.पूर्णीमा	सहायक प्राध्यापक	सीटीई

नियमित गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
१.	श्री के.वी.उमा एम.राव	उप कुलसचिव	प्रशासन
२.	श्री के कोशला राव	उप कुलसचिव	वित्त
३.	श्री रमेश चन्द्र पटनायक	आंतरिक लेखा-परीक्षा अधिकारी	आंतरिक लेखा-परीक्षा
४.	श्री विजयानन्द प्रधान	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
५.	डॉ.फगुनाथ भोई	जनसंपर्क अधिकारी	जनसंपर्क
६.	श्री मानस कुमार दास	अनुभाग अधिकारी	वित्त
७.	श्री रश्मी रंजन सेठी	कुलपति के निजी सचिव	कुलपति सचिवालय
८.	श्री बरदा प्रसाद राउतराय	सहायक	प्रशासन
९.	ई.पद्मलोचन स्वाईं	कनिष्ठ अभियंता	अभियंत्रण
१०.	श्री संजिव कुमार पाप्नेजा	तकनीकी सहायक	कम्प्यूटर प्रयोगशाला
११.	श्री रूद्रनारायण	कनिष्ठ सहायक प्राध्यापक	पुस्तकालय

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
१२.	श्री शिवराम पात्र	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
१३.	श्री मानस चन्द्र पण्डा	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
१४.	श्री जितेन्द्र कुमार पण्डा	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
१५.	श्री अजित प्रसाद पात्र	अवर श्रेणी लिपिक	वित्त
१६.	श्री अजय कुमार महापात्र	प्रयोगशाला चपरासी	नृविज्ञान
१७.	श्री मुकुन्द खिलो	पुस्तकालय परिचर	पुस्तकालय
१८.	श्री प्रमोद कुमार परिड़ा	कार्यालय परिचर	वित्त
१९.	श्री तुषारकान्त दास	कार्यालय परिचर	कुलपति सचिवालय
२०.	श्री मिलन कुमार राउल	कार्यालय परिचर	प्रशासन
२१.	श्रीमति प्रीति कुमारी रथ	कार्यालय परिचर	स्थापना

कार्यकारी सारांश

ओड़िशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय ग्यारहवीं योजना अवधि के दौरान केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम २००९ के तहत संसद के अधिनियम द्वारा ओड़िशा के कोरापुट में स्थापित की गयी थी।

विश्वविद्यालय का ध्येय:

- सहयोग/शैक्षणिक समझौता/भारत व विदेश के प्रमुख अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय एवं उद्योग के साथ साझेदारी। आज के संदर्भ में यूनिस्को दस्तावेज में यथा परिकल्पित एक नए अर्थ एवं नए आकार पर लिए गए क्रॉस बॉर्डर शिक्षा।
- निमन्त्रण से प्रख्यात अतिथि संकायों का प्रवेश
- एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना।

विश्वविद्यालय का लक्ष्य:

- सभी के लिए उत्कृष्ट शिक्षा, ताकि हम राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी को मजबूत कर पाएंगे।
- दूर दराज तक पहुंचने के लिए "समावेशी शिक्षाह्न का प्रसार।
- स्वदेशी एवं वैश्विक परिदृश्य का एक स्वस्थ्य सहजीवन का पक्ष समर्थक।
- उच्च शिक्षा की एक मजबूत आधारित संपूर्ण वैश्विक नजरीया बनाए रखना।
- स्वयं के लिए एक स्थान बनाए।

तदनुसार विश्वविद्यालय पहले से ही तैयार की है:

- विश्वविद्यालय-उद्योग संपर्क के लिए नीति की रूपरेखा।
- विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय संपर्क हेतु नीति की रूपरेखा।
- प्रशासन, शिक्षण एवं अध्ययन के सभी स्तरों पर "गुणवत्ता की संस्कृतिह्न की शिक्षा के लिए एक नीतिगत संरचना।

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का उद्देश्य:

- अध्ययन की ऐसी शाखाओं में यथोचित शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएँ प्रदान कर अत्याधुनिक ज्ञान का प्रसार करना,
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, समाजविज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संकलित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान प्रस्तुत करना,

- शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया एवं अंतर्विषयक अध्ययन एवं अनुसंधान में नवोन्मेष को प्रत्साहित करने के लिए उचित उपाय प्रस्तुत करना,
- देश के विकास के लिए मानव-शक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना,
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने हेतु उद्योगों के साथ संपर्क स्थापित करना,
- लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार एवं कल्याण, उनके बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु विशेष ध्यान देना।

शैक्षणिक रूपरेखा

- वर्ष २०१३-१४ के लिए सात स्नातकोत्तर कार्यक्रम, एक पंचवर्षीय संकलित कार्यक्रम एवं बी.एड़ कार्यक्रम के लिए कक्षाएँ जुलाई-२०१३ से चलाई जा रहीं हैं। कुल भर्ती संख्या ३९० में से इन विषयों में शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ के लिए ३२४ छात्र दाखिला ले चुके हैं।
- वर्ष २०१३ के अंतिम छमाही की परीक्षा परिणाम प्रकाशित हो चुका है।
- विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रक्रिया विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के साथ छमाही (सेमेस्टार) प्रणाली पर आधारित है।
- शैक्षिक पंचांग(कैलेण्डर)का केन्द्रों/विभागों एवं निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार सम्पादित सभी शिक्षण-अध्ययन गतिविधियों द्वारा सख्ती से अनुसरण किया जाता है।
- विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ से नृविज्ञान, समाजशास्त्र, ओड़िआ एवं पत्रकारितांव जनसंचार पाठ्यक्रमों में अपने एम.फिल/पीएच.ड़ी कार्यक्रम को विधिवत मंजूरी दी है। शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ के लिए कुल ३३ शोध छात्र प्रेवश लिया है।

संरचनात्मक प्रगति

विश्वविद्यालय के ध्येय के मद्देनजर हमने सुनाबेड़ा, कोरापुट स्थित हमारे मुख्य कैम्पस के विकास में कई वाधाएं एवं चुनौतियों का सामना किया है। कैम्पस में संरचनात्मक विकास की आवश्यकता की पूर्ति के लिए बुनियादी ढ़ांचे और अन्य सहायक सुविधाओं के स्तर में सुधार लाने के हमारे प्रयास के चलते विश्वविद्यालय ने इस शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ से कैंपस को कार्यक्षम करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढ़ाँचा को तैयार करने में सक्षम हो पाया है।

मानव संसाधन

वर्तमान विश्वविद्यालय अनुभवी संकाय सदस्य एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों से सुसज्जित है। हमारे पास हरेक विषयों के लिए कई अतिथि अध्यापक हैं। विश्वविद्यालय भी अपने छात्रों को अतिरिक्त विवरण प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित अतिथि संकायों का एक समिति बनाया है।

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय पिछले कई वर्षों से तेजी से प्रगति की है। हालांकि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय सिर्फ ४ साल पुराना है फिर यह अपने शिक्षण एवं छात्र समुदाय को कुछ विशेष मूल्य वर्धित सेवा प्रदान करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया है। अब तक केन्द्रीय पुस्तकालय में १७,००० पुस्तकों का संग्रह है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने आईएनएफएलआईबीनेट केन्द्र, अहमदाबाद द्वारा प्रदत्त यूजीसी-इन्फोनेट डिजिटेल पुस्तकालय संकाय कार्यक्रम द्वारा ८० मुद्रित पत्र-पत्रिकाएँ एवं ९००० से भी अधिक ई-पत्रिकाएँ खरीदी है। केन्द्रीय पुस्तकालय ने एक छोटी अवधि के अंदर जेएसटीओआर, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस,टेलर एवं फ्रांसिस, स्प्रींगर, प्रोजेक्ट म्यूज, वैली-ब्लाकवेल प्रकाशन, केम्ब्रीज विश्वविद्यालय प्रेस, जेसीसीसी, मैथसीनेट, आईएसआईडी डेटाबेस, एमर्लाड, साइंस डिरेक्ट एवं अन्य ई-पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने हेतु गर्वित है।

विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा की पूर्ति हेतु विभिन्न विशेष जगहों से विश्वविद्यालय कैम्पस तक आवागमन के लिए मासिक आधार पर पांच बसें प्रद्रान की गयी है।

दूसरी (नई) कार्यकारी परिषद एवं दूसरी (नई) शैक्षणिक परिषद का गठन

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय की पहली कार्यकारी परिषद एवं पहली शैक्षणिक परिषद की अवधि समाप्त होने के पश्चात भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय की दूसरी कार्यकारी परिषद एवं दूसरी शैक्षणिक परिषद का गठन किया है।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय की बैठकें

वित्त वर्ष २०१३-१४ में विश्वविद्यालय के सांविधिक एवं गैर-सांविधिक निकायों के अधोसूचित बैठकों का आयोजन किया गया।

कार्यकारी परिषद की बैठक

कार्यकारी परिषद की १३वीं बैठक २० अप्रैल, २०१३ को आयोजित की गई।
कार्यकारी परिषद की १४वीं बैठक २६ जून, २०१३ को आयोजित की गई।
कार्यकारी परिषद की १५वीं बैठक ०९ अक्टूबर, २०१३ को आयोजित की गई।
कार्यकारी परिषद की १६वीं बैठक २७ नवम्बर, २०१३ को आयोजित की गई।
कार्यकारी परिषद की १७वीं बैठक ०१ फरवरी, २०१४ को आयोजित की गई।

शैक्षणिक परिषद की बैठक

शैक्षणिक परिषद की ११वीं बैठक ०७ अक्टूबर, २०१३ को आयोजित की गयी।
शैक्षणिक परिषद की १२वीं बैठक ०१ फरवरी, २०१४ को आयोजित की गयी।

वित्त समिति की बैठक

वित्त समिति की १०वीं बैठक २५ जून, २०१३ को आयोजित की गयी।
वित्त समिति की ११वीं बैठक २७ नवम्बर, २०१३ को आयोजित की गयी।

भवन निर्माण समिति की बैठक

भवन निर्माण समिति की १८वीं बैठक २४ जून, २०१३ को आयोजित की गयी।
भवन निर्माण समिति की १९वीं बैठक ०७ अक्टूबर, २०१३ को आयोजित की गयी।

अन्य बैठकें

कौशल विकास समिति की बैठक २९ जनवरी, २०१४ को आयोजित की गयी।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्मारक/प्रतिभा/स्थापना दिवस व्याख्यान

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिषद एवं कार्यकारी परिषद द्वारा निम्न स्मारक/प्रतिभा व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

i) अर्थशास्त्र में आदम स्मिथ स्मारक व्याख्यान
ii) साहित्य में कुन्तला कुमारी साबत स्मारक व्याख्यान
iiii) समाज विज्ञान में उत्कलमणि गोपबंधु दास स्मारक व्याख्यान
iv) समाज विज्ञान में उत्कल गौरव मधुसूदन दास स्मारक व्याख्यान
v) विश्वविद्यालय की स्थापना दिवस व्याख्यान

केन्द्रीय विश्वविद्यालय के विद्यापीठ

बुनियादी एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ
गणित केन्द्र

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बुनियादी एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ के अन्तर्गत गणित केन्द्र ने शैक्षिक वर्ष २०११-१२ से पंच वर्षीय संकलित स्नातकोत्तर (विज्ञान) पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है।

ध्येय:

- गणित में निमन्त्रित विशिष्ट प्राध्यापकों का प्रवेश।
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, अनुरूप संगणन प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- गणित एवं सांख्यिकी में एमफिल/पीएचडी/स्नातकोत्तर(विज्ञान) जैसे नए पाठ्यक्रमों को लागू करना।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन करना।
- निम्न सूचित को शुरू करना: चूँकि २१वीं सदी गणितीय विज्ञान का युग बनने जा रहा है ऐसे में शोध कार्य के संदर्भ में जीनोमिक्स, जीव विज्ञान एवं पारिस्थितिकी जैसे विविध क्षेत्रों में गणित/ सांख्यिकी का प्रयोग।

१.	प्रभारी प्रमुख का नाम	**श्री ज्योतिष्क दत्त, सहायक प्राध्यापक**
२.	संपर्क विवरण	गणित केन्द्रओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुटसुनाबेड़ा, कोरापुट-७६४०२०, ओड़िशाई-मेल:jyotiska.datta@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्य एवं योग्यता	ज्योतिष्क दत्त, एम.एससी, एमफिलसहायक प्राध्यापक डॉ.महेश कुमार पण्डा, एम.एससी., पीएचड़ीसहायक प्राध्यापक (सांख्यिकी)
४.	केन्द्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:	गणित में पंच वर्षीय संकलित स्नातकोत्तर विज्ञान

५. शैक्षणिक गतिविधियों का विवरण

श्री ज्योतिष्क दत्त, सहायक प्राध्यापक एवं प्रमुख प्रभारी

क) ०६ जून २०१३ को भारतीय खान विद्यापीठ, धनबाद में गणित शास्त्र में एमफिल उपाधि से सम्मानित।

ख) प्रोफेसर रंजित कुमार उपाध्याय के मार्गदर्शन में ११ नवम्बर,२०१३ को भारतीय खान विद्यापीठ के व्यावहारिक गणित विभाग के पीएचड़ी प पाठ्यक्रम में शामिल।

अन्य गतिविधियाँ:

क) ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा २७ अप्रैल, २०१३ को आयोजित **उत्तर आधुनिक भारत में कानूनी शिक्षा** पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

ख) २२.०९.२०१३ से गणित केन्द्र में विभाग प्रभारी के रूप में नियुक्त

ग) ०७ अक्टूबर, २०१३ को शैक्षणिक परिषद की ११वीं बैठक में बतौर सदस्य भाग लिया।

घ) प्रो.माधव गड़गिल को विज्ञान में डॉक्टरेट डिग्री (मानद उपाधि) प्रदान करने हेतु भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में २९ दिसम्बर, २०१३ को आयोजित विशेष दीक्षान्त समारोह में भाग लिया।

डं) कोरापुट मुख्य कैम्पस में ०४.०१.१४ पहली कुंतला कुमारी साबत स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।

च) ०१ फरवरी, २०१४ को आयोजित शौक्षणिक परिषदक की १२वीं बैठक में बतौर सदस्य भाग लिया।

छ) जयदेव भवन, भुवनेश्वर में १६.०२.१४ आयोजित ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के उत्कलमणि गोपबंधु स्मारक व्याख्यान कार्यक्रम जिसमें नेताजी के परभतीजा प्रोफेसर सुगत बोष ने भाषण दिया,में भाग लिया।

ज) ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में २३ फरवरी, २०१४ को विषय विशेषज्ञ समिति की आयोजन के लिए एक संयोजक के रूप में काम किया।

डॉ.महेश कुमार पण्डा, सहायक प्राध्यापक

क) हैदरावाद विश्वविद्यालय, कैम्पस, हैदरावाद के सी.आर.राव प्रगत गणित सांख्यिकी एवं कम्प्यूटर विज्ञान संस्थान में २८ से ३१ दिसम्बर २०१३ को "भारित सिम्प्लेक्स सेंट्रएड डिजाइन पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन"सांख्यिकी- २०१३ सामाजिक आर्थिक चुनौतियाँ एवं उनके स्थायी समाधान में भाग लिया एवं "दूसरी डिग्री के-मॉडेल के लिए इष्टतम अभिकल्पन शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया।

ख) यूजीसी अकादमिक स्टाफ कलेज, सम्बलपुर विश्वविद्यालय में २५.०१.२०१४ से २१.०२.२०१४ तक आयोजित २९वाँ पुनश्चर्या कार्यक्रम में भाग लिया एवं उसे सफलता के साथ पूरा किया।

ग) यूजीसी अकादमिक स्टाफ कलेज, सम्बलपुर विश्वविद्यालय में २५.०१.२०१४ से २१.०२.२०१४ तक आयोजित २९वाँ पुनश्चर्या कार्यक्रम में श्रेष्ठ तीन प्रतिभागी में से एक के रूप में चुने गए।

जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ

जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण केन्द्र

ओड़िशा के कोरापुट स्थित ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ ने लाखों राज्य तथा देश एवं विदेशी छात्रों के लिए अध्ययन हेतु अपना द्वार उन्मुक्त किया है एवं समाज की आवश्यकता के लिए जैव विविधता के गूढ़ रहस्य एवं इसके उपयोग हेतु अनुसंधान की पर्याप्त अवसर प्रदान किया है। विविध जैव विविधता से परिपूर्ण ओड़िशा के पास विभिन्न शोध के लिए अपार क्षमता है। इस पृष्ठभूमि के साथ हमारा केन्द्र निम्न उद्देश्यों का लक्ष्य रखा है।

- राज्य के आसपास के जिलों के साथ कोरापुट के जैव विविधता का अध्ययन करना।
- क्षेत्र की जैव विविधता मानचित्रण एवं विलुप्तप्राय स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण हेतु उपाय सुझाना।
- कोरापुट में और आस पास के जंगलों की कार्बन उत्सर्जन की संभावनाओं का निरीक्षण करना।
- क्षेत्र की मौजूदा वनस्पतियों और जीवों से कारोटेनएड्स जैसे जैव सक्रिय पदार्थ निकालना एवं इसे आजीविका उन्नयन कार्यक्रम के साथ जोड़ना।
- तटीय समुदाय के लिए मत्स्य खाद्य का विकास करना ताकि इससे इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का मुकाबला करने हेतु जीव-विशिष्ट वृक्षोरोपण कार्यक्रमों को गति प्रदान करने हेतु जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान किया है। पाठ्यक्रम विकास पर सलाहकार समिति ने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए एक अभिनव और रचनात्मक आवश्यकता पर आधारित पाठ्यक्रम संरचना के साथ कदम बढ़ाया है।

१.	संकायाध्यक्ष/प्रमुख के नाम	**डॉ.शरत कुमार पलिता,** सहयोगी प्राध्यापकसंकायाध्यक्ष, एसबीसीएनआर एवं प्रमुख, सीबीसीएनआर
२.	संपर्क विवरण	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरंक्षण केन्द्र, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, लाण्डीगुड़ा, कोरापुट- ७६४०२० , ओड़िशा, ईमेल-skpalita@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	• डॉ.एस.के.पलिता, एम.एससी, एम.फिल, पीएचडीङ्ख • डॉ.काकोली बेनर्जी, एम.एससी, पीएचडीङ्ख • डॉ.देवब्रत पण्डा, एम.एससी, पीएचडी
४	केन्द्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण पर दो वर्षीय एम.एससी. पाठ्यक्रम

५. शैक्षणिक गतिविधियों का विवरण

डॉ.एस.के.पलिता, सहयोगी प्राध्यापक एवं प्रमुख

क) दास, एम.पलिता, एस.के.पण्डा, टी.(2013) महानदी, भारत में जूप्लांकटन के वितरण एवं विविधता पर मल निर्वहन की भूमिका, जल पर्यावरण एवं प्रदूषण के एशियाई जर्नल. **10 (2): 65:69. (ISSN : 0972-9860) (प्रिंट), 1875-8568** (ऑनलाइन).

ख) जेना, एस.सी., पलिता, एस.के.एवं महापात्र, एम.के.(२०१३)भारत के पूर्वी तट ओड़िशा के भितरकनिका मैंग्रोव्स के अनुरन। जांच सूचि.**9 (2): 400-404.** (ISSN : 1809-127 X)

ग) साहु, डी.,पलिता, एस.के., पण्डा, एस एवं गुरु, बी.(2013) चिलिका लैगून, ओड़िशा, भारत में ब्रेचुरन क्राब्स के नए अभिलेख एवं वितरण। पारिस्थितिकी, पर्यावरण ***एवं संरक्षण*** 19 (2) :141-147. **(ISSN: 0971- 765 X)**

घ) पलिता, एस.के.(२०१३) जैव विविधता एवं संसाधनों के संरक्षण। "जैव विविधता एवं संरक्षण उपाय पर २१से २२ सितम्बर, २०१३ को लक्ष्मीनारायण साहु महाविद्यालय, जगतपुर, कटक के प्राणी एवं वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही।

अन्य गतिविधियाँ

क) "जैव विविधता एवं संरक्षण उपाय पर २१सितम्बर, २०१३ को लक्ष्मीनारायण साहु महाविद्यालय, जगतपुर, कटक के प्राणी एवं वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में लेख प्रस्तुत करने हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित।

ख) उत्कल विश्वविद्यालय के जीवविज्ञान स्नातकोत्तर विभाग में दिनांक १०.०३.२०१४ को जीव विज्ञान के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित एवं "जैव विविधता संरक्षणङ्ख एवं "सफेद शेर में प्रजननङ्ख पर दो वार्ता प्रदान किया।

घ) भूविज्ञान मन्त्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहायता से ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में २३ से २४ नवम्बर २०१३ को "पर्यावरण परिवर्तन एवं जैव विविधताङ्ख पर सीबीसीएनआर के राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

ङ) विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र, नई दिल्ली, क्रिस्टल हॉल द्वारा "स्थायी भवनोंङ्ख पर १३ दिसम्बर, २०१३ को होटल मेफेयर कांनवेशन सेंटर, जयदेव विहार, भुवनेश्वर में आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

च) प्रगति, कोरापुट, जिला प्रशासन एवं कोरापुट प्रेस क्लब द्वारा दिनांक १८ जनवरी, २०१३ को कौशल विकास केन्द्र, कोरापुट में संयुक्त रूप से "वन एवं जनजातीय आजीविकाह्णपर आयोजित संगोष्ठी की दूसरे दिन के सत्र की अध्यक्षता की।

छ) पी.एन.महाविद्यालय, बोलगड़, खोर्दा, ओड़िशा के दिनांक ०७.०२.२०१४ को विज्ञान संघ के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया एवं "विश्व तापन एवं जलवायु परिवर्तनह्ल पर व्याख्यान दिया।

ज) केन्द्रापड़ा स्वयंशासित महाविद्यालय, केन्द्रापड़ा, ओडिशा में २१.०२.२०१४ को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पहला सलाह कार्यक्रम का आयोजन किया।

झ) एसबीसीएनआर में ०५.११.२०१३ से संकायाध्यक्ष के रूप में नियुक्त।

ञ) ७ अक्टूबर,२०१३ को शैक्षिक परिषद की ११वीं बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

ट) २७ नवम्बर, २०१३ को कार्यकारी परिषद की १६वीं बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

ठ) ०१ फरवरी, २०१४ को कार्यकारी परिषद की १७वीं बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

ड) ०१ फरवरी, २०१४ को शैक्षिक परिषद की १२वीं बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

ढ) प्रो.माधव गडजिल को विज्ञान में डाक्टरेट डिग्री (मानद उपाधि)प्रदान करने हेतु २० दिसम्बर, २०१३ को भारत अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में आयोजित विशेष दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

ण) कोरापुट मेन कैंपस में दिनांक ०४.०१.२०१४ को प्रथम कुन्तला कुमारी साबत स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।

त) जयदेव भवन, भुवनेश्वर में १६.०२.२०१४ को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के उत्कलमणि गोपबंधु स्मारक व्याख्यान में भाग लिया जिसमें प्रो.सुगत बोस, नेताजी के परपोते ने भाषण दिया था।

ड़ॉ.के.बेनर्जी, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

१) बेनर्जी, काकोली, सेनगुप्ता, के.राहा, ए एवं ए.मित्रा, सुन्दरवन मैंग्रोव्स में बायोमास प्राक्कलन हेतु लवणता आधारित एलोमैट्रिक समीकरण। वायोमास एवं जैविक ऊर्जा, २०१३, अंक ५६,ज्ज. ३८२-३९१. **ध.इ : २.३५**

२) जेना, एच.मण्डल, के.सी.मैती, सी.घोष, के.मित्रा, ए.बेनर्जी, के.दे, एस एवं पति, बी.आर.सुन्दरवन के तीन अलग अलग जल निकायों से एकत्रित साकोस्ट्री कुकुलाटा में विषम जैवसूचक के रुपान्तर। रसायन विज्ञान एवं पारिस्थितिकी, २०१३ टेलर एवं फ्रांसिस (http://dx.doi.org/10.1080 /02757540.2013.827669) **I.F. 2.01**

३) राहा, ए.के.भट्टाचार्य, एस.बी.जमन, एस.बनार्जी, के.सेनगुप्ता, एस.सिन्हा, एस.सेट, एस.चक्रवर्ती, एस.दत्ता, एस.दासगुप्ता, एस.चौधरी, एमआर घोष, आर.मण्डल, के.प्रमानिक, पी एवं ए मित्रा। भारतीय सुन्दरवन के प्रमुख वनस्पतियों में कार्बन गणना। ऊर्जा व पर्यावरण विज्ञान के जर्नल:फुटन, 2013, 127: 345-354. **I.F. 3.45**

४) बेनर्जी, के., चौधरी, एमआर., सेनगुप्ता एस., सेट, एस एवं ए मित्रा भारतीय सुन्दरवन आद्रभूमि के मैनग्रोव मिट्टी के प्राकृतिक कारक एवं मानवजनित प्रभाव:जलवायु परिवर्तन के लिए सदाबाहार पारिस्थितिकी तन्त्र की संवेदनशीलता। स्प्रींगर, 2013, pp. 70-84. (ISBN: 978-81-322-1508-0)

५) मित्रा, ए.भट्टाचार्य, एस.बी.जमन, एस.बनार्जी, के.सिन्हा, एस एवं राहा, ए.के. उष्मकटिबंधीय मुहाने प्रणाली के पादप प्लवक समुदाय में कार्बन सामग्री में: जलवायु परिवर्तन के लिए सदाबहार पारिस्थितिकी तंत्र की संवेदनशीलता। स्प्रींगर,2013, pp. 85-103. (ISBN: 978-81-322-1508-0)

६) मित्रा, ए.घोष, आर.मल्लिक, ए, मण्डल, के.जमन, एस एवं काकोली बैनर्जी। पुष्प आधारित खाद्य का उपयोग कर भारतीय सुन्दरवन मैनग्रोव-डोमिनेटेड़ में सतत मीठा जल में:जलवायु परिवर्तन के लिए सदाबहार पारिस्थितिकी तंत्र की संवेदनशीलता। स्पिंगर,2013, pp. 276-296 (ISBN: 978-81-322-1508-0)

७) मित्रा, ए.घोष, आर.मल्लिक, ए. मण्डल, के.जमन, एस एवं काकोली बेनर्जी। झींगा पोषण में सदाबहार आधारित अस्टाजानथिन की भूमिका पर अध्ययन। में: जलवायु परिवर्तन के लिए सदाबहार पारिस्थितिकी तंत्र की संवेदनशीलता। स्पिंगर,2013, pp. 297-310. (ISBN: 978-81-322-1508-0)

८) मित्रा, ए., जमन, एस एवं काकोली बेनर्जी। भारतीय सुन्दरवन के खाद्य सीप(साकोस्ट्रीआ कुकुलाटा) में जैव रासायनिक संरचना की मौसमी बदलाव। में:जलवायु परिवर्तन के लिए सदाबहार पारिस्थितिकी तंत्र की संवेदनशीलता। स्पिंगर,2013,pp. 311-317 (ISBN: 978-81-322-1508-0)

९) राहा, ए.के.,बेनर्जी, के.दास, एस.एवं ए.मित्रा। इनसिटू एवं एक्स-सीटू क्लोरोफिल-ए पर निष्कासित सॉलीड़ का प्रभाव। में: जलवायु परिवर्तन एवं द्वीप व तटीय जोखिम।(एड्. शुन्दरसन, जे.श्रीकाश, एस.रामनाथन्, एएल. सोनेकिन, एल एवं भूज, आर)स्पिंगर, २०१३, अध्याय12, pp. 179-190 (ISBN: 978-94-007-6015-8)

१०) मित्रा, ए., राहा, ए.के.घोष, आर एवं काकोली बेनर्जी। गंगा के डेल्टा में भौतिक-रासायनिक विविधता के अस्थायी और स्थानिक रूपों के आधाररेखा का अध्ययन. में: भारत की खाड़ियाँ (एडीएस. राव, डी.वी.कोशीगिन, एल एवं दाश, एस.), प्रकृर्ति पुस्तकें, भारत, कोलकाता, 2013, अध्याय 18, pp. 315-328 (ISBN: 978-93-82258-05-6)

११) काकोली बेनर्जी। भारतीय सुन्दरवन की सतह पानी की लवणता प्रोपाइल में एक दशकीय परिवर्तन: पर्यावरण परिवर्तन का एक संभावित सूचक, समुद्री विज्ञान अनुसंधान एवं विकास के जर्नल, विशेष संस्करण: पर्यावरण परिवर्तन,2013, S11:002. doi.10.4172/2155-9910. S11-002 (ISSN: 2155-9910).

१२) राहा, ए.के.जमन, एस.सेनगुप्ता, के.भट्टाचार्य, एस.बी.राहा, एस.घोष, बेनर्जी, काकोली एवं ए.मित्रा। पर्यावरण परिवर्तन एवं स्थायी आजीविका कार्यक्रम: भारतीय सुन्दरवन से एक अध्ययन, २०१३, पारिस्थितिकी के जर्नल, फुटन :335-348. (ISJN: 6853-3275).

१३) मित्रा, अभिजित, जमन सुफिआ, सेट, सौरभ,रथ,ए.के. एवं काकोली बेनर्जी। भारतीय सुन्दरवन में फीटोप्लांकटन कोशिका अंक एवं विविधता। भारतीय भू-समुद्री विज्ञान जर्नल, 2014, अंक, 43(1), pp. 1-8. **I.F : 1.92**

१४) मित्रा, अभिजित, जमन सुफिआ, सेट, प्रामानिक, प्रोसेनजित, एवं काकोली बेनर्जी। जलवायु परिवर्तन प्रेरित लवणता उहापोह के एविसिना मरीना अंकुर के अनुकूली क्षमता, 2014, अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान जर्नल (समीक्षा सहकर्मी),अंक 1(1), pp127-132.

१५) बेनर्जी, काकोली, जमन सुफिआ एवं मित्रा, अभिजित। जैविक उपचार: स्थायी पर्यावरण एवं वैकल्पिक आजीविका के लिए एक संभावित उपकरण. मार्च 2014, सुरक्षा कवच, अंक19, pp 39-41.

अन्य गतिविधियाँ

१) ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा २७अप्रैल, २०१३ को उतर-आधुनिक भारत पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

२) पेराडीनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका के सहयोग से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला द्वारा 16 से 18 अगस्त, 2013 को सतत विकास के लिए जैव विविधता संरक्षण पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तकनीकी सत्र में अध्यक्षता की एवं एक लेख भी उपस्थापित किया।

३) एन.आर.एस.सी.,हैदरावाद, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से महिलायों के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी पर 23 से 27 सितम्बर, 2013 को सप्ताहव्यापी आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

४) भूविज्ञान मन्त्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहायता से ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 23 से 24 नवम्बर, 2013 को पर्यावरण परिवर्तन एवं जैव विविधता पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक संयोजक के रूप में कार्य किया।

५) बी.आर.अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगावाद में 31 अक्टूवर से 2 नवम्बर, 2013 तक यूफारेट्स परियोजना में सांटिआगो डी कम्पोस्टीला, स्पेन की बैठक में ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट से एक संयोजक के रूप में आमन्त्रित।

ड़ॉ.देवब्रत पण्डा, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

१) **देवब्रत पण्डा** एवं पोली टीकादार। धान के अंकुरण विशेषताओं पर एवं अंकुरण पर मिट्टी में उड़न राख निगमन का प्रभाव। (*Oryza sativa* L.). ***Biolife*, 2014**, 2(3): 800-807.

२) **देवब्रत पण्डा** एवं आर.के.सरकार। पत्ता गैस विनिमय के गुणधर्म एवं धान के एंटी-ऑक्सीडेंट रक्षा(ओरिजा साटीवा एल.)डूब सहिष्णुता में भिन्न धान पुन:वातन को पूरा करने के कारण कृषि अनुसंधान (दिसम्बर,2013) 2(4):301–308 (स्प्रींगर)

३) **देवब्रत पण्डा** एवं आर.के.सरकार। पत्ता गैस विनिमय के गुणधर्म क्लोरोफिल प्रतिदीप्ति द्वारा जांच की, CO2 संश्लेषक दर और एंटीऑक्सीडें एंजाइम गतिविधियों के दौरान विविध धान किस्मों में ग्रेन फिलिंग। पौधों के फिजियोलॉजी एवं आण्विक जीव विज्ञान,***2013, 19(1): 43-51*** (स्प्रींगर)

४) **देवब्रत पण्डा** एवं आर.के.सरकार। संरचनात्मक कार्बोहाईड्रेट एवं धान में डूब सहिष्णुता के साथ लिंगिनिफिकेशन (*O. साटीवा*). जे स्ट्रेस फिजियोलॉजी जैवरसायन।2: 95-107**, 2013 (**USSR)

५) **देवब्रत पण्डा** एवं आर.के.सरकार। डूब सहिष्णुता धान (ओरीजा साटीवा एल.) में गैर-संरचनात्मक कार्बोहाईड्रेट के साथ जुड़े तन्त्र। पादप संपर्क,**2013**, DOI:10.1080/17429145.2012.763000 (टेलर एवं फ्रांसिसी, IF:0.700)

६) स्मिताञ्जली प्रधान एवं देवब्रत पण्डा। ओड़िशा के कोरापुट जिला में आम संरेखण के उपचार में उनके एथ्नो औषधीय का उपयोग किया जाता है। ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में 23 से २४ नवम्बर,2013 में पर्यावरण परिवर्तन एवं जैव विविधता पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में।

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में भागीदारिता

१) एम.एस.स्वामीनाथन् शोध संस्थान, जयपुर में २-६ सितम्बर, २०१३ को एग्रो-जैव विविधता संरक्षण एव स्थायी आजीविका पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

२). एम.एस.स्वामीनाथन् शोध संस्थान, चेन्नई, भारत में समुदाय जैव विविधता प्रबंधन एवं नमनीयता पर १४ से १५ नवम्बर, २०१३ तक आयोजित दक्षिण एशिआई क्षेत्रीय कार्यशाला में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

३) सतत विकास के लिए जैव विविधता संरक्षण पर १६ से १८ अगस्त, २०१३ को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला में सबमर्जेंस के तहत धान में सब १क्वूटीएल के फिजिओलोजिकल एवं जैवरासायनिक गुणधर्म शीर्षक पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया एवं एक लेख प्रस्तुत किया।

४) ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में २३ से २४ नवम्बर २०१३ को पर्यावरण परिवर्तन एवं जैव विविधता पर सह-संयोजक के रूप में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

५) एएससी, उत्कल विश्वविद्यालय में २८.०२.१४ से २७.०३.१४.को पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

विकास अध्ययन विद्यापीठ

अर्थशास्त्र केन्द्र

विकास अध्ययन विद्यापीठ के अधीन सन् २०११ को अर्थशास्त्र के लिए एक केन्द्र की स्थापना की गयी। विभाग ने शिक्षण व अनुसंधान दोनों में उत्कृष्टता के लिए अपनी स्थापना की प्रतिष्ठा पर गर्व करता है। विभाग ने स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम के लिए एक व्यापक और अच्छी तरह से स्थापित पोर्टफोलियो प्रदान करता है। शैक्षणिक वर्ष २०१३-१४ में तीन नए नियमित संकाय श्री प्रशान्त कुमार बेहेरा, श्रीमती मिनती साहु एवं श्री विश्वजित भोई, अर्थशास्त्र में बतौर सहायक प्राध्यापक शामिल हुए हैं। २३ विद्यार्थियों ने शैक्षिक वर्ष २०१२-१४ के लिए अपने स्नातकोत्तर डिग्री पूरा किया है। सरस्वती महारणा को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। चालू शैक्षिक वर्ष में ४० विद्यार्थि पहली छमाही में दाखिला लिया है जबकि २७ विद्यार्थियों ने तीसरी छमाही में अपनी पढ़ाई जारी रखा है।

दूरदृष्टि

- विश्वविद्यालय एवं देश की प्रतिष्ठा को बढ़ाकर इसके अनुसंधान एवं शिक्षण कार्यक्रम को सबसे अधिक मानक तक बढ़ाना है ।
- सैद्धांतिक तथा अनुप्रयुक्त अनुसंधान में छात्रों को सुगम्य बनाना और उत्कृष्ट अर्थशास्त्रियों को उत्पाद करना है ।
- छात्रों तथा संकाय सदस्यों के विकास के लिए राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियाँ और अनुसंधान मूलक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना है ।
- आने वाले वर्षों में नये शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों का प्रारंभ करना जैसे कि अर्थशास्त्र में एकीकृत अनुप्रयुक्त एम.ए/एम.एससी., एम.फील, पीएच.डी और पोस्ट डॉक्टरॉल कार्यक्रम आदि ।

१.	मुख्य का नाम	**श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी**
२.	संपर्क का विवरण	अर्थशास्त्र केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडिगुड़ा, कोरापुट -७६४०२० (ओड़िशा)
३.	शिक्षकों तथा उनकी योग्यता	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, एम.ए., एम.फीलसहायक प्रोफेसर, मुख्य प्रभारीश्री बिश्वजित भोई, एम.ए. सहायक प्रोफेसरश्रीमती मिनती साहू, एम.ए, एम.फील, सहायक प्रोफेसर
४	केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	अर्थशास्त्र में दो वर्षीय एम.ए. पाठ्यक्रम

५. संकाय सदस्यगणों की शैक्षणिक गतिविधियों का ब्यौरा :

श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी

क) दिनांक १६ नवम्बर २०१३को जयपुर शहर, कोरापुट में बाल श्रमिक पर सफलतापूर्वक क्षेत्र सर्वेक्षण आयोजित किया । इस सर्वेक्षण का मुख्य लक्ष्य है जयपुर शहर में कार्यरत बच्चों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का अध्ययन करना था और उनके काम में समस्यायें तथा कारण का निर्धारण करना था।

श्री बिश्वजित भोई, सहायक प्रोफेसर

क) " प्रवासन तथा परिवार विकास : पश्चिम ओड़िशा में एक ग्राम स्तरीय मामले का अध्ययन " पर एक लेख युवा प्रवासन तथा विकास " संपादित पुस्तक में प्रकाशित हुआ है । RGNIYD में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के कार्यवृत्त में (दिसम्बर २०१३) ISBN 978-93-81572-26-9, पृष्ठ १६६-१७५।

श्रीमती मिनती साहू, सहायक प्रोफेसर

प्रकाशन

राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिका :

१) साहू, एम. (२०१३) ओड़िशा के अंतर जिला में मनरेगा और वित्तीय स्थिति विश्लेषण। आईओएसआर जर्नल ऑफ ह्युमानिटी एंड सोशल साइंस, खंड१४ (अंक २), पृष्ठ : 54-61[ISSN: 2279-0845]

२) साहू, एम. (२०१३) ओड़िशा के जनजाति क्षेत्रों में जमीन हस्तांतरण – कारण तथा निवारण । *दॉ इंडियन इकोनोमिक जर्नल, विशेष अंक,* पृष्ठ : 382-390.[ISSN:0019-4662].

३) साहू, एम. (२०१३) खनन के लिए जमीन अधिग्रहण-ओड़िशा के केंऊझर जिले के संदर्भ में रोजगार हानि की समस्यायें । ओड़िशा इकोनोमिक जर्नल, खंड 1 & 2, पृष्ठ : 126-139. [ISSN:0976-5409]

४) साहू, एम. (२०१४) महिला सशक्तिकरण पर मनरेगा का प्रभाव- ओडिशा के कटक जिले का एक मामला का अध्ययन । *जर्नल ऑफ अर्गानाइजेशनॉल एंड ह्यूमान बिहेवियर,* खंड-३ (अंक १), पृष्ठ : 44-50 [ISSN:2277-3274]

पुस्तक /पुस्तक संपादित :

१. साहू, एम. (२०१३) भारत में खाद्य असुरक्षा की बीमारी : क्या पीडीएस एक प्रभावी उपचार है : संपा- सस्टेनबेल एग्रिकल्चर एंड फुड इनसिक्योरिटी, नेहा पब्लिकेशन, नई दिल्ली। . [ISBN-978-81-8484-248-7]

२. साहू, एम. (२०१३) ओड़िशा में एसएचजीएस के जरिये महिलाओं में उद्यमी विकास: संभावना तथा चुनौतियाँ : वुमेन इंटरप्रेन्यूरोशिप एडं डेपलेवमेंट- दॉ वे आहेड़, ग्लोबस प्रेस, पृष्ठ : 330-340 [ISBN-978-93-82484-07-3]

३. साहू, एम. (२०१४) खनन एवं चिरस्थायी विकास- ओड़िशा के खनिज पूर्ण केऊंझर जिला के विश्लेषण । रुरल डेवलेपमेंट इन इंडिया- एक नयी संभावना, एक्सल इंडिया पब्लिशर, पृष्ठ : 174-187. [ISBN:978-93-83842-21-6]

राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति

१) अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, वाणिज्य के संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उ.प्र. में भारत में रिटेल एफडीआई : कल्पित कथा तथा वास्तविकता (१९-२० अप्रैल, २०१३) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित भारतीय रिटेल सेक्टर में विदेश प्रत्यक्ष निवेश पर एक लेख प्रस्तुत किया ।

२) अर्थनीति विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक, ओड़िशा में " भारत में विकास का पुन:मानचित्रण करना : इक्कीसवीं सदी (१३-१४ नवम्बर २०१३) के लिए वैकल्पिक निदर्शन पर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में खनन तथा आर्थिक विकास : क्या यह वास्तव में शामिल है *?*- ओड़िशा के खान जिलों का एक विश्लेषण " पर एक लेख प्रस्तुत किया ।

३) मिनाक्षी विश्वविद्यालय, चैन्नई, तमिलनाडु, में इंडियन इकोनोमिक एसोसिएसन के ९६वें वार्षिक सम्मेलन में *" ओड़िशा के जनजाति क्षेत्रों में जमीन अधिग्रहण – कारण तथा निवारण"* पर एक लेख प्रस्तुत किया ।

४) । मानवविज्ञान तथा समाज विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु में तीसरे विश्व अध्ययन के एसोसीएशन(*२८-३०* दिसम्बर २०१३) के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *" ओड़िशा के जनजाति क्षेत्रों में जमीन अधिग्रहण– कारण तथा निवारण"* पर एक लेख प्रस्तुत किया ।

५) मानवविज्ञान तथा समाज विज्ञान विभाग,मोतिलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, उ.प्र. में *जन नीति तथा ग्रामीण विकास के आयाम* (८-९ मार्च २०१४) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में *खनन तथा सतत विकास – ओड़िशा खनिज पूर्ण जिला केंऊझर का एक विश्लेषण* पर एक लेख प्रस्तुत किया ।

शिक्षा एवं शिक्षा तकनीकी विद्यापीठ

पत्रकारिता एवं जन संचार केंद्र

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र की शुरुआत वर्ष २००९ में हुई। तीन सालों से कम समय में एक प्रमुख पत्रकारिता विभाग के रूप में ओड़िशा राज्य में स्वयं को चिह्नित किया है। केंद्र में मल्टि मिडिया प्रयोगशाला सहित इंटेरनेट कनेक्शन और अंतिम सॉफ्टवेयार सुविधा उपलब्ध है। केंद्र के पास अंतिम स्टिल तथा विडियो कैमरा उपलब्ध हैं। छात्रों को समग्र देश के अग्रणी मिडिया हाऊसों में एक महीने का कठोर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है और उनमें से कई छात्रों को अग्रणी समाचार पत्र, टेलीविजन चैनलों, जन संपर्क संगठनों,एनजीओ आदि में नियुक्ति मिली है । केंद्र ने शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ से पत्रकारिता तथा जन संचार में एम.फिल तथा पीएच.डी. कार्यक्रम को शुरू किया है। भविष्य में अल्पावधि पाठ्यक्रम चालू करने की योजना है ।

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र का लक्ष्य

- मिडिया शिक्षा तथा पेशेवर प्रशिक्षण दिलाना।
- कोरापुट के साथ साथ ओड़िशा राज्य के अविभाज्य विकास के लिए संपर्क साधन और पारम्परिक साधनों का अध्ययन करना तथा उपयोग करना।
- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय संचरण के लिए कोरापुट सहित ओड़िशा के परिपूर्ण संस्कृति तथा विरासत पर दृश्य तथा श्रव्य कार्यक्रमों और सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन के उत्पादन के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में काम करना ।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से मिडिया संसाधन एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में काम करना ।
- विभिन्न स्तरों में काम करने के लिए एक उत्कृष्ट पेशेवर बनाने के लिए पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा तथा प्रशिक्षण देना ।
- कार्यरत संवाददाताओं को शिक्षा प्रदान करना और प्रशिक्षण दिलाना और पारम्परिक, जन के साथ साथ नयी मिडिया के लिए पेशेवर तौर पर योग्य मानवशक्ति प्रदान करना।
- अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उत्कृष्ट अनुसंधान लेखों का प्रकाशन करना ।

१	मुख्य का नाम	**डॉ. प्रदोश कुमार रथ,** सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी
२	संपर्क का ब्यौरा	पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा. कोरापुट, दूरभाष ०६८५२-२८८२१९
३	शिक्षकगण तथा उनकी योग्यता	डॉ. प्रदोश कुमार रथ, एम.ए. (अर्थशास्त्र), एमजेएमसी, पीएच.डी., (यूजीसी-नेट-जेआरएफ) श्री सौरभ गुप्ता, एमजेएमसी, (यूजीसी-नेट) श्री सुजित कु मोहांति, एमए, (यूजीसी-नेट) सुश्री सोनी पाढ़ी, एमजेएमसी, (यूजीसी-नेट)सुश्री तलत बेगम, एमजेएमसी
४	केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	पत्रकारिता तथा जन संचार में दो वर्षीय एम.ए, एक वर्षीय एम.फील. तथा पीएच.डी.

५. संकाय सदस्यगणों की शैक्षणिक गतिविधियों का ब्यौरा :

डॉ. प्रदोश कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी

प्रकाशन :

पत्रिका प्रकाशन

१. रथ , पी.के. (२०१३) बदलाव के एजेंट के रुप में मिडिया : इंडियन मिडिया सेंटर की *स्मरणिका २०१३* (ओड़िशा चाप्टर) जुलाई, २०१३ पृसं २८-३२

२. रथ, पी.के, लाल, जी.एस. एवं दिवाकर, आर.आर. (२०१३) राष्ट्र के विकास में आंचलिक /प्रादेशिक भाषाओं का योगदान : छत्तीसगढ़ भाषा का एक अध्ययन *ऊप Journalist*, खण्ड.२, संख्या १०, जुलाई-सितम्बर. २०१३. पृसं. २८-३५.

३. रथ, पी.के, लाल, जी.एस. एवं विश्वकर्मा, पी. (२०१३) टेलीविजन धारावाहिकों का महिलाओं की जीवन शैली पर प्रभाव : विलासपुर जिल्ला के संदर्भ में शोध प्रेरक , खण्ड-३, अंक-४, अक्तूवर २०१३ पृसं १-६. (ISSN.2231-413X)

४. रथ, पी.के, (२०१३) ओड़िशा के राजा नाच में मिडिया संचार की खोज ग्लोवाल मिडिया जर्नल : भारतीय संपादन (ISSN: 22495835), खंड ४, संख्या २, शीतऋतु अंक दिसम्बर २०१३.

५. रथ, पी.के, और सेठी, जी. महिला सशक्तिकरण में जन संचार की भूमिका : तीसरे विश्व की दृष्टि से । *कम्युनिकेशन टूडे*, जन-मार्च २०१४., पृसं-४३-४९.

पुस्तक के अनुच्छेद

१. रथ, पी.के (२०१३) मिडिया में ग्राफिक विषय की भूमिका : समसामयिक मिडिया में विषयवस्तु तथा तकनीकी का विषय (संपादक डॉ. अम्ब्रेश सक्सेना) , नई दिल्ली, कनिष्क प्रकाशन, मई , २ ।

२. रथ, पी.के. और गुप्ता एस.(२०१३) मिश्रित बाजार का विश्लेषण करना : अमूल विज्ञान कंपनी का एक अध्ययन । कंटेम्पोरेरी आडर्वाटइजिंग (संपा-रवि शंकर तथा मधुलिका शंकर) आईबीए पब्लिकेशन, हरियाणा, पृसं-०३-२१, दिसम्बर २०१३.(ISBN 978-81-87883-51-7).

संगोष्ठी तथा सम्मेलन में भाग लिया :

१. ०१-०२ मार्च, २०१४ को इलाहाबद विश्वविद्यालय, उ.प्र.द्वारा आयोजित **राष्ट्रीय निर्माण में मिडिया की भूमिका** पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में. प्रस्तुत लेख का शीर्षक : गंणतंत्र का चतुर्थ स्तंभ के रूप में मिडिया."

२. केंद्रापडा महाविद्यालय, केंद्रापड़ा में आयोजित सीयूओ के आउटरीच तथा मेंटरिंग कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया । "भारत में उच्च शिक्षा के भविष्य " पर संक्षिप्त वार्ता प्रदान किया ।

अन्य गतिविधियाँ

क) मई २०१३ को आयोजित कुशाभाई ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायुपर, छत्तीसगढ़ के जनसंचार में एम.ए. में प्रायोगिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्ति ।

ख) 7 जुलाई - 3 अगस्त 2013 तक गुरू घासिदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, यूजीसी-आकादमिक स्टाफ कॉलेज द्वारा आयोजित ओरिएंटशन कार्यक्रम में भाग लिया ।

श्री सौरभ गुप्ता, सहायक प्रोफेसर

प्रकाशन

गुप्ता एस. (२०१३) भारतीय शिक्षा में IPTV : अवसर तथा चुनौतियाँ । *टेलीविजन एंड न्यू कम्युनिकेशन टेक्नोलोजी-दॉ चेंजिंग पैराडिग ऑफ एजुकेशन*, ईएमआरसी, काश्मीर विश्वविद्यालय तथा ब्लॉक प्रिंटस, नई दिल्ली, पृसं १०९-१२४.

१. गुप्ता, एस.(२०१३) "नाटकों से फिल्म को रूपांतरण स्वांतत्रयोत्तर बंगाली सिनेमा में एक चयनात्मक अध्ययन "- जर्नल ऑफ बेंगली स्टडीज; खंड १, संख्या. २ वर्षाऋतु अंक, पृष्ठ १०४-११९. (ISSN- 2277-9426)

२. गुप्ता, एस. (२०१३) नाटक के माध्यम से सामुदायिक विकास : बादल सिरकार की ग्राम परिक्रमा में अंतदृष्टियाँ – कम्युनिकेशन : सामुदायिक विकास के लिए आवश्यकता । गौर महाविद्यालय पब्लिकेशन । (ISBN 978-81-920386-2-9).

३. गुप्ता, एस. (२०१३) भारतीय नाटक में टेगौर दर्शन के संदर्भ में समसामयिक प्रतिक्रिया का विश्लेषण : पश्चिम बंगाल में उत्पादन के एक चयनात्मक अध्ययन । जर्नल ऑफ बेंगली स्टडीज : बेंगली एंड थिएटर, खंड-२ संख्या-१ पृष्ठ ०७-१७. (ISSN 2277-9426)

४. गुप्ता, एस. (२०१३) आईपीटीवी-ऑन लाइन विडियो स्ट्रिमिंग में एक नयी दिशा, भारतीय परिदृश्य के एक अध्ययन, ग्लोबाल मिडिया जर्नल, खंड-४ संख्या-१ , ग्रीष्माकलीन अंक/जून २०१३. (ISSN 2249-5835).

५. रथ, पी.के. और गुप्ता, एस. (२०१३) मिडिया में ग्राफिक विषय की भूमिका – समसामयिक मिडिया में विषयवस्तु तथा तकनीकी विषयों का एक गुणात्मक विश्लेषण (संपादक डॉ. अम्ब्रेश सक्सेना), कनिष्क पब्लिशर, नई दिल्ली, पृष्ठ ६-१४. (ISBN 978-81-8457-402-9)

६. रथ, पी.के. और गुप्ता एस.(२०१३) मिश्रित बाजार का विश्लेषण करना : अमूल विज्ञान कंपनी का एक अध्ययन । कंटेम्पोरेरी आडर्वाटइजिंग (संपा-रवि शंकर तथा मधुलिका शंकर) आईबीए पब्लिकेशन, हरियाणा, पृसं-०३-२१, दिसम्बर २०१३. (ISBN 978-81-87883-51-7).

७. गुप्ता, एस. (२०१३) वंचित टेक्नोलोजिस्ट : हीरालाल सेन एंड बायोस्कोप । जर्नल ऑफ बेंगली स्टडीज, वसंत कालीन अंक २ खंड२ संख्या पृष्ठ ०८-१६, १८.१०.२०१३ को ऑनलाइन पर प्रकाशित (ISSN 2277-9426).

८. गुप्ता, एस. (२०१३) टेगौर के नाटक दर्शन और बेंगली नाटक समूह आंदोलन में इसकी स्वीकृति । विश्व भारती त्रैमासिक, खंड-२२ संख्या ३`४; अक्तूवर २०१३-मार्च २०१४; पृष्ठ १३६-१४४. (ISSN 0972-043X).

शैक्षणिक पत्रिका का संपादन

१. जर्नल ऑफ बेंगली स्टडीज के सहायक संपादक के रूप में कार्य किया है (वसंत ऋतु अंक खंड२ संख्या २) । विषय वस्तु इतिहास में विज्ञान तथा तकनीकी : आधुनिक बेंगली परिदृश्य ,कोजागारी लोकि पूर्णिमा के अवसर पर प्रकाशित, ३१ आश्विन १४२०. १८.१०.२०१३ को ऑनलाइन पर प्रकाशित ISSN 2277-9426.

२. ग्लोबाल मिडिया जर्नल के अतिथि संपादक भारतीय संस्करण (ISSN 2249-5835) शीतऋतु अंक/दिसम्बर २०१३ खंड४ संख्या २ विषय वस्तु : नाटक तथा संचार ।

सम्मेलनों में प्रस्तुति

१. भारतीय मिडिया में जलवायु परिवर्तन : मामले तथा चुनौतियाँ शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया । नवम्बर २३-२४, २०१३ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय,सुनाबेढ़ा, कोरापुट में जैवविविधता तथा प्राकृतिक संपदा संरक्षण विद्यापीठ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ।

सुश्री तलत जहां बेगम, व्याख्याता

१. इलेक्ट्रोनिक मिडिया विभाग, कुशाभाई ठाकरे पत्रकारिता तथा जन संचार विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित ७-८ मार्च २०१४ को फिल्म निर्माण तथा फिल्म उत्सव पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।

श्री सुजित कुमार मोहांति, व्याख्याता

अंतराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया :

१. वुडुवा, श्रीलंका में अक्तूबर १८-२०, २०१३ के दौरान LIRNEasia द्वारा आयोजित व्यवस्थित समीक्षा का परिचय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया

क) हैदराबाद में जून १७ - ३०, २०१३ के दौराना इंस्टीच्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेस, हैदराबाद द्वारा आयोजित संकाय सदस्यों के लिए समाज विज्ञान में अनुसंधान विधियाँ तथा लेखन शैली पर दो सप्ताह क्षमता निर्माण में भाग लिया ।

संगोष्ठियों और सम्मेलन में भाग लिया :

१. ११-१२ अक्तूबर २०१३ के दौरान मिडिया स्टीडीज स्कूल, स्वामी रामानंद तीर्थ मारठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेद द्वारा आयोजित नयी मिडिया : **संभावना तथा समस्यायें पर आईसीसएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में नयी मिडिया के युग में पारंपरिक पत्रकारिता के परिवर्तनशील दृश्य** पर एक अध्ययन शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया ।

२. २१-२२ मई २०१३ को जनसंचार विद्यापीठ, गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मिडिया गर्वनेंस तथा युवावर्ग पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बम्बे फिल्म तथा भारतीय गरीवों एवं गरीबी के लिए अन्योक्ति के रूप में सिनेमा शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया ।

३. १३-१४ अप्रैल २०१३ को समाज विज्ञान विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक द्वारा आयोजित भारत में विकास परम्पराओं की सीमाएं : अल्पविकास के विकास को पुन:रूप देना पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में " **भारतीय गरीब और गरीबी के सिनेमाई प्रस्तुति पर एक अध्ययन** " शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया ।

अध्यापक शिक्षा केंद्र

अध्यापक शिक्षा केंद्र वर्ष २०१३में शुरू हुआ है। इस केंद्र का लक्ष्य है आवश्यक कौशल तथा योग्यतायें प्रदान करके और अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के अद्यतन तत्वों को देकर हमारे देश के लिए दूरदर्शी अध्यापक तैयार करना। जैसा कि यह केंद्र दूरदर्शी अध्यापकों को तैयार करता है, इसलिए केंद्र मनोविज्ञान संसाधन केंद्र, समाज विज्ञान केंद्र, विज्ञान तथा गणित विज्ञान संसाधन केंद्र से सुसज्जित है।

१	डीन तथा मुख्य का नाम	**श्री रमेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी**
२	संपर्क के लिए विवरण	अध्यापक शिक्षा केंद्र ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेढ़ा, कोरापुट, ओड़िशाई-मेल : ramendraparhi@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यता	श्री रमेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, एम.ए., एम.एड, एम.फील,पीजीडीजीसी (एनसीआरटी), यूजीसी-नेटडॉ. आर. पूर्णिमा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.एड़, पीएच.डी., यूजीसी-नेटडॉ. आर.एस.एस. नेहरू, ठेके पर, एम.एससी., एम.एड़, पीएच.डी., श्री युधिष्ठिर मिश्रा, ठेके पर, एस.एससी (गणित), एमए (अंग्रेजी तथा दर्शन), एम.एड़, एम.फिल (शिक्षा), पीजीडीसीए श्री संतोष जेना, ठेके पर, एम.ए. एम.एड़, यूजीसी-नेट
४	केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	एक वर्षीय शिक्षा में स्नातक (बी.एड़)

५. संकाय सदस्यगणों की शैक्षणिक गतिविधियों का ब्यौरा :

श्री रमेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी

प्रकाशन :

१. शिक्षा मनोविज्ञान. एपीएच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन, नई दिल्ली (ISBN **978-93-313-1943-2)** पाढ़ी, आर.के.(२०१३)
२. पाढ़ी, आर.के.(२०१३) ओड़िशा के नवोदय तथा केंद्रीय विद्यालय छात्रों के गणित के प्रति शैक्षणिक उत्कंठा, स्व अवधारणा और उपलब्धियाँ । शोध समीक्षा, खंड-**II,** अंक **I.** (ISSN: 2249-5045).
३. पाढ़ी, आर.के.(२०१३) " ओड़िशा के कलाहांडी जिला में माध्यमिक स्कूलों के जनजाति तथा गैर जनजाति छात्रों में समायोजना का एक अध्ययन शीर्षक पर एक अनुसंधान लेख प्रकाशित हुआ है " । एडु वर्ल्ड पत्रिका में, खंड-***I,*** अंक*.-1* ISSN: 2319-7129.
४. पाढ़ी, आर.के.(२०१३) ओड़िशा के मयूरभंज तथा केऊंझर जिला के एससी तथा एसटी छात्रों का विद्यालय छोड़ने का कारण ढूढंना एक अध्ययन। रिसर्च जर्नल ऑफ आर्टस, मेनेजमेंट एंड सोसल साइंस, खंड VII - II, वर्ष ०४.(ISSN: 0975-4083).
५. पाढ़ी, आर.के.(२०१३) ओड़िशा के भद्रक जिला में किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि पर मस्तिष्क स्वाथ्य तथा पालन पोषण का प्रभाव . थटस ऑन एडुकेशन (ISSN: 2320-4710).
६. पाढ़ी, आर.के.(२०१३) शिक्षा के संबंध में नवरंगपुर जिला में उच्च विद्यालय के जनजाति छात्रों की समस्याओं की जांच (प्रकाशन के लिए गृहित).लर्निंग कम्युनिटि (ISSN: 0976-3201).

संगोष्ठियों और सम्मेलनों में प्रस्तुति

१. रांची में २२-२३ मार्च २०१४ को *" अध्यापक शिक्षा में नवपरिवर्तन : समय की आवश्यकता "* पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में लेख प्रस्तुत किया ।
२. झारखंड में २०१३ को *" आध्यपक शिक्षण में नवपरिवर्तन पर "* AIAER के राष्ट्रीय सम्मेलन में लेख प्रस्तुत किया ।

डॉ. पूर्णिमा आर, सहायक प्रोफेसर

प्रकाशन

१. पूर्णिमा, आर. (२०१३) अशक्त व्यक्तियों के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के साथ औजार उन्नत करने के रूप में अशक्तता का अध्ययन । एजुकेशनॉल एक्सट्राटस, खंड१, संख्या २, पृष्ठ ५२-६५, जुलाई २०१३. (ISSN No. 2320-7612) ।
२. पूर्णिमा, आर. (२०१३) विस्तृत शिक्षा के लिए अध्यापकों की तैयारी : नमूनें की एक समीक्षा । सेंट थोमास अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, पाला, केरल में जून २०१३ को आयोजित शिक्षण अशक्तता-कोई भी बच्चा पीछे नहीं है पर यूजीसी की राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवृत्तों में पृष्ठ ४१-५६. (ISBN No. 978-81-927201-1-1).
३. पूर्णिमा, आर. (२०१३) दक्षिण भारत के विश्वविद्यालयों में संरचनात्मक सुवधिाओं की उपलब्धता पर संकाय सदस्यों का ज्ञान । कनफ्लक्स जर्नल ऑफ एजुकेशन-एक पीर रिव्यूड इंटरनेशनॉल जर्नल, खंड१, संख्या १, जून २०१३. (ISSN No. 2320-9305).
४. पूर्णिमा, आर. (२०१३) भारतीय संदर्भ में महिला तथा बच्चों के प्रति घरेलू हिंसा । एशियन एकाडेमिक रिसर्च सोशल साइसेंस एंड ह्यूमानिटीज, खंड१ संख्या १५, पृष्ठ सितम्बर२६९-९२, २०१३. (ISSN No. 2278 859X - ऑनलाइन).
५. पूर्णिमा, आर. (२०१३) माध्यमिक विद्यालय छात्रों के मूल्य प्राथमिकताओं पर शिक्षण के मूल्य विश्लेषण नमूने का प्रभाव । *शानलाक्स इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ एजुकेशन,* खंड१, संख्या ४, २०१३,पृष्ठ ५१-६३. (ISSN No. 2320-2653).
६. पूर्णिमा, आर. (२०१३) कृषि शिक्षा में कर्मचारी परिस्थिति विज्ञान । संज्ञानात्मक बातचीत- एन इंटरनेशनॉल मल्टिडिसिप्लिनॉरी जर्नल, खंड१,संख्या १, जुलाई २०१३, पृष्ठ ४-१३. (ISSN: 2321-1075).
७. पूर्णिमा, आर. (२०१३) प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियों के संदर्भ में अंकगणित असुविधाओं में मनो सामाजिक प्रभावित वस्तुएँ । *शानलाक्स इंटरनेशनॉल जर्नल* -एन इंटरनेशनॉल मल्टिडिसिप्लिनॉरी जर्नल, खंड१,संख्या १, सितम्बर २०१३, पृष्ठ १०-२३. (ISSN No.2320-9305).
८. पूर्णिमा, आर. (२०१३) विश्वविद्यालय शिक्षकों का वृत्तिक तनाव । इनोवेटिव थटस : इंटरनेशनॉल रिसर्च जर्नल । खंड१, संख्या २,अक्तूबर २०१३,पृष्ठ २-१५. (ISSN No.2321-5453).
९. पूर्णिमा, आर. (२०१३) भारत में अशक्तता अध्ययन : निश्चित प्रतिबिंब, इनोवेटिव थटस : इंटरनेशनॉल रिसर्च जर्नल । खंड१, संख्या ३,दिसम्बर २०१३, पृष्ठ . २ – २०. (ISSN No.2321-5453).

डॉ. आर.एस.एस.नेहरू, अनुबंध शिक्षक

प्रकाशन

१. नेहरू, आर.एस.एस. (२०१३) पॉच दिवसीय २१-२५, अक्तूबर २०१३, मिश्रित सिखना, एपीएच पब्लिशिंग क., नईदिल्ली . (ISBN - 978-93-313-2111-4).
२. नेहरू, आर.एस.एस. (२०१३) शिक्षा में ICT, एपीएच पब्लिशिंग क., नईदिल्ली. (ISBN -978-93-313-2226).
३. नेहरू, आर.एस.एस. (२०१३) शिक्षा के दर्शनशास्त्रों, एपीएच पब्लिशिंग क., नईदिल्ली. (ISBN -978-93-13-2226-5).
४. नेहरू, आर.एस.एस. (२०१३) शिक्षा : आजीवन अधिगम यात्रा, संपादित पुस्तक, सुचित्रा पब्लिकेशन, विशाखापटनम, (ISBN-978-93-83729-22-7).
५. नेहरू, आर.एस.एस. (२०१३) सशक्तिकरण : जैसे आप सोचते हैं, संपादित पुस्तक, सुचित्रा पब्लिकेशन, विशाखापटनम, (ISBN-978-93-83729-22-7).

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भाग लिया

१. ८-९ नवम्बर २०१३को सेंट जोशेफ कॉलेज फॉर वुमेन, विशाखापटनम में ग्रीन टेक्नोलोजितस पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया था ।
२. एसपीएसस, एनआईआरडी, राजेंद्र नगर, हैदराबाद में आईटी डाटा प्रोसेसिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था ।

श्री संतोष जेना, अनुबंध शिक्षक

१. रांची में २२-२३ मार्च को *"अध्यापक शिक्षा में नवपरिवर्तन : समय की आवश्यकता"* पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में एक लेख प्रस्तुत किया था ।
२. केंद्रापड़ा स्वयंशासित महाविद्यालय,केंद्रापड़ा में सीयूओ द्वारा आयोजित आउटरीच एंड मेंटरिंग कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

श्री युधिष्ठिर मिश्रा, अनुबंध शिक्षक

पुस्तक प्रकाशन :

१. मिश्रा, वाई. (२०१४) शिक्षा की नींव. (ISBN No. 978-93-313-2394-1)
२. मिश्रा, वाई. (२०१४) शिक्षा के दर्शनशास्त्र (ISBN No. 978-93-313-2364-4)
३. मिश्रा, वाई. (२०१४) शिक्षा सिद्धांत (ISBN No. 978-93-313-2394-1)
४. मिश्रा, वाई. (२०१४) शिक्षा के महान चिंतकों (ISBN No. 978-93-313-2431-3)

लेख प्रकाशन :

1. मिश्रा, वाई. (2014) सम्बलपुर नगरपालिका के वस्ती के निवासियों की शैक्षिक समस्यायें । एन इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमानिटी : एक्सलेंस इन एजुकेशन, खंड-III, संख्या-1, जन-दिसम्बर 2014. (ISSN No. -2320-7019)
2. मिश्रा, वाई. (2014) माध्यमिक विद्यालय में यौन शिक्षा के प्रति पिता-माताओं के मनोभाव । एन इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमानिटी : एजुकेशन एंड सोसाइटी, खंड-III, संख्या-1, जन-दिसम्बर 2014. (ISSN No. -2319-9687).
3. मिश्रा, वाई. (2014) बरपाली ब्लॉक के जुलाहा समुदाय की शैक्षिक समस्यायें, एन इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमानिटी : एजुकेशन एंड वेलफेयार, खंड-III, संख्या-1, जन-दिसम्बर 2014. (ISSN No. -2320-1762).
4. मिश्रा, वाई.(2014) बीजेपुर ब्लॉक जुलाहा समुदाय की शैक्षिक स्थिति. एन इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमानिटी : एजुकेशन टाइम्स. खंड-III, संख्या-1, जन-दिसम्बर 2014. (ISSN No. -2319-8265).
5. मिश्रा, वाई.(2014) मयुरभंज जिले में संताल विद्यालयों के कार्य । एन इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट : एजुकेशनॉल आडमिनस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट, खंड-III, संख्या-1, जन-दिसम्बर 2014. (ISSN No. -2348-9332)
6. मिश्रा, वाई.(2014) माध्यमिक विद्यालयों में यौन शिक्षा के प्रति शिक्षकों का मनोभाव । *एन इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमानिटी :* एजुकेशन एट दॉ क्रॉस रोड़,खंड-III, संख्या-1, जन-दिसम्बर 2014. (ISSN No. -2320-0316).
7. मिश्रा, वाई.(2014) शिक्षा पर गंगाधर मेहर के विचार । *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट मार्केटिंग एंड एचआरडी,* खंड-I, अंक-4, पृष्ठ 50 से 58 तक नवम्बर 2013. (ISSN no -2321-8622).

8. मिश्रा, वाई.(2014) अंग्रेजी के प्रति हिंदी माध्यम माध्यमिक विद्यालयों का मनोभाव और अंग्रेजी में उपलब्धि से इसका संपर्क । *एन इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मैनेजमेंट स्टडीज,* खंड-I, , अंक-6, पृष्ठ 90 से 104 तक, जनवरी -2014. (ISSN No. -2321-4864).
9. मिश्रा, वाई.(2014) साई बाबा सिरडी- आकाश गंगा का एक आध्यत्मिक चमकीला तारा जिसका नाम है शिक्षा । *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ मल्टी डिसिप्लिनॉरी साइंस एंड रिसर्च,* खंड-I, अंक-7, पृष्ठ 26 से 40 तक फरवरी-2014. (ISSN No. -2321-4872).
10. मिश्रा, वाई.(2014) पार्वती गिरि- भारतीय समाज का एक रत्न है. *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ मल्टी डिसिप्लिनॉरी साइंस एंड रिसर्च,* खंड-I, अंक-6, पृष्ठ 4 से 9 तक जनवरी-2014. (ISSN No. -2321-4872).
11. मिश्रा, वाई.(2014) एनजीओ तथा विकास : कोरापुट जिला, ओड़िशा में प्रयास-सीवाईएसडी का एक मामला का अध्ययन. *एन इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमानिटी :* खंड-V, अंक-1, पृष्ठ 101 से 113 तक जनवरी-दिसम्बर-2014. (ISSN no -2229-5755).
12. मिश्रा, वाई.(2014) शिक्षण के रचनावादी दृष्टिकोण – गणित विज्ञान पर 5e मॉडल शिक्षण योजना. *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ मल्टी डिसिप्लिनॉरी साइंस एंड रिसर्च,* खंड-I, अंक-8, पृष्ठ 16 से 30 तक मार्च 2014. (ISSN No. -2321-4872) ।

भाषा विद्यापीठ

भाषा मानव एवं समाज के बीच भाव विनिमय का एक महत्वपूर्ण कड़ी है।हम कैसे सोचते हैं, क्या सोचते हैं, आपस में कैसे बातचीत करते हैं एवं एक समुदाय के रूप में अपने अस्तित्व को जाहिर करते हैं,यह सब भाषा द्वारा निर्धारित किया जाता है जो केवल मात्र विचारों का साधन नहीं है अपितु वास्तव में स्वयं विचार है। दूसरी ओर साहित्य समाज का दर्पण है और नैतिकता व मानसिक शांति का एक उपयोगी साधन है।

इसे ध्यान में रखते हुए भाषा विद्यापीठ की स्थापना की गयी है एवं वर्तमान दो भाषाएँ अंग्रेजी एवं ओड़िया में शिक्षा प्रदान की जाते है। इन भाषाओं में से प्रत्येक साहित्य के एक महत्वपूर्ण अंग है, जो महान लेखकों, उपन्यासकार, कवि, कहानी लेखकों, नाटक लेखकों आदि का एक समेकित समूह है। ये भाषाएँ महान संस्कृति एवं महान दर्शन के धरोहर हैं। विद्यार्थी जो इस विद्यापीठ में भाषा का अध्ययन करने के इच्छुक हैं वास्तव में उनको भाषा से कहीं अधिक अध्ययन करने का अवसर मिलता है। वह (पु/स्त्री) उस संस्कृति की साहित्य, कला एवं दर्शन का भी अध्ययन करेंगे।

उपरोक्त दो भाषाओं में प्रशिक्षण विद्यार्थी को अंत में एक अनुवादक, टीकाकार, शिक्षक, विशेषज्ञ अथवा मल्टी-मीडिया परियोजनाओं में एक सलाहकार बनने में सक्षम बनाता है।

अंग्रेजी भाषा साहित्य केन्द्र (सीईएलएल)

भाषा विद्यापीठ के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य केन्द्र (सीईएलएल)ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षिक वर्ष २००९-१० से स्नातकोत्तर (दो वर्षीय) कार्यक्रम की शुरूआत की है।

दूरदृष्टि:

- अंग्रेजी में निमन्त्रित प्राध्यापकों का प्रवेश।
- स्वरविज्ञान प्रयोगशाला, संचार प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- अंग्रेजी साहित्य/अंग्रेजी भाषा शिक्षण/भाषाशास्त्र में एमफिल/पीएच.डी आदि नये कार्यक्रमों का शुभारंभ।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आदि आयोजन करना।

यह केन्द्र अंग्रेजी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है एवं अफ्रीका, अमेरिका, अस्ट्रेलियन, कानेडीयन, अंग्रेजी, भारतीय, आयरिश आदि में गैर-ब्रिटिश साहित्य पर जोर देता हा। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत में साहित्य सिद्धान्तों पर उनके संदर्भ से जुड़े साहित्य से संबंधित अपनी क्षमता को विकास करने, सिद्धान्तों और ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन करने और इतिहास, सिद्धान्त, सामग्री प्रेरित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सिद्धान्त,तुलनात्मक साहित्य एवं अग्रेजी स्थिति का पता लगाने में मदद करता है।

१	प्रमुख का नाम	**श्री संजित कुमार दास, सहायक प्राध्यापक एवं प्रमुख प्रभारी**
२	संपर्क विवरण	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य केन्द्र, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०, ओड़िशा, ई-मेल:sanjeet.iitk@gmail.com
३.	शिक्षागत योग्यता के साथ शिक्षण सदस्य	संजित कुमार दास, सहायक प्राध्यापकअंग्रेजी में स्नातकोत्तर, भाषाशास्त्र में स्नातकोत्तर, अंग्रेजी में एमफील, यूजीसी-नेटश्री अमरेश आचारी, अध्यापकएम.ए., एमफील एवं यूजीसी-नेट
४	केन्द्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में २ वर्षीय स्नातकोत्तर

ओड़िया भाषा एवं साहित्य केन्द्र (सीओएलएल)

केन्द्र ओड़िया में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करता है। इसका पहला लक्ष्य ओड़िशा के भाषा, साहित्य एवं संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। इस भाषा एवं साहित्य का ओड़िया साहित्य एवं लिखित साहित्य में एक महान परम्परा रही है। तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद एवं सम्पादन, साहित्य के विकास में मास मीडिया की भूमिका उपरोक्त कार्यक्रम के बुनियादी पाठ्यक्रम है।

ओड़िशा के ओड़िया साहित्य एवं संस्कृति पर अनुसंधान करने हेतु यहाँ पर्याप्त अवसर है। छात्रों को उपर्युक्त कार्यक्रम द्वारा प्रेरित किया जा सकता है जिसके द्वारा साहित्य एवं संस्कृति को नई पीढ़ी के लिए संरक्षित किया जा सकता है।

ओड़िया भाषा एवं साहित्य केन्द्र सन् २००९ में अपनी स्थापना काल से ही कला में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता आ रहा है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को नियमित संशोधन एवं अद्यतन किया जाता है। केन्द्र तुलनात्मक साहित्य, लोक साहित्य एवं जनजातीय अध्ययन में विशेष शिक्षण प्रदान करता है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्र सम्पादन एवं अनुवाद में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। केन्द्र शुरू से ही अपने अनुसधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। केन्द्र के शिक्षक परास्नातक कार्यक्रम के लिए शोध-प्रबंध की निगरानी करते हैं जहाँ छात्र चौथी छमाही में नृविज्ञान एवं सामाजिक क्षेत्र कार्य प्रदर्शन का अवसर पाते हैं। केन्द्र से काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने यूजीसी-जेआरएफ/नेट पास कर चुके हैं उनमें से कइयों ने प्रतिष्ठित सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों में रोजगार पा चुके हैं।

अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फील तथा पीएच.डी) कार्यक्रम चालू शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ से केंद्र में आरंभ किया गया है ।

१.	**प्रमुख का नाम**	**डॉ. आलोक बराल, सहायक प्रोफेसर तथा प्रमुख प्रभारी**
२.	संपर्क विवरण	ओड़िया भाषा तथा साहित्य केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडिगुड़ा, कोरापुट (ओड़िशा)
३.	शिक्षागत योग्यता के साथ शिक्षण सदस्य	डॉ. आलोक बराल, एमए, पीएचड़ी, यूजीसी-नेट श्री प्रबोध कुमार स्वांई, एमए, एमफील, यूजीसी-नेट डॉ. रूद्राणी मोहांति, एमए, पीएच.डी. डॉ. गणेश प्रसाद साहू, एमए, पीएचड़ी, यूजीसी-नेट
४.	केन्द्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	ओड़िया भाषा तथा साहित्य में २ वर्षीय स्नातकोत्तर

५. संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ.अलोक बराल, सहायक प्रोफेसर तथा विभागीय प्रभारी

अनुसंधान लेख तथा प्रकाशित निबंध (ओड़िया तथा अंग्रेजी)

1. बराल, ए. (2013) सहे तीर्थ बरसर बंग्ला गल्प : एक मुग्ध अन्वेषण, कादम्बिनी, विशेष अंक (विषुव) अप्रैल -2013 (ISSN-2277-1131).
2. बराल, ए. (2013) अदृश्य पक्षीर मधुर कुंज, (जगन्नाथ संस्कृति तथा साहित्य पर एक अनुसंधान निबंध), कादम्बिनी, विशेष अंक (स्वनक्षेत्र), जुलाई-2013 (ISSN-2277-1131).
3. बराल, ए. (2013) आत्मनुसंधानर अदृश्य मरमरा : नरकिन्नर : सुवर्ण स्मारकी, *पक्षी घर* (अरबिंद राय द्वारा संपादित), भुवनेश्वर, जुलाई-2013 (ISBN-9 788192084107)
4. बराल, ए. (2013) टेक्नोलोजी ओ साहित्य, नवनीत, बलांगीर, जुलाई 2013 (ISSN-2320-1061) ।
5. बराल, ए. (2013) जणे राजा थिले : लोकानुसंग प्रसंग, विजया मिश्र अभिनंदन समिति, भुवनेश्वर, जुलाई -2013 ।
6. बराल, ए. (2013) । ओड़िया नाटक ओ लोक उपादान, नाटक, कवितार प्रसारित दिगवलय (प्रो. संघमित्रा मिश्र द्वारा संपादित), अग्रदूत, कटक, अगस्त -2013 (ISBN-81-86354-123-5) ।
7. बराल, ए. (2013) ओडिया नृत्यटिका उपन्यास, पाहाच, सचिवालय, ओड़िशा, भुवनेश्वर, अक्तूवर -2013 ।
8. बराल, ए. (2013) कथार अरण्य और असरंति शिकार, शैलजा, केंद्रापड़ा, अक्तूवर- -2013।
9. बराल, ए. (2013) । हस ओ लूहर असरंति भाष्य : सुमित्रा हास, *महापात्र निलमणि साहू : श्रुति मानस* (पठाणी पटनायक, सारला साहित्य संसद द्वारा संपादित), ओड़िशा बुक स्टोर, कटक, नवम्बर -2013 ।

10. बराल, ए. (2013) । स्टाफ रिपोर्टर फटो नागेन सैकिया द्वारा लिखित प्रसिद्ध कथा साहित्य से आसामी भाषा से ओडिया अनुवादित, कादम्बिनी, भुवनेश्वर, विशेष अंक, जनवरी -2014 (ISSN-2277-1131) ।
11. बराल, ए. (2013) लोक साहित्य तत्वों के जरिये संचार : ओड़िया नाटक का एक अध्ययन (अंग्रेजी), ग्लोबाल मिडिया जर्नल-इंडियन एडिशन, विंटर इस्यू -2003 (सारांश : थिएटर एंड कम्युनिकेशन), कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित, (ISSN-22495835) ।
12. बराल, ए. (2013) केते रूप केते जे विन्यास (ओड़िया उपन्यास में वर्षा पर एक अनुसंधान निबंध) : *कादम्बिनी*, भुवनेश्वर, वार्षिक -2014 (ISSN-2277-1131) ।
13. बराल, ए. (2013) विजया मिश्र, सिगमुंड फायड़ एवं सब बहक माने (विजया मिश्र के एक विशेष ओड़िया नाटक पर मनोविश्लेषण पर एक निबंध) , *विजया : एक उच्छवास-4*, विजया मिश्र फाउंडेशन, भुवनेश्वर -2014 ।
14. बराल, ए. (2013) अनुदित श्रुति, आलोकित दृष्टि (निर्मल वर्मा की अनुदित कथा साहित्य का विश्लेषण) अभिलाषा अभिलिपि, (प्रो. बी.सी.सामल, डॉ. बाबाजी पटनायक और दूसरों द्वारा संपादित प्रभाकर स्वांई पर एक पुस्तक), काहाणी प्रकाशन, कटक, 2014 (ISBN-978-93-81756-56-0) ।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. 20 अक्तूबर 2013 को संगीत महाविद्यालय, भुवनेश्वर के ओडिटोरियम में ओड़िशा साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित प्रसिद्ध कथा साहित्य लेखक बसंत कुमार शतपथी के सौ जन्म दिवस पर "वसंत कुमार शतपथी कथा साहित्य एक अंतरंग आकलन" शीर्षक पर एक व्याख्यान प्रदान किया और मुख्य वक्ता के रूप में कार्य किया है ।
2. 28-29 मार्च 2014 को पीजी ओड़िया विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, भंज बिहार, ब्रह्मपुर, गंजाम द्वारा आयोजित *दक्षिण ओडिशार जटापु जनजाति ओ पर्व पर्वाणी* शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया और संसाधन व्यक्ति के रुप में *ओड़िशा की जनजाति संस्कृति* पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
3. 16.01.2014 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साहित्य पर कुंतला कुमारी साबत स्मारिका व्याख्यान में संयोजक के रूप में काम किया है ।
4. ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, भंज बिहार, ब्रह्मपुर, गंजाम के डिग्री तथा पीजी कार्यक्रम के उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए नियुक्ति मिली ।
5. विक्रम देव सरकारी महाविद्यालय, जयपुर, कोरापुट के ओडिया बीओएस के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

श्री प्रदोष कुमार स्वांई, सहायक प्रोफेसर

प्रकाशन

1. स्वांई, पी.के. (2013) चतुर विनोद : एक आकलन, *गिरिझर*, अंक 3, सितम्बर 2013, रायगड़ा.
2. स्वांई, पी.के. (2013) पल्लीप्राण नंदकिशोर एवं प्रभात अवकाश, *उद्र साहित्य पत्रिका*, खंड-14, 2013.
3. स्वांई, पी.के. (2013) संघमित्रा काव्य मानस, *"सृजन ओ समालोचनार जुगलबंदा"*, (विजयलक्ष्मी स्वांई द्वारा संपादित), मिता बुक्स, बांक बाजार, कटक- -2.
4. स्वांई, पी.के. (2013) तराट ओ सोरिष फुलर चौमाथ : मनोरोमांक कविता, *इश्ताहार*, पूजा विशेषांक , खंड35, संख्या 4, अक्तूबर 2013.
5. स्वांई, पी.के. (2013) समोहन-दहन-निर्वारण असंरति अबोध : आपणंक काव्यबोध, काव्यालोक, पूजा विशेषांक, अक्तूबर 2013.
6. स्वांई, पी.के. (2013) मनोरामांक कविता : एक आकलन, गोकोर्निका, पूजा विशेषांक, अक्तूबर 2013.
7. स्वांई, पी.के. (2013) विजय मिश्रंक नाट्यभूमिर भिन्न प्रस्त : बानप्रस्थ, विजय उत्सव, खंड 4, 2014.

संगोष्ठी/सम्मेलनों में भाग लिया

1. रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक में 9 और 10 दिसम्बर को अंधे संघ, अहमदाबाद और इंटरनेशनॉल काउंसिल फॉर दॉ एजुकेशन ऑफ दॉ विजुएली इम्पेयारड ICEVI द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अशक्त व्यक्तियों के लिए उच्च शिक्षा राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
2. उद्र भाषा साहित्य संसद, गंजाम के वार्षिक समारोह पर 8 सितम्बर 2013 को आयोजित " सांप्रतिक ओड़िया साहित्य ओ साहित्यनुष्ठान मानंकर भूमिका " पर एक व्याख्यान प्रदान किया ।
3. 21-22 मार्च 2014 को मिल्टन चारिटेबल फांउडेशन फॉर दॉ विजुएली हेंडिकेप्पड (MCFVH), ब्रह्मपुर, गंजाम द्वारा आयोजित विशेष शिक्षा: मामले, नीतियाँ और प्रथाएँ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में " ओड़िशा में विशेष शिक्षा" शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया।

4. 25 जनवरी 2014 से 21 फरवरी 2014 तक एकाडेमिक स्टॉफ कॉलेज, संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति बिहार, संबलपुर द्वारा संचालित ओरिएंटशन कार्यक्रम में भाग लेकर पूरा किया ।
5. ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कैंप ऑफिस, भुवनेश्वर में 16 मार्च 2013 और 7 अक्तूबर 2013 को क्रमानुसार आयोजित शैक्षणिक परिषद की दसवीं और ग्यारहवीं बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिषद के सदस्य के रूप में भाग लिया था ।

डॉ. रूद्राणि मोहांति, संकाय सदस्य

प्रकाशन

1. मोहांति, आर. गडवा जनजाति की जीवन शैली, 'ESHANA'.
2. मोहांति, आर. (2013) पद्य 9घंट' (पद्य) *गॉवमजलिश*, दिसम्बर , 2013.
3. मोहांति, आर. (2014) मणिष (पद्य), *संवाद*, 23 फरवरी 2014.

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलनों /परिसंवाद में भाग लिया

1. 20 से 26 मई 2013 को आईआईएम, कोलकात्ता में सीयूओ के विभिन्न विभागों के दस छात्रों के दल नेता के रूप में SPICMACAY के प्रथम अंतरराष्ट्रीय दीक्षांत समारोह में भाग लिया.
2. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए एक अनुसंधान लेख स्वीकृत हुआ है.

मुख्य वक्ता, वक्ता, उद्घोषक,एंकरेर तथा लाइव कमेंटर के रूप में साहित्यिक गतिविधियाँ

1. 2.7.13 को 8.30 सांय बजे दूरदर्शन केंद्र, भुवनेश्वर में 'सौरा जनजाति के लोक साहित्य' पर आधारित चर्चा में एक अनुसंधान लेख प्रस्तुत किया.
2. सत साहित्य संसद, कोरापुट द्वारा आयोजित मेहर जयंती के अवसर पर "कवि गंगाधर मेहर" पर एक व्याख्यान प्रदान किया .
3. 14.04.2013 को सत साहित्य संसद, कोरापुट द्वारा आयोजित विषुव मिलन उत्सव में "कविता आवृत्ति " पर कविता प्रस्तुत किया और आंकरिंक किया था.
4. 10.07.2013, 11.07.2013 &12.07.2013 को जिला सूचना तथा जन संपर्क अधिकारी, मयूरभंज द्वारा आमंत्रित बारिपदा, मयुरभंज रथ यात्रा में कमेंटर के रूप में भाग लिया था .
5. 1 सितम्बर 2013 को उत्कल सांस्कृतिक परिषद, एचएएल, सुनाबेढ़ा के सभापित द्वारा आमंत्रित मुख्य वक्ता के रूप में " कवि सम्राट उपेंद्रभंज" पर एक वक्तव्य प्रदान किया.
6. 5.9.2013 को ओड़िशा साहित्य अकादमी के मान्यवर आयुक्त सह सचिव द्वारा आमंत्रित "समसामयिक ओड़िया निबंध" पर एक अनुसंधान लेख प्रस्तुत किया.
7. 11 से 31 दिसम्बर तक एएससी, संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया.
8. 17 तथा 18 जनवरी को प्रगति तथा प्रेस क्लब, कोरापुट के सहयोग से जिला संस्कृति परिषद द्वारा आयोजित एवं आमंत्रित " कोरापुट क्षेत्र में जनजातियों की जीवन निर्वाह " पर संगोष्ठी में भाग लिया और वक्तव्य प्रदान किया.
9. 31 जनवरी 2014 को 29वें वार्षिक दिवस समारोह पर सिमलिगुड़ा महाविद्यालय, सिमलिगुड़ा के प्राचार्य द्वारा आमत्रिंत मुख्य वक्ता के रूप में " छात्रों के व्यक्तित्व विकास " पर एक वक्तव्य प्रस्तुत किया और कार्यक्रम में भाग लिया .
10. 10 फरवरी 2014 को क्षेत्र अध्ययन के लिए चौथी सेमिस्टर के छात्रों के साथ ऑल इंडिया रेडियो,जयपुर का परिदर्शन किया.
11. 23 फरवरी 2014, को जिला प्रशासन, मिशन शक्ति तथा हर्ष ट्रस्ट, कोरापुट के सहयोग से प्रगति द्वारा आयोजित पाँचवें जिला स्तरीय महिला समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में " महिला सशक्तिकरण तथा जीविकापोर्जन" पर एक वक्तव्य रखा.
12. 2 मार्च 2014 को भाषा साहित्य संसद, सुनाबेढ़ा के सभापति तथा अध्यक्ष द्वारा आमंत्रित वर्षा साहित्य संसद, सुनाबेढ़ा में " एबे मो छाति भितरे तू" कविता पाठ आवृत्ति किया और भाग लिया.

डॉ. गणेश प्रसाद साहू, संकाय सदस्य

अनुसंधान प्रकाशन :

1. साहू, जी.पी. (2013) 'मोर पिलादिन " (बेंगली से ओड़िया को एक अनुदवाद कार्य), इश्ताहार, भुवनेश्वर, अप्रैल अंक 2013, पृष्ठ 124-141.

2. साहू, जी.पी. (2013) मानविकतार कीर्तिगान : खरार बांगरा लोक, महानदी, कटक, खंडXIV, जुलाई 201 पृष्ठ 209-216.
3. साहू, जी.पी. (2013) मानववाद परिप्रेक्षीरे मायाधर मानसिंहंक पद्य साहित्य, त्रैमासिक ओड़िया पत्रिका, *"जनसुधा"*, जून-जुलाई 2013, पृष्ठ 21-28.
4. साहू, जी.पी. (2013) लुप्त प्राय ओड़िशार हलिया गीत ओ सगडिया गीत, *"पुनश्च उत्कल प्रभा"*, बारिपदा, अक्तूबर 2013, पृष्ठ 40-50.
5. साहू, जी.पी. (2013) बैड़ा जातिर लोक बिस्वास और लोक चिकित्सा, मंडई (नवरंगपुर का एक सांस्कृतिक पत्रिका), नवम्बर 2013, पृष्ठ 1-3.

अनुसंधान गतिविधियाँ

उत्तर ओड़िशा विश्वविालय, बारिपदा के तहत डॉ. जी.पी. साहू के तत्वावधान में एक छात्र ने अपनी पीएच.डी. शोधग्रंथ प्रस्तुत किया है.

अभिमुखीकरण कार्यक्रम :

१. २५ जनवरी से २१ फरवरी २०१४ तक संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति बिहार, ओड़िशा द्वारा आयोजित यूजीसी ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया.

समाजविज्ञान विद्यापीठ

समाजविज्ञान विद्यापीठ शैक्षिक गतिविधियों में अन्तर्विषयक दृष्टिकोण के साथ संलग्न करने हेतु अभिनव एवं रचनात्मक विचार के साथ शुरू की गयी है। इसका अपना कोई स्नातक कार्यक्रम नहीं है, वर्तमान इसमें सिर्फ परास्नातक कार्यक्रम है। अधोवर्णित के अनुसार विद्यापीठ के पास पांच केन्द्र हैं जिसमें परास्नातक कार्यक्रमों के लिए नियमित रूप से दाखिला लेने की पहल की गयी है :

नृविज्ञान अध्ययन केन्द्र (सीएएस)

नृविज्ञान, एक सामाजिक जीव के रूप में अपने परिवेश में एक दूसरे के साथ बातचीत दौरान मानवों का एक वैज्ञानिक अध्ययन है। मानव स्वभाव का अध्ययन, मानव समाज एवं अतीत के मानव के रूप में अकेले नृविज्ञान को परिभाषित किया जा सकता है। यह वह क्षेत्र है जो एक सार्थक वैज्ञानकि अवधारणा में मानवीय संस्कृति का अवलोकन कर रहा है एवं मानव के अस्तित्व तलाश रहा है। यह एक विद्वत अनुशासन है जो मानव का अर्थ यथासंभव विस्तृत अर्थ में परिभाषित करने का लक्ष्य रखा है। नृविज्ञान के सिद्धान्तों एवं प्रणालियों को व्यावहारिक समस्याओं के विश्लेषण व समाधान के लिए प्रयोग किया जा सकता है। सार्वजनिक क्षेत्र के कार्य के अलावा व्यावहारिक मानवविज्ञानी अक्सर सरकारी, विकास अभिकरणों, गैरसरकारी संगठनों, जनजातीय एवं जातीय समूहों के लिए कार्य करते हैं।

इस विश्वविद्यालय में नृविज्ञान अध्ययन केन्द्र सन् २००९ से कार्य कर रहा है। छात्रों के चार बैच पहले से ही अपने परास्नातक डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। पांचवाँ एवं छठा बैच अभी चल रहा है। केन्द्र की अधिकतम छात्र नामांकन क्षमता ३० है। शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ से नृविज्ञान में एमफील एवं पीएच.डी कार्यक्रम शुरू हुआ है। आईसीटी जैस नवीनतम शिक्षण प्रणाली द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है। छात्रों को व्यापक क्षेत्र अनुसंधान प्रशिक्षण के बारे में अवगत किया जाता है और वे भी व्यापक क्षेत्र कार्य के आधार पर शोध प्रबंध तैयार करते हैं। केन्द्र मानव विज्ञान विषय एवं इसके व्यावहारिक पहलुओं के बारे में ज्ञान एवं तकनीकी जानकारी प्रदान कर रहा है। वे संग्रहालय नमूनों की प्रलेखन, औषधीय संरक्षण के प्रसार के लिए संग्रहालय विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके है। विद्यार्थियों को भी चिकित्सा नृविज्ञान, पोषण स्थिति का आकलन, आधुनिक मानव आनुवांशिकी प्रशिक्षण, मानव विज्ञान के फोरेंसिक प्रयोग, सामाजिक प्रभाव का आकलन, विकास कार्य परियोजनाओं का मूल्यांकन एवं निरीक्षण आदि पर प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थियों को जनजातीय अध्ययन के संपूर्ण पहलुओं पर विशेष पाठ्यक्रम दिया जा रहा है। इस केन्द्र से परास्नातक डिग्री प्राप्त कर चुके छात्र भारतीय नृविज्ञान सर्वेक्षण, भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद, केन्द्रीय फोरेंसकि विज्ञान प्रयोगशाला, आईसीएसएसआर के विभिन्न केन्द्र, भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण, विभिन्न संग्रहालय, भारतीय क्रीड़ा प्राधिकरण, विभिन्न आर्युविज्ञान फोरेंसकि संस्थान, समाज विज्ञान, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन जनसंख्या अनुसंधान से जुड़े संस्थान एवं गैरसरकारी संगठनों में शिक्षण एवं शोध कार्य आदि विभिन्न दिशाओं में अपना कैरियर बनाने में सक्षम हो सकते हैं। कई उत्तीर्ण छात्र अब उपर्युक्त क्षेत्रों में विभिन्न प्रतिष्ठित कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। इस क्षेत्र के मानवीय विरासत के साथ मूर्त एवं अमूर्त के संरक्षण के लिए केन्द्र ने पहले से ही व्यापक क्षेत्र कार्य द्वारा प्रमाण प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है एवं इस विश्वविद्यालय में जल्द ही एक मानव विज्ञान संग्रहालय की स्थापना करने जा रहा है। इस केन्द्र एक प्रगत मानव

आनुवांशिकी प्रयोगशाला स्थापना करने जा रहा है, यह स्थानीय लोगों के बीच यदि कोई आनुवांशिक विकार हो तो बड़े पैमाने पर उसकी स्क्रीनिंग संचालन की योजना बना रहा है। केन्द्र की सक्रिय पहल से विश्वविद्यालय "स्वदेशी अध्ययन केन्द्र के नाम से एक विशेष केन्द्र की स्थापना करने जा रहा है जिसके लिए विश्वविद्यालय ने पहले से ही भारत-न्यूजिलैंड सहयोगी पहले के अन्तर्गत न्यूजिलैंड के स्वदेशी विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया है। प्राथमिक विनिमय कार्यक्रम के लिए, न्यूजिलैंड के प्रतिष्ठित संकाय एवं हमारे विश्वविद्यालय में आए कुछ बाहरी संकाय को लेकर हमारे विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

१	**प्रमुख का नाम**	**डॉ.जयन्त कुमार नायक, सहायक प्राध्यापक एवं मुख्य प्रभारी**
२	संपर्क विवरण	नृविज्ञान अध्ययन केन्द्रओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालयसुनाबेड़ा, कोरापुट(ओड़िशा) ई-मेल:jayanta.nayak@rediffmail.com
३	शिक्षागत योग्यता के साथ शिक्षण सदस्य	डॉ.जयन्त कुमार नायक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी,यूजीसी (नेट) सहायक प्राध्यापक एवं विभाग मुख्य (प्रभारी) श्री बी.के.श्रीनिवास, एम.एससी., यूजीसी (नेट)सहायक प्राध्यापक डॉ.मीरा स्वाईं, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी, यूजीसी(नेट) अध्यापक (संविदात्मक)
४	केन्द्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	नृविज्ञान में २वर्षीय एम.ए/एम.एससी, १ वर्षीय एम.फिल एवं पीएच.डी

५. संकाय सदस्यगणों की शैक्षणिक गतिविधियों का ब्यौरा :

डॉ. जयंत कुमार नायक, सहायक प्रोफेसर तथा विभागीय प्रभारी

पत्रिकाओं में प्रकाशन :

1. **नायक जे के. (2014)** हंटर गेदरेर टू सेमी फोराजेर : ओड़िशा के मानकिरडायस की विकासत्मक संछेदी पर एक मामला का अध्ययन. *ह्यूमानिटीस सर्किल* (केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय पत्रिका) ; 2(1):115-132. ISSN 2321-8010
2. **नायक जे के. (2013) ग्रामीण जीवन में परिवर्तन : नृवैज्ञानिक प्रेक्षण** (ओड़िया भाषा में) *समदृष्टि* ; 8(2):5-12.

पुस्तक अनुच्छेद में प्रकाशन :

1. साहू एल.के. और **नायक जे के. (2013)** ओडिशा के मयूरभंज जिले में LEPRA सोसाइटी द्वारा मलेरिया, टीबी, और लेपर्सी पर स्वास्थ्य हस्तक्षेप कार्यक्रम- स्वास्थ्य के लिए आवश्यक व्यवहार के ज्ञान, मनोभाव और प्रथा परिवर्तन में एक मील पत्थर की यात्रा । जे. दाश, पात्र पीके तथा सतपथी के सी द्वारा संपादित पुस्तक ***एथनोमेडिसनॉल प्राक्टिसेस इन ट्राइबल एरियाज***, पृष्ठ 317 से 331 तक एसएसडीएन पब्लिशर एंड डिस्ट्रिब्यूटरर्स, नईदिल्ली. **ISBN- 9789381839188 .**

विभिन्न कार्यशाला तथा संगोष्ठियों में भाग लिया :

1. 29 मार्च 2014 को पीजी ओड़िया विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, भंजबिहार, ब्रह्मपुर, गंजाम द्वारा आयोजित ओड़िशा *जनजाति की संस्कृति* पर यूजीसी राष्ट्रीय सम्मेलन में **"बंडा जनजातियों की पेय संस्कृति : एक नृवैज्ञानिक परिदृश्य "** पर एक लेख प्रस्तुत किया.
2. जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 23 तथा 24 नवम्बर 2013 को आयोजित जलवायु परिवर्तन और जैवविविधता (NSCCB) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में **भारत के जनजातियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव : एक समीक्षात्मक परिदृश्य** पर एक लेखं प्रस्तुत किया.
3. एम.एस. स्वामीनाथन फांउडेशन (क्षेत्रीय केंद्र), जयपुर, ओडिशा में विज्ञान तथा तकनीकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्थित 2-6 सितम्बर 2013 को आयोजित **" कृषि जैवविविधता संरक्षण तथा सतत जीविकोपार्जन "** पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया.
4. 31 अगस्त 2013 को भुवनेश्वर में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित **" विधिक शिक्षा : समय की आवश्यकता "** पर राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया .
5. 3 अगस्त 2013 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय,कोरापुट द्वारा आयोजित **शिक्षा पर स्वामी विवेकानंद के विचार** पर राष्ट्रीय सम्मेलन भाग लिया .

6. भारत – न्यूजलैंड सहयोगात्मक कार्य के जरिये विश्वविद्यालय में स्वदेशी अध्ययन के लिए एक केंद्र की स्थापना के लिए 15 जुलाई से 19 जुलाई 2013 तक एक पारस्परिक चर्चा कार्यशाला का आयोजित किया. इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. सिता वेंकटश्वर; निदेशक, मासे चाप्टर ऑफ न्यूजलैंड इंडिया रिसर्च इंस्टीच्यूट(NZIRI), मासे विश्वविद्यालय, न्यूजलैंड; डॉ. फ्लैक्सि पाडेल (चार्ल्स डरविन के नाति), प्रोफेसर, इंस्टीच्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च, जयपुर; डॉ. देवल देव, निदेशक, सेंटर फॉर इंटर डिसिप्लिनॉरी स्टडी, कोलकाता आदि ने भाग लिया था.
7. 5 जून से 2 जुलाई 2013 को यूजीसी-आकादमिक स्टाफ कॉलेज, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिंलांग द्वारा आयोजित 24 ओरिएंटशन प्रोग्राम में भाग लिया.
8. 27 अप्रैल 2013 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित **"आधुनिकोत्तर भारत में विधिक शिक्षा"** पर राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया.

श्रीनिवास बी. कोटनाक, सहायक प्रोफेसर

विभिन्न कार्यशाला तथा संगोष्ठियों में भाग लिया :

1. 31 अगस्त 2013 को भुवनेश्वर में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित **" विधिक शिक्षा : समय की आवश्यकता "** पर राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया .
2. 3 अगस्त 2013 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय,कोरापुट द्वारा आयोजित **शिक्षा पर स्वामी विवेकानंद के विचार** पर राष्ट्रीय सम्मेलन भाग लिया.
3. 27 अप्रैल 2013 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित **"आधुनिकोत्तर भारत में विधिक शिक्षा"** पर राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया.

डॉ. मीरा स्वांई, व्याख्याता

प्रकाशित लेख

1. **स्वांई, एम.** (2014) प्रजननीय तथा बच्चों का स्वास्थ्य सेवा : ओड़िशा के कोरापुट जिले में एक अध्ययन .(*जगन्नाथ दाश, प्रसन्न पात्र एवं कान्हू चरण शतपथी द्वारा संपादित जनजाति क्षेत्रों में एथनोमेडिसिनॉल प्रथाएँ पुस्तक में एक अनुच्छेद के रूप में*), एसएसडीएन पब्लिशर एंड डिस्ट्रिव्यूटर, नई दिल्ली, (ISBN NO.978-93-8183-9188) .
2. **स्वांई, एम.** (2014) सऊरा समानता शब्द के घटकीय विश्लेषण. *दॉ ट्राइबल ट्रिब्यून (त्रैमासिक ई पत्रिका),* खंड-6, अंक-2, अप्रैल 2014, पृष्ठ - 5). ISSN: 2249-3433.
3. **स्वांई, एम.** (2014) सऊरा समानता शब्दावली. *दॉ ट्राइबल ट्रिब्यून (त्रैमासिक ई पत्रिका),* ISSN: 2249-3433 (जनवरी, 2014, खंड-6, अंक-2, पृष्ठ - 5).
4. **स्वांई, एम.** (2014) सऊरा जनजाति के सामाजिक संगठन. *दॉ ट्राइबल ट्रिब्यून (त्रैमासिक ई पत्रिका),* ISSN: 2249-3433 (अप्रैल, 2014 अंक).
5. **स्वांई, एम.** (2014) पर्वतीय सऊरा की उत्पत्ति, संस्कृति तथा समानता संरचना *दॉ ट्राइबल ट्रिब्यून (त्रैमासिक ई पत्रिका),* ISSN: 2249-3433 *Journal)*, ISSN: 2249-3433 (अक्तूवर, 2012, खंड-5, अंक-1, पृष्ठ -8).
6. **स्वांई, एम.** (2014) कुली : ओड़िशा की एक जनजाति (संशोधित संस्करण) फ्रिलासेंर, भुवनेश्वर.

सम्मेलन /संगोष्ठियों में भाग लिया :

1. 28-30 दिसम्बर 2013 के दौरान आईआईटी, मद्रास में "स्वदेशी ज्ञान तथा अंतर समुदाय अंतक्रिया " पर ATWS अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और लेख प्रस्तुत किया.
2. 10-11 जनवरी 2014 के दौरान कानाड़ा अध्ययन, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में लेख प्रस्तुत किया.

शैक्षणिक भ्रमण के लिए विदेश यात्रा :

1. 5-10 अगस्त, 2013 के दौरान मंचेस्टर विश्वविद्यालय, यूके में आयोजित इंटरनेशनॉल यूनियन ऑफ एंथ्रोपोलिजिकॉल एंड एथनोग्राफिक साइंसेंस सम्मेलन-2013 में भाग लेने तथा लेख प्रस्तुत करने के लिए यूनाइटेड किंगडम का परिदर्शन किया. इस भ्रमण के दौरान उन्होंने म्युजियम ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइनसेस, ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय का भ्रमण भी किया.

समाजशास्त्रीय अध्ययन केन्द्र

केन्द्र समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम भारत में समाज, संस्कृति एवं सामाजिक संरचना, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, अनुसंधान प्रणाली, स्वास्थ्य समाजशास्त्र, पर्यावरण समाजशास्त्र, लिंग के समाजशास्त्र, गैरसरकारी संगठन के समाजशास्त्र, विकास के समाजशास्त्र, अपराध एवं विचलन के समाजशास्त्र एवं सामाजिक आन्दोलन के अध्ययन से अभिविन्यस्त है।

केन्द्र में दिए जा रहे पाठ्यक्रम अन्तर्विषयक है एवं नृविज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति एवं इतिहास जैसे अन्य समाज विज्ञान विषयों से लिया गया है। इस स्तर पर पाठ्यक्रम सांस्कृतिक विश्लेषण, वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, आधुनिक भारतीय सामाजिक विचारक एवं सामाजिक स्तरीकरण, जाति, विवाह, पारिवारिक जीवन एवं रिश्तेदारी, राजनीति, अर्थशास्त्र, धर्म, शहरी जीवन एवं सामाजिक परिवर्तन से उनकी लड़ाई से संबंधित समस्याओं के साथ संबंधित है।

अनुसंधान कार्यक्रम (एमफील एवं पीएच.डी) शैक्षणिक वर्ष २०१३-१४ से केन्द्र में व्यक्त की गयी है।

१	**प्रमुख का नाम**	**डॉ.कपिल खेमेंडु, सहायक प्राध्यापक एवं प्रमुख प्रभारी**
२	संपर्क विवरण	समाजशास्त्रीय अध्ययन केन्द्रओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय सुनाबेड़ा, कोरापुट (ओड़िशा)ई-मेल:kapilacuo@gmail.com
३	शिक्षागत योग्यता के साथ शिक्षण सदस्य	डॉ.कपिल खेमेंडु, एमए., पीएच.डी डॉ.आदित्य केशरी मिश्र, एमए., पीएच.डी श्रीमती सागरिका मिश्र, एमए.एम.फिल
४	केन्द्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	समाजशास्त्र में २ वर्षीय एमए. १ वर्षीय एम.फिल एवं पीएच.डी

५. संकाय सदस्यगणों की शैक्षणिक गतिविधियों का ब्यौरा :

डॉ. कपिल खेमुंडु, सहायक प्रोफेसर तथा विभागीय मुख्य प्रभारी

प्रकाशन

१. खेमुंडु, के.(२०१३) भारतीय समाज विज्ञान, मूल्य वचनबद्धता. कल्पज प्रकाशन, नईदिल्ली, जुलाई, २०१३.

अन्य गतिविधियाँ

१. भंज मंडप, एचएएल, सुनाबेढ़ा- २ में १४ अप्रैल, २०१३ को भारत रत्न डॉ. बी. आर. अम्बेदकर के १२३वें जन्म वार्षिकोत्सव के अवसर पर संक्षिप्त अभिभाषण प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया.

२. आमंत्रण करने पर दिनांक २१.०६.२०१३ को एरोनेटिकॉल कॉलेज, सुनाबेढ़ा में अतिथि संकाय की नियुक्ति के लिए समाजशास्त विशेषज्ञ के रूप में काम किया और साक्षात्कार लिया.

३. आमंत्रण करने पर दिनांक ११.०९.२०१३ को सिंधे देवी महाविद्यालय, नंदपुर में समाज विज्ञान के अतिथि संकाय की नियुक्ति के लिए समाजशास्त्र विषय के विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया.

४. जुलाई , २०१३ में "नाल्को फाउंडेशन परियोजनाओं की सामाजिक प्रभाव निर्धारणह्न पर नाल्को फाउंडेशन वित्तपोषित परियोजना पूरा किया .

डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा, संकाय सदस्य

संगोष्ठियों में प्रस्तुति

१. १३-१४ नवम्बर २०१३ को अर्थशास्त्र विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित *भारत में विकास का पुन:चित्रण करना : इक्कीसवीं सदी के लिए वैकल्पिक नमूना* पर राष्ट्रीय सम्मेलन में कोपिंग विथ कैटास्ट्रोफ : एंगेजिंग डिजास्टर एंड डेवलेपमेंट शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया.

२. १० मई, २०१३ को लोक प्रशासन विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित *समाज तथा पर्यावरण पर कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रभाव* पर राष्ट्रीय सम्मेलन में " विकास का उपहार : लुभाऊ औद्योगिकीकरण और सीएसआर शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया.

३. १३-१४ अप्रैल, २०१३ के दौरान समाजशास्त्र विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक द्वारा आयोजित *भारत में विकास प्रथाओं की सीमाएं : अर्धविकास का विकास के लिए पुन:चित्रण करना* पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में " विकास का विका खोज : विकास की रणनीति तथा प्रथा के रूप में सामाजिक पूंजी की स्थिति शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया.

श्रीमती सागरिका मिश्रा, संकाय सदस्य

१. २७ अगस्त, २०१३ को समाजशास्त्र विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 9जल प्रबंधन में सामाजिक पूंजी और संस्थागत संस्कार : ओड़िशा, भारत में पाणि पंचायत का समाजशास्त्रीय अध्ययन " शीर्षक पर पीएच.डी. शोधग्रंथ प्रस्तुत किया.

संगोष्ठियों में प्रस्तुति

१. १३-१४ नवम्बर २०१३ को अर्थशास्त्र विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित *भारत में विकास का पुन:चित्रण करना : इक्कीसवीं सदी के लिए वैकल्पिक नमूना* पर राष्ट्रीय सम्मेलन में " प्राकृतिक-संस्कृति संबंध पर विकास का प्रभाव : दामनजोड़ी, कोरापुट, ओड़िशा पर एक अनुभवजन्य अध्ययन शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया.

२. १३-१४ अप्रैल, २०१३ के दौरान समाजशास्त्र विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक द्वारा आयोजित *भारत में विकास प्रथाओं की सीमाएं : अर्धविकास का विकास के लिए पुन:चित्रण करना* पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में " संस्थागत मॉ- बच्चे की स्वास्थ्य सेवा : ममता ओड़िशा का एक समालोचनात्मक समझौता शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया.

जनजातीय कल्याण एवं समुदाय विकास केन्द्र (सीटीडब्ल्यूसीडी)

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा जनजातीय कल्याण एवं समुदाय विकास केन्द्र (सीटीडब्ल्यूसीडी) की स्थापना की गयी है एवं इसे निम्न उद्देश्यों के साथ लक्ष्य समूहों के जरूरतों को पूरा करने की उद्देश्य से ०५ जून, २०१० से औपचरिक रूप से उद्घाटित किया गया ।

- अभिरुचि की अभिव्यक्ति एवं विनिमय कार्यक्रम को सुगम बनाने एवं विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के संचालन द्वारा विकासशील विश्व के साथ बेरोजगार युवकों के लिए लिंकेज बनाना।
- आदिवासी संस्कृति के अनुसंधान, प्रलेखन एवं संरक्षण करना।
- पार-सांस्कृतिक कार्यवाही शिक्षण एवं व्यावसायिक विकास के लिए एक नोडल केन्द्र के रूप में विकास करना।
- विभिन्न अभिकरणों एवं फेलोशिप कार्यक्रमों के साथ लिंकेज द्वारा एक व्यापक संदर्भ में जनजातीय एवं समुदाय विकास के लिए नीति स्तरीय परिवर्तन हेतु अनुसंधान की सुविधा करना।

केन्द्र के अधीन शोधकर्ता एवं छात्रों के हितों के लिए व्यापक प्रचार प्रसार हेतु जनजातीय संस्कृति, स्वदेशी वैश्विक दृष्टि एवं विकास के अनुसंधान, प्रलेखन एवं संरक्षण कार्य प्रगति पर है। पार-सांस्कृतिक कार्यवाही शिक्षण एवं व्यावसायिक विकास के लिए एक नोडल केन्द्र के रूप में जनजातीय कल्याण एवं समुदाय विकास केन्द्र विकास करेगा।

- विश्व जनसंख्या के लिए ०९अगस्त, २०१३ को संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्राष्ट्रीय स्वदेशी दिवस मनाय गया।
- सीओई, टीआरआई, एनटीआरआई एवं जनजातीय क्षेत्र, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के लिए न्यूनतम साझा कार्यक्रम (कार्य योजना) की प्रस्तुति एवं अंगीकरण के संबंध में २८.११.२०१३ को जनजातीय मामलों के मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में शिखर अनुसंधान समन्वयन समिति (एआरसीसी) की बैठक का आयोजन किया गया।

सीटीडब्ल्यूसीडी की वर्तमान स्थिति

- जनजातीय अध्ययन के लिए मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरका, नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित राजीव गांधी चेयर को मंजूरी दिया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मंजूरी पत्र प्राप्त किया गया।
- सीटीडब्ल्यूसीडी ने एक उदारवादी मार्ग में कोरापुट क्षेत्र के आदिवासियों द्वार खपत किए गए विविध सांस्कृतिक उत्पाद, उपकरण, आभुषणों, कला, पोस्टर, फोटोग्राफ,वेशभुषा एवं स्मारक, जनजातीय खाद्य सामग्री, पेय पदार्थ, अनाज, विभिन्न प्रकार के हर्बल जड़ीबूटी, शुट्स एवं फलों के संरक्षण हेतु पहल की है।
- पुस्तकालय को सुसज्जित करने के लिए जनजातीय साहित्य का संग्रह प्रगति पर है।

कार्यान्वित होने वाले प्रस्तावित कार्य

निम्न जनजातीय मुद्दों पर अनुसंधान एवं प्रलेखन।

- आदिवासी आजीविका
- जनजातीयों के लिए सांविधानिक प्रावधान
- वन अधिकार
- भूमि अलगाव
- ठीका श्रम
- जनजातीय ऋणग्रस्तता
- जनजातीय संस्कृति एवं पूजा पद्धतियाँ

- आदिवासी पारंपरिक संस्थाएँ
- पारंपरिक स्वास्थ्य प्रथाएँ, कृषि पद्धतियाँ एवं सामाजिक जीव के अन्य क्षेत्रों पर पारंपरिक ज्ञान
- आदिवासी आबादी (आदिवासियों के नृवंशविज्ञान खाता)की डेटाबेस की प्रस्तुति
- आदिवासियों के सशक्तिकरण के लिए लक्षित सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन एवं निरक्षण
- आदिवासी हस्तशिल्प उत्पाद

कौशल विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को देखते हुए ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने नगर समाज समूह एवं सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ सहयोग में स्थानीय स्तर पर चिह्नित विपणन व्यवसायों के सेट पर बेरोजगार एवं स्कूल छोड़ने वाले युवकों को प्रशिक्षण प्रदान कर जनजातीय एवं जरूरत मंद लोगों को सशक्त बनाना चाहता है।

स्वदेशी अध्ययन केन्द्र

केन्द्र की सक्रिय पहल से विश्वविद्यालय "स्वदेशी अध्ययन केन्द्र के नाम पर एक विशेष केन्द्र की स्थापना करने जा रहा है। जिसके लिए विश्वविद्यालय ने पहले से ही भारत-न्यूजिलैंड सहयोगी पहले के अन्तर्गत न्यूजिलैंड के स्वदेशी विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया है। प्राथमिक विनिमय कार्यक्रम के लिए, न्यूजिलैंड के प्रतिष्ठित संकाय एवं हमारे विश्वविद्यालय में आए कुछ बाहरी संकाय को लेकर हमारे विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

केन्द्रीय पाठागार

संकाय सदस्यों को उनके शिक्षण पद्धति में सहजता एवं विद्यार्थियों को उनके अध्ययन प्रक्रिया व अनुसंधान गतिविधियों में पर्याप्त जानकारी प्रदान करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता के मद्देनजर विश्वविद्यालय के अपने केन्द्रीय पाठागार में अत्याधुनिक दस्तावेजों का एक सुसज्जित संग्रह है। यह अपने बहुआयामी गतिविधियों की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय प्रणाली का एक अभिन्न अंग के रूप में स्थापित है। यह केन्द्रीय पाठागार अपने दो कैंपस (एक लांडीगुड़ा एवं दूसरा सुनावेड़ा)में १६,५०० से भी अधिक पुस्तकों से सुसज्जित है।

वर्तमान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के ८२ मुद्रित पत्रिकाएं है एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ईंफोनेट डिजिटल पुस्तकालय की सहयोग से ८००० से भी अधिक इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाएँ ऑनलाइन पर उपलब्ध हैं। पिछले साल एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर कोहा (KOHA)का उपयोग कर अपने केन्द्रीय पुस्तकालय को स्वचालित करने हेतु एक अहम पहल की गयी थी। यह एक ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर है और बड़े पैमाने पर दुनिया भर में सभी प्रमुख पुस्तकायलयों में प्रयोग किया जाता है। हमारे सुनाबेड़ा स्थित मुख्य कैंपस के केन्द्रीय पुस्तकालय में उपयोगकर्ताओं को रेप्रोग्राफिक सेवाएँ प्रदान करने हेतु नवीनतम फोटकॉपी मशीनें हैं।

सदस्यता शक्ति

वर्तमान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अपने दो कैम्पस से कार्यक्षम है और अपने दो कैम्पस के पुस्तकालय में ८६० सदस्य हैं, जिनमें विद्यार्थी, संकाय, शोध छात्र एवं गैर शिक्षण कर्मचारी भी शामिल हैं। इन आन्तरिक सदस्यों के अलावा पुस्तकालय भी कभी कभार विश्वविद्यालय के पास अन्य शैक्षिक व अनुसंधान संस्थान से विद्यानों एवं परिदर्शकों की जरूरतों को पूरा करता है।

कार्य समय

इसकी जानकारी के लिए बेहतर सेवा प्रदान करने हेतु केन्द्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय के सभी कार्य दिवसों में सुबह ०८:३० घंटे से शाम १८:०० घंटे तक खुला रहता है।

यूजीसी-इंफोनेट डीएल संघ (आईपी आधारित) के द्वारा प्राप्त ई-स्त्रोतों की सूची

केन्द्रीय पुस्तकालय ने निम्न ई-स्त्रोतों को प्राप्त किया है जिसे ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लांडीगुड़ा कैंपस में उपयोग किया जा सकता है।

संपूर्णपाठ डेटाबेस

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लांडीगुड़ा कैम्पस में प्रोक्सी द्वारा प्राप्त

आगे किसी भी विषय में जानकारी हेतु कृपया *ncsipradhan@gmail.com* ***पर संपर्क करें***

क्र.सं.	उत्पाद	यूआरएल	प्ररूप
1.	केम्ब्रीज विश्वविद्यालय प्रेस	http://journals.cambridge.org/	ऑनलाइन
2.	अर्थनैतिक एवं राजनीतिक साप्ताहिकी	http://epw.in/	ऑनलाइन
3.	एमेर्लाड	http://www.emeraldinsight.com/	ऑनलाइन
4.	भौतिकी संस्थान	http://iopscience.iop.org/journals	ऑनलाइन
5.	आईएसआईडी	http://isid.org.in/	ऑनलाइन
6.	जेसीसीसी	http://jgateplus.com/search	ऑनलाइन
7.	जेएसटीओआर	http://www.jstor.org/	ऑनलाइन
8.	मैथसीनेट	http://www.ams.org/mathscinet/	ऑनलाइन
9.	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस	http://www.oxfordjournals.org/	ऑनलाइन
10.	प्रोजेक्ट म्यूज	http://muse.jhu.edu/journals	ऑनलाइन
11.	विज्ञान डाइरेक्ट (10 विषय संग्रह)	http://www.sciencedirect.com/	ऑनलाइन
12.	स्प्रिंगर लिंक	http://www.springerlink.com/	ऑनलाइन
13.	टेलर एवं फ्रांसिस	http://www.tandfonline.com/	ऑनलाइन
14.	विले-ब्लेकवेल	http://onlinelibrary.wiley.com/	ऑनलाइन

भविष्य योजनाएँ

आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के पास सुनाबेड़ा स्थित अपने मुख्य कैम्पस में सभी प्रकार के अत्याधुनिक बुनियादी संरचनाओं से सुसज्जित अपना एक अलग भवन होगा। केन्द्रीय पुस्तकालय 24×7 पठन सुविधाएँ, उपयोगकर्ताओं के लिए अत्याधुनिक सुविधा एवं यूजीसी-इंफोनेट डिजिटल संघ द्वारा सुलभ ई-स्त्रोत प्राप्त करने हेतु अनन्य इंटरनेट प्रयोगशाला की स्थापना करने जा रहा है।

सांख्यिकी एक नजर में

वर्षवार पुस्तकालय सदस्यता

वर्षवार पुस्तकालय सदस्यता					
सदस्यता	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
विद्यार्थीगण	150	295	330	397	569
शोधकर्तागण	-	-	-	-	19
संकाय एवं अन्य कर्मचारीगण	22	29	29	38	44
कुल	172	324	359	435	632

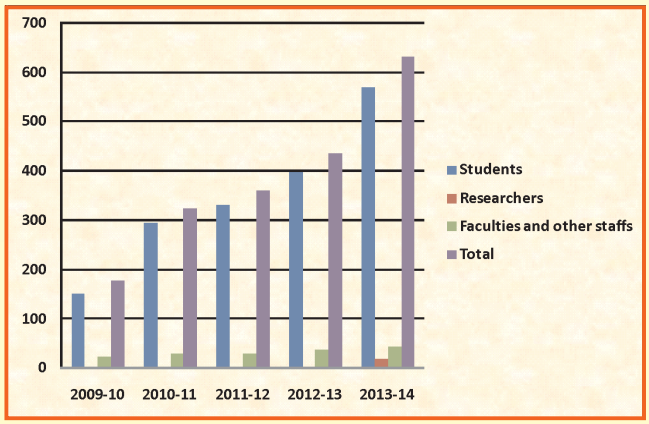

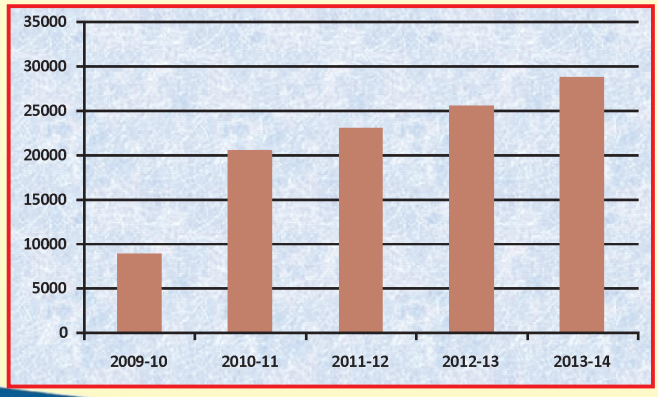

उपयोगकर्ता निरीक्षण (वर्षवार)					
सुरक्षा द्वार सांख्यिकी	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
उपयोगकर्ता द्वारा पुस्तकालय का निरीक्षण	8912	20570	22993	25546	28712

पुस्तकालय संग्रह

A. पुस्तकें (16850)

परिवर्धन (वर्ष वार)					
वर्ष	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
पुस्तकों का तुलनात्मक अभिलेख	0	3592	4929	13075	14653

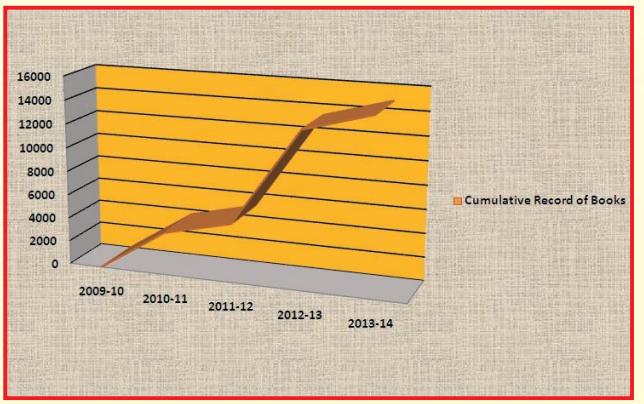

B. पत्रिकाएँ (मुद्रित-८२, इलेक्ट्रॉनिक - ८५००)

वर्षवार मुद्रित पत्रिकाएँ शुल्क					
वर्ष	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
मुद्रित पत्रिकाएँ	0	0	0	46	80

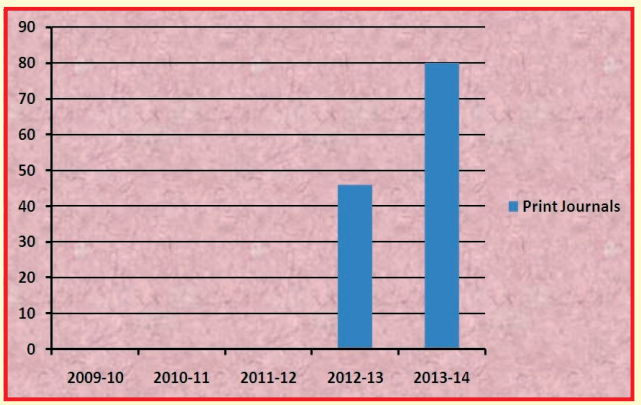

वर्ष वार इलेक्ट्रॉनिक पत्रिका शुल्क					
वर्ष	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
इलेक्ट्रॉनिक पत्रिका	0	0	0	2000	6200

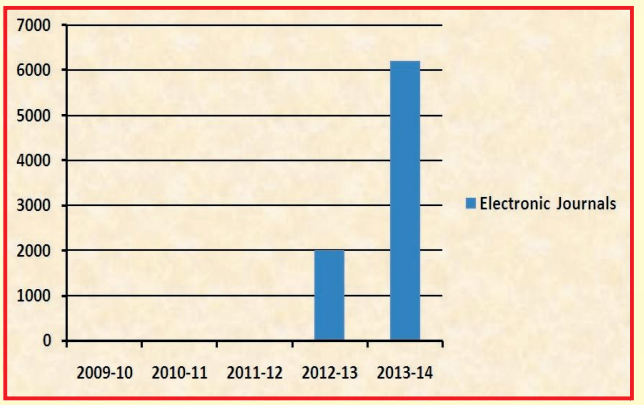

C. संचार

संचार					
प्रकाशन एवं प्रतिगम	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
प्रकाशन	22580	30309	37465	42629	44208
प्रतिगम	22150	29892	36793	41826	43896
कुल	44730	60201	74258	84455	88104

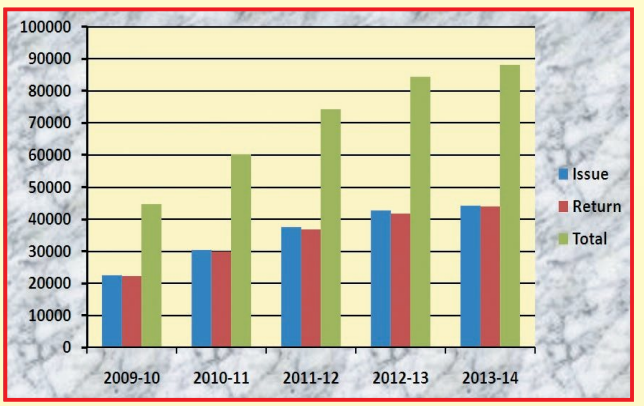

कम्प्यूटर केन्द्र

विश्वविद्यालय में उपलब्ध सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाएँ

सभी छात्रों, संकायों एवं कर्मचारियों को एक केन्द्रीय संगणन सुविधा प्रदान करने हेतु विश्वविद्यालय ने चार स्वतन्त्र कम्प्यूटर प्रयोगशालाओं की स्थापना की है। सभी शैक्षणिक प्रभाग समर्पित वेयर्ड नेटवर्क के साथ जुड़े हैं जबकि पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग वेयर्ड एवं वेयरलेस नेटवर्क के साथ जुड़ा हुआ है। उपलब्ध सुविधाओं के साथ कम्प्यूटर प्रयोगशालाओं का विवरण इस प्रकार हैं:-

कम्प्यूटर प्रयोगशाला का नाम	सुर्खियाँ
सर्वर कक्ष	• 1 प्रबंधित स्वीज 24 पोर्ट, 1अप्रबंधित स्वीज • 2 रटर्स डी-लिंक डी l2600 • एक आईआईएस सर्वर • एक डब्ल्यूडीएस सर्वर • एक प्रोक्सी सर्वर
केन्द्रीय संगणन प्रयोगशाला	• कुल पीसी की संख्या -12 • विंडोज 7 ऑपरेटिंग सिस्टम • माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2007
पत्राचार एवं जनसंचार के लिए कम्प्यूटर प्रयोगशाला	• कुल पीसी की संख्या-11 • विंडोज 7 प्रोफेसनल ऑपरेटिंग सिस्टम • माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2007 • प्रोसेस एचपी एक्सऑन वर्कस्टेसन के अधीनक्वार्क एक्सप्रेस सॉफ्टवेयर
जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण हेतुकम्प्यूटर प्रयोगशाला	• कुल पीसी की संख्या-10 • विंडोज 7 प्रोफेसनल ऑपरेटिंग सिस्टम • माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2007 • जीआईएस सर्वर एवं क्लाइंट • आईबीएम सांख्यिकी सॉफ्टवेयर (एसपीएसएस)

एनएमई-आईसीटी परियोजना: ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान एवं भारत के प्रमुख सार्वजनिक उद्यम बी.एस.एन.एल.के सहयोग से मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी परियोजना (NME-ICT) के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन को कार्यान्वित करने हेतु एक महत्वकांक्षी योजना को लागू करने के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। यह परियोजना विश्वविद्यालय को १जीबी संयोजकता हेतु सक्षम बनाएगा। परियोजना का मुख्य उद्देश्य छात्रों एवं संकायों के शिक्षण आवश्यकता को पूरा करना है। हमारे ज्ञान संसाधनों को बढ़ावा देने एवं वैश्वक स्तर अपने प्रतियोगितात्मक रुख को बनाए रखने के लिए हमें अभिज्ञान की ऐसी ही एक प्रणाली एवं प्रतिभाओं एवं आजीवन सीखने की उत्सुकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

परीक्षा अनुभाग

विषय वार परिणाम विश्लेषण

क्र.सं.	विषय	कुल उपस्थिति चौथी छमाही	कुल उतीर्ण चौथी छमाही	5.0 से नीचे चौथी छमाही
01.	ओड़िया में स्नातकोत्तर	27	24	शून्य
02.	अंग्रेजी में स्नातकोत्तर	13	11	शून्य
03.	नृविज्ञान में एम.ए./एम.एससी	30	30	03
04.	समाजविज्ञान में स्नातकोत्तर	25	25	शून्य
05.	पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर	24	24	01
06.	समेकित गणित में एम.एससी.	09	09	शून्य
07.	अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर	26	26	01
08.	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी.	03	03	शून्य

वित्त

वर्ष २०१३-१४ की प्राप्ति :

विश्वविद्यालय के पास १ अप्रैल, २०१४ तक ग्यारहवीं एवं बारहवीं योजना से ३७.०९ करोड़ रुपये की अव्ययित शेष है। विश्वविद्यालय ने वर्ष २०१३-१४ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से जनजातीय अध्ययन के लिए व्यवस्था की स्थापना के लिए ०.२५ करोड़ रुपये प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय ने भी १.९८ करोड़ की आंतरिक कमाई की है। (जिसमें १.६८ करोड़ रुपये की ब्याज आमदनी एवं विद्यार्थी शुल्क समेत ३०.५१ लाख रुपये की अन्य कमाई भी शामिल है।)

वर्ष २०१३-१४ के लिए निधि का उपयोग:

वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय कैम्पस में बुनियादी संरचना विकास समेत विभिन्न गतिविधियों में १३.०३ करोड़ रुपये खर्च किया गया जिसमें ७.६६ करोड़ रुपए आवर्ति एवं ५.३७ करोड़ गैर-आवर्ति व्यय शामिल है। अगले वित्त वर्ष २०१४-१५ के लिए निधि का अव्ययित शेष २६.२९ करोड़ रहा।

लेखापरीक्षा

वित्त वर्ष २०१३-१४ के लिए विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखा का अंकेक्षण भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा किया गया एवं अंकेक्षित वार्षिक लेखा की रिपोर्ट की निश्चयत्मकता नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के साथ प्रक्रिया के अधीन है।

बैठकें

कार्यकारी परिषद की बैठक

कार्यकारी परिषद की १३वीं बैठक २० अप्रैल, २०१३ को सम्पन्न हुई।
कार्यकारी परिषद की १४वीं बैठक २६ जून, २०१३ को सम्पन्न हुई।
कार्यकारी परिषद की १५वीं बैठक ०९ अक्टूबर, २०१३ को सम्पन्न हुई।
कार्यकारी परिषद की १६वीं बैठक २७ नवम्बर, २०१३ को सम्पन्न हुई।
कार्यकारी परिषद की १७वीं बैठक ०१ फरवरी २०१४ को सम्पन्न हुई।

शैक्षणिक परिषद की बैठक

शैक्षणिक परिषद की ११वीं बैठक ०७ अक्टूबर, २०१३ को सम्पन्न हुई।
शैक्षणिक परिषद की १२वीं बैठक ०१ फरवरी २०१४ को सम्पन्न हुई।

वित्तीय समिति की बैठक

वित्तीय समिति की १०वीं बैठक २५ जून, २०१३ को सम्पन्न हुई।
वित्तीय समिति की ११वीं बैठक २७ नवम्बर, २०१३ को सम्पन्न हुई।

भवन समिति की बैठक

भवन समिति की १८वीं बैठक २४ जून, २०१३ को सम्पन्न हुई।
भवन सिति की १९वीं बैठक ०७ अक्टूबर, २०१३ को सम्पन्न हुई।

अन्य बैठकें

कौशल विकास समिति की बैटक २९ जनवरी, २०१४ को सम्पन्न हुई।

शैक्षणिक वर्ष २०१३-१४ के लिए शैक्षिक कैलेंडर

घटनाएँ	छमाही- I & III(मौसूमी)	छमाही -II & IV(शीतकालीन)
एकीकृत एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए कक्षाओं का प्रारंभ	01 जुलाई, 2013	23 दिसम्बर, 2013
मिड़-सेमिस्टर टेस्ट-I	12 से 14 सितम्बर, 2013	13 से 15 फरवरी, 2014
पूजा अवकाश	02 से 16 अक्टूबर, 2013	
मिड़-सेमिस्टर टेस्ट-II	05 से 07 दिसम्बर, 2013	08 से 10 मई, 2014
समाप्त छमाही परीक्षा	09से 13दिसम्बर, 2013	12 से 16 मई, 2014
सेमिस्टर ब्रेक	14 से 22 दिसम्बर, 2013	17 मई से 30 जून, 2014
	कुल शिक्षण दिवस (परीक्षा दिवसों को छोड़ कर) = 95 दिन	कुल शिक्षण दिवस (परीक्षा दिवसों को छोड़ कर) = 90 दिन
दीक्षांत	जून के अंत तक, 2013 – जुलाई से पहले, 2013	

विद्यार्थी पंजीकरण

शैक्षिक वर्ष २०१३-१४(तीसरी छमाही) के लिए वर्गवार विद्यार्थी पंजीकरण

क्र. सं.	विभाग	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ेवर्ग		कुल विद्यार्थी	
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला		
1	अंग्रेजी में स्नातकोत्तर	3	9	6	3	1	3	2	1	28	
2	ओड़िया में स्नातकोत्तर	1	8	4	4	7	2	0	2	28	
3	समाजविज्ञान में स्नातकोत्तर	6	4	3	4	1	3	5	4	30	शा.अ.-1 (सामान्य)
4	पत्रकारिता एवं जनसंचारमें स्नातकोत्तर	11	8	5	0	2	1	2	1	30	
5	नृविज्ञान में एमए/एमएसी	4	3	4	4	2	1	2	0	20	
6	अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर	1	9	3	3	1	4	2	6	29	
7	जैवविविधता में एमएस.सा	5	8	0	2	0	2	2	1	20	
8	गणित में एमएस.सी	8	8	2	2	1	1	4	1	27	
उप कुल		39	57	27	22	15	17	19	16	212	
कुल		96		49		32		35		212	

शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ (पहली छमाही एम.ए., एम.ए.सी. बी.एड, एमफिल एवं पीएच.डी) के लिए वर्गवार विद्यार्थी नामांकन

क्र. सं.	विभाग	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		अन्य पिछड़ेवर्ग		कुल विद्यार्थी	
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला		
1	अंग्रेजी में स्नातकोत्तर	4	13	3	1	1	2	4	2	30	
2	ओड़िया में स्नातकोत्तर		0	12	1	3	4	4	3	5	32
3	समाजविज्ञान में स्नातकोत्तर		3	17	5	6	5	1	4	9	50
4	पत्रकारित एवं जनसंचारमें स्नातकोत्तर	10	3	3	1	0	0	3	0	20	
5	नृविज्ञान में एमए/एमएसा	2	3	2	0	1	1	0	2	11	
6	अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर	4	11	4	3	1	1	1	2	27	
7	जैवविविधता में एमएस.सी	5	12	1	2	0	0	3	1	24	शा.अ. - 1 (सामान्य)
8	गणित में एमएस.सी	6	6	4	0	3	0	5	6	30	
9	बी.एड(शिक्षक शिक्षा)	17	22	13	3	6	4	20	15	100	शा.अ. - 2 (सामान्य.म)
10	ओड़िया में एमफिल	1	2	1	0	0	0	1	0	5	
11	ओड़िया में पीएच.डी	1	2	0	1	0	0	0	1	5	
12	नृविज्ञान में एमफिल	0	0	0	2	1	0	2	0	5	शा.अ. - 1 (अ.जा.) म
13	नृविज्ञान में पीएच.डी	2	0	0	0	1	0	1	0	4	
14	समाजविज्ञान में एमफिल	0	1	1	0	1	0	1	0	4	
15	समाजविज्ञान में पीएच.डी	0	1	0	0	0	0	0	0	1	
16	पत्रकारिता एवं जनसंचार में एमफिल	1	1	0	0	1	0	1	1	5	
17	पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएच.डी	3	0	0	0	0	1	0	0	4	
उप कुल		59	106	38	22	25	14	49	44	357	
कुल		165	60	39	93	357					

कानूनी शिक्षा पर राष्ट्रीय संवर्धन

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में एक विधि विद्यापीठ की स्थापना हेतु हमारे कार्य योजना को कार्यान्वित करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कोरापुट में "उत्तर-आधुनिक भारत में विधि शिक्षा "" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। उत्तर-आधुनिक भारत में कानूनी शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विचार ही इस राष्ट्रीय संवर्धन की चर्चा का केन्द्रबिन्दु था।देश के विभिन्न भागों से विविध विधि विशेषज्ञ इस कार्यक्रम में भाग लिए। प्रो.जयदेव पति इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो.ए.के.मिश्र स्वागत भाषण प्रदान किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने समाज के एक सुनहरे भविष्य के निर्माण में वकीलों की भूमिका पर बल दिया। इस संगोष्ठी में दो बुद्धिपरक सत्रों का संचालन किया गया जहाँ विशेषज्ञों ने उत्तर-आधुनिक भारत में कानूनी शिक्षा की विभिन्न मुद्दों पर व्यापक रूप से चर्चा की।

जनजातीय क्षेत्र में वर्ष के उभरते विश्वविद्यालय पुरस्कार

वर्ष २०१३-१४ के लिए नई दिल्ली में आयोजित स्टडी वर्ल्ड वार्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह में ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट को जनजातीय क्षेत्र में वर्ष के उभरते विश्वविद्यालय के रूप में सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो.(डॉ) सुरभी बेनर्जी ने मानव संसाधन विकास राज्य मन्त्री, भारत सरकार श्री शशी थरूर से पुरस्कार स्वीकार किया।

तीसरे दीक्षांत समारोह

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह ०१ जुलाई, २०१३ को कोरापुट में आयोजित हुई। डॉ.एम.एम.पालम राजू, मान्यवर केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मन्त्री मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह को संबधित किया।प्रो.(डॉ)के.श्रीनाथ रेडी, भारतीय लोक स्वास्थ्य संगठन (पीएचएफआई) के अध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने इस कार्यक्रम में अध्यक्षता की एवं विशेष रूप से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद एवं शैक्षणिक परिषद के सदस्यों ने इस दीक्षांत समारोह में उपस्थित थे। यह घटना भी इस दीक्षांत समारोह में विशेष रूप से आमन्त्रित शिक्षाविदों एवं बुद्धिजीवियों के एकत्र समावेश का साक्षी रहा। इस कार्यक्रम में ओड़िशा के जानेमाने सामाजिक कार्यकर्ता पद्मश्री तुलसी मुण्डा को डॉक्टरेट डिग्री (मानद उपाधि) प्रदान किया गया। इस दीक्षान्त समारोह में सात विषयों में कुल १४३ विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी जिनमें से ८ विद्यार्थियों को पहले दर्जे का स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया।

शिक्षा पर स्वामी विवेकानन्द की अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

विश्वविद्यालय ने ३ अगस्त, २०१३ को कोरापुट स्थित अपने मुख्य कैम्पस में शिक्षा पर स्वामी विवेकानन्द की अवधारण पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। यह संगोष्ठी भारत के सबसे बड़े आध्यात्मिक दिग्गजों में से एक स्वामी विवेकानन्द जी की १५०वीं वर्षगाँठ को मनाने के लिए आयोजन किया गया था।

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मान्यवर कुलपति प्रो.(डॉ) सुरभी बेनर्जी ने अपने स्वागत भाषण में ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय की अब तक की यात्रा पर टिप्पणी करते हुए संगोष्ठी की प्रासंगिकता एवं चर्चा का विषय पर वर्णन कर स्वामी विवेकानन्द की उद्धृत को उपस्थापन किया। रामकृष्ण मिशन, विशाखापट्टनम् के स्वामी नित्या योगानन्द ने भाषण प्रदान किया। जानेमाने आमन्त्रित वक्ताओं ने शिक्षा पर स्वामी विवेकानन्द की अवधारणा पर इस संगष्ठी को संबोधित किया।

भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा चौथा स्थापना दिवस व्याख्यान

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने २९ अगस्त, २०१३ को अपना चौथा स्थापना दिवस मनाया। भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी ३० अगस्त, २०१३ को पूर्वाह्न १२.०० बजे राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के चौथे स्थापना दिवस व्याख्यान प्रदान किया। इस शुभ अवसर पर ३१ अगस्त, २०१३ की शाम विद्यार्थीगण एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा स्थापना दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदर्शन किया गया।

विशेष दीक्षांत समारोह-२०१३, ३१ अगस्त,२०१३

विश्वविद्यालय द्वारा श्री गोपाल सुब्रमणीयम, एक प्रतिष्ठित विधि विशेषज्ञ तथा भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल पर डॉक्टरेट ऑप लॉ (मानद उपधि) प्रदान करने के लिए एक विशेष दीक्षांत समारोह-२०१३ का आयोजन किया गया था। इस विशेष दीक्षांत समारोह में आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के मान्यवर मुख्य न्यायाधीश श्री कल्याण ज्योति सेनगुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। प्रो. एन.आर.माधव मेनन, अध्यक्ष, डॉ.एस.राधाक्रिष्णन,अध्यक्ष, संसदीय अध्ययन, डॉ.मोहन गोपाल, निदेशक, राजिव गांधी समकालीन अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली, न्यायाधीश श्री अनिरूद्ध बोस, मान्यवर न्यायाधीश, कोलकाता उच्च न्यायालय एवं श्री पिनाकी मिश्र, वरिष्ठ वकील, उच्चतम न्यायालय तथा सांसद(लोकसभा) आदि उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री गोपाल सुब्रमणीयम, भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल पर डॉक्टरेट ऑप लॉ (मानद उपधि) प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय की आज की कानूनी शिक्षा: समय की मांग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ३१ अगस्त २०१३ को "विश्वविद्यालय की आज की कानूनी शिक्षा: समय की मांग पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री कल्याण ज्योति सेनगुप्ता, मान्यवर मुख्य न्यायाधीश, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। न्यायमूर्ति श्री अनिरूद्ध बोस, मान्यवर न्यायाधीश, कोलकाता उच्च न्यायालय, प्रो.एन.आर.माधव मेनन,अध्यक्ष, डॉ.एस.राधाक्रिष्णन,अध्यक्ष, संसदीय अध्ययन, श्री गोपाल सुब्रमणीयम,भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल एवं श्री पिनाकी मिश्र, वरिष्ठ वकील, उच्चतम न्यायालय तथा सांसद(लोकसभा) इस संगोष्ठी को संबोधित किया। डॉ.मोहन गोपाल, निदेशक, राजिव गांधी समकालीन अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली, ने स्वागत भाषण प्रदान किया।

पर्यावरण परिवर्तन एवं जैव विविधता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

भूविज्ञान मन्त्रालय, भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ द्वारा २३ एवं २४ नवम्बर २०१३ को "पर्यावरण परिवर्तन एवं जैव विविधता पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ)सुरभी बेनर्जी

ने इस संगोष्ठी का उद्घाटन किया। संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ.शरत कुमार पालिता ने संगोष्ठी के संदर्भ पृष्ठ उपस्थापित किया एवं डॉ.काकोली बेनर्जी, सहायक प्राध्यापक तथा संगोष्ठी के संयोजक ने स्वागत भाषण प्रदान किया। पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो.के.जी.सक्सेना मुख्य भाषण प्रदान किया। डा.जे.सुन्दर्शन पिलाई, निदेशक, जलवायु परिवर्तन सूचना विज्ञान, एनआईएससीएआईआर-सीएसआईआर, नई दिल्ली इस संगोष्ठी के सम्मानित अतिथि थे। प्रो.सुरभी बेनर्जी, कुलपति ने संगोष्ठी के उद्घाटनी सत्र पर "बुक ऑफ आबस्ट्राक्ट्सह्न का विमोचन किया। डॉ.पी.जी.दस्तीदार, वैज्ञानिक-जी, भूविज्ञान मन्त्रालय, भारत सरकार, श्री पी.के.सेन, आई.एफ.एस. एवं पद्मश्री प्रो.पी.के.भाष्करन, समुद्री अभियंत्रण एवं नौसेना वास्तुकला विभाग, आईआईटी, खड़कपुर, डॉ.ए.के.पाठक, आईएफएस, सीसीएफ एवं प्रबंध निदेशक, ओड़िशा वन विकास निगम, प्रो.के.सी.साहु, विभागाध्यक्ष, समुद्री विज्ञान विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, डॉ.बीभास गुहा, सहायक प्राध्यापक, नेतजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता, डॉ.आर.के.सरकार, प्रधान वैज्ञानिक, सी.आर.आर.आई., कटक, डॉ.ए.के.मुखर्जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक,सी.आर.आर.आई., कटक, प्रो.पी.के.महापात्र, सम्बलपुर विश्वविद्यालय, प्रो.मलय मिश्र, वनस्पति विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, डॉ.एन.के.धल, प्रधान वैज्ञानिक, खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर, प्रो.सी.एस.के. मिश्र, ओड़िशा कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर एवं प्रो.अंबरीश मुखर्जी, बर्दवान विश्वविद्यालय आदि विभिन्न सत्र के आमंत्रित अतिथि के रूप में इसं संगोष्ठी में उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में भारत के विभिन्न प्रान्तों से विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षिक संस्थानों से वैज्ञानिकों, शोध छात्रों एवं वद्यार्थियों समेत करीब ६५ लेख प्रस्तुतकर्ता थे। इस संगोष्ठी में छ: तकनीकी सत्र थे जिसमें ३६ मौखिक प्रस्तुति एवं २७ विज्ञापन प्रस्तुति सम्मिलित थे। तकनीकी सत्र एवं विज्ञापन सत्र से निर्णायक मण्डल द्वारा चयनित ८ शोधकर्ताओं को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ.शरत कुमार पालिता, कार्यकारी संकायाध्यक्ष, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग तथा इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के अध्यक्ष ने समापन सत्र की अध्यक्षता की। प्रो.के.जी.सक्सेना, जेएनयू, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप में सत्र को संबोधित किया एवं डॉ.पी.जी.दस्तीदार, भूविज्ञान मन्त्रालय, भारत सरकार एवं डॉ.नाम्बूथीरी, क्षेत्रीय निदेशक, स्वामीनाथन फाउंडेशन, जयपुर संगोष्ठी के सम्मानित अतिथि रहे।

डॉक्टर ऑफ साइन्स डिग्री प्रदान करने हेतु विशेष कार्यक्रम

प्रो.माधव गाडगिल, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक जानेमाने परिस्थितिविज्ञानशास्त्री एवं पर्यावरण विज्ञानी पर डॉक्टरेट ऑफ साइंस (एक मानद डिग्री) प्रदान करने हेतु २९ दिसम्बर, २०१३ को नई दिल्ली में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। श्री जयराम रमेश, मान्यवर ग्रामीण विकास मन्त्री, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में इस विशेष कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। डॉ.पी.जी.दस्तीदार, वैज्ञानिक-एफ, भूविज्ञान मन्त्रालय, भारत सरकार एवं प्रो.वाई.सी.सिमाद्री, पूर्व कुलपति, पटना विश्वविद्यालय भी इस कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि रहे। प्रो.(डॉ) श्रीनाथ रेड्डी, अध्यक्ष, भारतीय लोक स्वास्थ्य प्रतिष्ठान ने इस कार्यक्रम में अध्यक्षता की एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ)सुरभी बेनर्जी ने स्वागत भाषण प्रदान किया। माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास मन्त्री श्री जयराम रमेश द्वारा प्रोफेसर गडगिल को डॉक्टरेट ऑफ साइंस (मानद उपाधि) से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद एवं शैक्षणिक परिषद के सदस्य,संकाय एवं कर्मचारी इस कार्यक्रम के साक्षी रहे।

स्वदेशी अध्ययन के लिए केन्द्र की स्थापना हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

सहयोगात्मक कार्यक्रम के लिए स्वदेशी अध्ययन हेतु एक केन्द्र की स्थापना हेतु ४ दिसम्बर,२०१३ को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा अपने मुख्य कैम्पस में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो(डॉ)सुरभी बेनर्जी एवं वानान्गा विश्वविद्यालय, न्यूजिलैंड के कुलपति प्रो.ग्राहम स्मिथ इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर सहयोगात्मक कार्यक्रम के लिए स्वदेशी अध्ययन हेतु एक केन्द्र की स्थापना हेतु ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ)सुरभी बेनर्जी एवं वानान्गा विश्वविद्यालय, न्यूजिलैंड के कुलपति प्रो.ग्राहम स्मिथ के बीच लांडीगुड़ा स्थित विश्वविद्यालय कैंपस में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अपने सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण, कृषि पद्धतियाँ, पारिस्थितिकी, सीमाशुल्क, आजीविका, पारंपरिक प्रथाएँ, जनजातीय स्वास्थ्य, स्वदेशी ज्ञान एवं शिक्षा जैसे जनजातीय मुद्दों पर विभिन्न अनुसंधान उन्मुख कार्यक्रम एवं प्रलेखन आदि स्वदेशी अध्ययन के लिए इस केन्द्र के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किया जा सकता है। साथ ही शैक्षिक विनिमय कार्यक्रम जिसमें विद्यार्थी एवं संकाय विनिमय कार्यक्रम भी शामिल है से दोनों देशों के विद्यार्थी एवं संकायों के बौद्धिक सीमा में विस्तार होगा।

साहित्य में प्रथम कुन्तला कुमारी साबत स्मारक व्याख्यान

कोरापुट में ४ जनवरी, २०१४ को ओड़िया भाषा साहित्य के जानेमाने लेखक, वर्ष २००३ के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता पद्मश्री प्रो.प्रतिभा राय ने "उत्कल भारती कुन्तला कुमारी :एक रहस्यवादी काव्यस्वरह्न पर प्रथम कुन्तला कुमारी साबत स्मारक व्याख्यान प्रदान किया। इस अवसर पर, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक के पूर्व प्राचार्य तथा जानेमाने लेखक व वक्ता प्रो.प्रफुल कुमार महान्ति ने इस कार्यक्रम में अध्यक्षता की एवं अपना अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया। ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ)सुरभी महान्ति ने स्वागत भाषण प्रदान किया।

समाज विज्ञान पर द्वितीय उत्कलमणि गोपबंधु दास स्मारक व्याख्यान

१६ फरवरी, २०१४ को राष्ट्रीय एकता पर नेताजी के दृष्टिकोण पर समाज विज्ञान में द्वितीय उत्कलमणी गोपबंधु दास स्मारक व्याख्यान समारोह में हावार्ड विश्वविद्यालय के समुद्रीय इतिहास और मामलों के गार्डीनर प्रोफेसर सुगत बोस व्याख्यान प्रस्तुत किया। ओड़िशा के मुख्य शासन सचिव श्री जुगल किशोर महापात्र मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर उत्कल विश्वविद्यालय के नृविज्ञान प्रोफेसर के.के.बासा सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया एवं उत्कल विश्वविद्यालय के पूर्व इतिहास प्राध्यापक प्रो.अतुल चन्द्र प्रधान कार्यक्रम में अध्यक्षता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ)सुरभी बेनर्जी ने स्वागत भाषण प्रदान किया।

विश्वविद्यालय के प्रथम आउटरिच एवं सलाह कार्यक्रम

केन्द्रापड़ा स्वयंशासित महाविद्यालय, केन्द्रापड़ा में २१ फरवरी, २०१४ को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रथम आउटरिच एवं सलाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। केन्द्रापड़ा स्वयंशासित महाविद्यालय के करीब २७० विद्यार्थी एवं ५० संकाय सदस्य इस कार्यक्रम में भाग लिए। प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया समेत इस जिला के २० डिग्री महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं कर्मचारीगण इस कार्यक्रम में भाग लिया। विद्यार्थी एवं संकाय सदस्यों की अभिरूचि अति उत्साहवर्धक था।

ओडिशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संबंध में एवं इसके द्वारा प्रदत्त शैक्षिक कार्यक्रम एवं सुविधाएँ जागरुकता पैदा करने एवं मुख्य रूप से इस राज्य के लोगों के सामाजिक-आर्थिक जीवन शैली में सुधार लाने के लिए इस विश्वविद्यालय के प्रथम आउटरिच एवं सलाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर उच्च शिक्षा: हमारी आजकी चुनौतियाँ शीर्षक पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ.एस.के.पालिता, सहयोगी प्राध्यापक एवं प्रमुख, सी.बी.सी.एन.आर तथा कार्यक्रम के संयोजक, श्री फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी, संयोजक, डॉ.पी.के.रथ, प्रमुख एवं प्रभारी सीजे एवं एमसी एवं श्री एस.जेना, अध्यापक, शिक्षक शिक्षा केन्द्र ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिनिधित्व किया। केन्द्रापड़ा स्वयंशासित महाविद्यालय, केन्द्रापड़ा के प्राचार्य एवं संकाय सदस्यों ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय की ओर से की गयी पहल की भुयसी प्रंशसा की। डॉ.प्रदोष कुमार रथ, प्रमुख/प्रभारी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा:हमारी आज की चुनौतियाँ शीर्षक पर आयोजित संगोष्ठी में भाषण दिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ.एस.के.पालिता ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आउटरिच एवं सलाह कार्यक्रम की महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त विभिन्न शैक्षिक एवं अनुसंधान कार्यक्रम, विद्यार्थियों के चयन प्रणाली एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त विद्यार्थी सहयोग सेवाओं पर चर्चा की।

विश्वविद्यालय में घटित अन्य घटनाएँ एवं कार्यक्रम

- विश्वविद्यालय कैम्पस में ०९ अगस्त, २०१३ को विश्व स्वदेशी लोगों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया।
- ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लांडीगुड़ा कैंपस, कोरापुट में १५ अगस्त २०१३ को ६७वीं स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो.ए.के.मिश्र तिरंगा फहराया
- विश्वविद्यालय द्वारा अपने लांडीगुड़ा कैंपस में प्रो.ए.के.मिश्र, कुलसचिव, विद्यार्थीगण एवं कर्मचारीगण की उपस्थिति में २३ जनवरी, २०१४ को नेताजी सुभाष जयन्ती एवं वीर सुरेन्द्र साए जयन्ती मनायी गयी।
- ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लांडीगुड़ा कैम्पस, कोरापुट में 26 जनवरी, 2014 को गणतन्त्र दिवस मनाया गया। प्रो.ए.के.मिश्रा, कुलसचिव ने तिरंग फहराया
- विश्वविद्यालय कैंपस में हिन्दी दिवस मनाया गया। प्रो.ए.के.मिश्र, कुलसचिव ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

विद्यापीठों और केंद्रों की क्रियाकलाप

मौलिक विज्ञान और सूचना विज्ञान

गणित विज्ञान केंद्र

१. गणित विज्ञान केंद्र के विद्यार्थियों द्वारा ०५ सितम्बर २०१३ को शिक्षक दिवस मनाया गया।

२. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर में ०९ दिसम्बर २०१३ से २१ दिसम्बर २०१३ तक आयोजित मिनि गणित टैलेंट एंड ट्रेनिंग सर्च प्रोग्राम में सुरज कुमार गरदा और बंदना नायक ने भाग लिया।

३. जालपुट में १९ जनवरी २०१३ को गणित केंद्र ने एक उन्मुक्ति दौरा का आयोजन किया।

४. विडियो कॉंफ्रेंस रुम, लांडीगुड़ा परिसर, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में २३.०२.२०१४ को एम.एस.सी.इंटीग्रेटेड़ कार्यक्रम हेतु कोर्स के पुन: संरचना से संबंधित विषय विशेषज्ञ समिति का आयोजन गणित केंद्र में किया है। विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य हैं : प्रो. स्वाधीनंद पट्टनायक, पूर्व निदेशक, गणितविज्ञान तथा अनुप्रयोग संस्थान, ओड़िशा, प्रो. व्ंजीत कुमार उपाध्याय, अनुप्रयुक्त गणित विभाग, भारतीय खान विद्यालय, धनवाद, , प्रो. बिंगन बग्ची, अनुप्रयुक्त गणित विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकात्ता,; डॉ.बिनोद कुमार साहू, रीडर-एफ, गणित विज्ञान विद्यापीठ,राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर; श्री ज्योतिस्का दत्ता (संयोजक) सहायक प्रोफेसर, प्रभारी, गणितविज्ञान केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय,कोरापुट; डॉ. महेश कुमार पंडा,सहायक प्रोफेसर,सांख्यिकीय केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ।

५. एम.एससी. गणितशास्त्र एकीकृत कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का पुन:संरचना करते हुए बैठक में विषय विशेषज्ञ समिति प्रो. स्वाधीन पटनायक दिनांक २२.०२.२०१४ को इस केंद्र में छात्रों के लिए एक विशेष कक्षा ले रहे हैं। प्रो. स्वाधीन पटनायक विशेष कक्षा में व्याख्यान प्रदान किए हुए।

६. गणित विज्ञान केंद्र २८ फरवरी २०१४ को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। केंद्र फन विथ मैथमेटिक्स विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया था जिसका श्री एस. सी. पृष्टि, रजिस्ट्रार (प्रभारी) और वित्त अधिकारी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उद्घाटन किया।

७. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहटी में २३ जून २०१४ से १९ जुलाई २०१४ तक आयोजित मैथमेटिक्स टैलेंट एंड ट्रेनिंग सर्च प्रोग्राम में भाग लेने के लिए केंद्र के विद्यार्थी सुरज कुमार गरदा और बंदना नायक को चयनित किया गया।

जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ

जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण केन्द्र

१. **लोकल फिल्ड ट्रिप** : सांस्कृतिक विविधता मूल्यांकन और जनजाति समुदाय के पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण हेतु कोरापुट के आसपास और इसके विभिन्न जनजाति गांवों के लिए और एम.एस. स्वामीनाथन अनुसंधान संस्थान, जयपुर में, विजु पटनायक मेडिसनॉल प्लांट गार्डन का दौरा हेतु सीबीसीएनआर के तिसरे सेमिस्टर के विद्यार्थियों के लिए ०८ नवम्बर २०१३ को एक लोकल फिल्ड ट्रिप का आयोजन किया गया था।

२. **अध्ययन दौरा सह उन्मुक्ति दौरा** : भुवनेश्वर के विभिन्न अनुसंधान संस्थाओं और भुवनेश्वर के पास चंदका डमंपड़ा वाइल्डलाइफ अभयराण्य के दौरा हेतु ६ से १५ जनवरी २०१४ की अवधि के दौरान प्रथम एवं दूसरे सेमीस्टर के विद्यार्थियों के लिए एक अध्ययन दौरा सह उन्मुक्ति द्वारा का नलबण और सातपड़ा वन्य जीव अभयारण्य का भी दौरा किए। क्लोरल विविधता, ऊतक संस्कृति तकनीकी और कैक्टस विविधता के अध्ययन के लिए विद्यार्थी भुवनेश्वर

में क्षेत्रीय वनस्पति संपदा केंद्र (आरपीआरसी) , जीव विज्ञान, जीव रासायनिक और जेनेटिक्स एवं डीएनए, फिंगर प्रिंटिं में उपयोग की गई विभिन्न उपकरणों के हस्त गत प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों ने जीव विज्ञान संस्थान, (आईएलएस), भुवनेश्वर का दौरा किया । आईएमएस के कैंसर जीव विज्ञान प्रयोगशाला, में तृतीय सेमीस्टर के विद्यार्थियों ने डीएनए निष्कर्षण और जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस पर प्रयोग किया और अनेक वैज्ञानिकों से बातचीत किए। विद्यार्थियों ने टेक्सोनामी और इरबेरियम तैयार करने की तकनीकी के अध्ययन हेतु खनिज और वस्तु प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर का भी दौरा किया।

विद्यार्थियों के पास १० से १२ जनवरी २०१४ की अवधि के दौरान भुवनेश्वर के सीमा में चंदका दमपड़ा वन्य जीव अभयारण्य में समय व्यतीत करने का अनुपम मौका था। अपने ठहराव के दौरान वे केवल फॉरेस्ट इकोसिस्टम के प्रति खुले नहीं थे, उनके पास मनुष्य , हाथी संघर्ष, मस्त के दौरान हाथी के व्यवहार, फसल पर हमला करने का व्यवहार, साँप, पक्षी और भालूओं पर चर्चा का मौका था । विद्यार्थियों ने विभिन्न वरिष्ठ जीव विशेषज्ञों जैसे डॉ. सुदर्सन पंडा, आईएफएस, निदेशक, नंदनकानन जीव विज्ञान पार्क, डॉ. ध्बदत्ता स्वाईं, आईएफएस, विशेष सचिव,पर्यावरण और वन विभाग, ओड़िशा सरकार; श्री मनोज महापात्र, ओएफएस, डीएफओ, चंदका-डमपड़ा वन्य जीव अभयराण्य; डॉ. प्रत्यूश महापात्र, वैज्ञानिक, आरपीआरसी, और डॉ. शिव प्रसाद परिड़ा,आरएमएनसी, भुवनेश्वर से बात किया । विद्यार्थियों ने एसच्यूराइन इकोसिस्टम, पक्षियों में विविधता और उनके चिल्का-प्रवेश में प्रवास के तरीके के साथ साथ इरावड़ी डॉलफिन पर उन्मुक्ति के लिए क्रमश: ९ और १३ जनवरी २०१४ को सातपड़ा और नालबण वन्य जीव अभयारण्य का दौरा किया। उनके टीम में डॉ. एस.के. पालित, एसोसीएट प्रोफेसर, और प्रमुख सीबीसीएनआर, डॉ. काकोली बनर्जी और डॉ. देबब्रत पंडा, सहायक प्रोफेसर उनके साथ थे।

३. **जलवायु परिवर्तन और जैवविविधता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी :** जैवविविधता और प्राकृतिक संपदा संरक्षण विद्यालय, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा २३ और २४ नवम्बर २०१३ को जलवायु परिवर्तन और जैवविविधता पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

४. **यूफेरटस :** इरासमस मुंडस उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक सहयोग एवं चल कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य यूरोपियन उच्च शिक्षा के गुणवत्ता में वृद्धि और अन्य देशों के साथ सहयोग के माध्यम से लोग और संस्कृति में बोध और बातचीत में बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, यह मानव संसाधन के विकास में और तीसरे देशों में यूरोपियन संघ और ऐसे देशों के बीच गमनागमन में वृद्धि द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों के अंतरर्राष्ट्रीय सहयोग क्षमता के विकास में योगदान देता है। इरेसमस मुंडस कार्यक्रम उच्च शिक्षा संस्थाओं में सहयोग प्रदान करता है जिसका लक्ष्य स्नातकोत्तर स्तर (कार्ययोजना-१) पर संयुक्त कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करना या यूरो और लक्ष्य के तीसरे देशों (एक्सन-२) से विश्वविद्यालयों के बीच इंटर-इंस्टीटयूशनॉल को-ऑपरेशन पार्टनरशीप संगठित करना है ।

यूफेरटस परियोजना एक इरासमस मुंडस कार्य-२ परियोजना है जो भारत से यूरोप तक कर्मचारियों और छात्रों के आने-जाने के लिए वित्त पोषित करता है। यह परियोजना विभिन्न शैक्षणिक स्तरों पर व्यापक विषय क्षेत्र का प्रस्ताव रखता है। यह केंद्रीय विश्वविद्यालय पहली बार प्राकृतिक विज्ञान में इस परियोजना का सदस्य बना है। सांटिआगो डे केपोस्टेला विश्वविद्यालय सहित एक समझौता करके आने जाने के कार्यक्रम के लिए छात्रों का प्रथम चयन, यूफेरटस कार्यक्रम का प्रतीक चिह्न को अंतिम रूप देने, अभ्यर्थियों के चयन के लिए मानदंड तैयार करना और १,२ एवं ३ विभाजन के लिए अंतिम तारीख निर्धारण करने संबंधित विषयों पर चर्चा करने के लिए ३१ अक्तूवर और २ नवम्बर २०१३ को बी.आर.अम्बेदकर मराठावाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा एक तत्काल बैठक आयोजन किया गया था। यह निर्णय लिया गया कि प्रथम कोहर्ट प्रस्ताव ३० जनवरी २०१४ को रखा गया था। जो छात्र इसमें रूचि रखते हैं वे फॉर्म भरे और वेबसाइट से आवेदन करें वेबसाइट है http:/www.usc.es/eupharates. वेबसाइट पर ही पात्रता मानदंडों को दिया गया है।

लगभग दो छात्रों ने भाग लिया और प्रथम सूची में एक ही छात्र का चयन हुआ। यह चर्चा हुई कि छात्र स्वतंत्र रूप से अपनी डिग्री चयन करेंगे जिसके लिए वह आवेदन भरेगा और छात्र अपनी इच्छा से संस्थान का भी चयन करेगा।

इस कार्यक्रम का समन्वयक है - डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, सीबीएनआर और उनके जरिये ही आवेदन पत्र भेजा जाना है।

पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण पर युवाओं को प्रशिक्षण

राज्य युवा नीति २०१३ के अनुसार, कौशल विकास प्रशिक्षण काम्पलैक्स, कोरापुट में २८ एवं २९ नवम्बर २०१३ को पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण पर युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम में तूहिमांसू कर, तीसरा सेमिस्टर, सीबीसीएनआर ने भाग लिया था।

विकास अध्ययन विद्यापीठ

अर्थशास्त्र केंद्र

क) ५ अप्रैल से ७ अप्रैल २०१३ को विशाखा स्टील प्लांट और आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम में एक अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

ख) यूफोरिया की ओर से आयोजित खेलकूद, शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्रों ने भाग लेने के साथ साथ कई पुरस्कार के बिजेता बने।

ग) दोनों प्रथम एवं तीसरी सेमिस्टर के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और सभी अपने अपने विषयों में सामूहिक संगोष्ठियों के माध्यम से लेख प्रस्तुत किया।

घ) दिनांक ५ सितम्बर २०१३ को बड़ी धूमधाम से शिक्षक दिवस छात्रों द्वारा मनाया गया था।

ङ) दिनांक १ दिसम्बर २०१३ को विभाग ने प्रथम सेमिस्टर के छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया है।

च) शीत ऋतु के दौरान कोरापुट के सौंदर्य का आनंद लेने के लिए १९ जनवरी २०१४ को गुलमी में विभागीय पिकनिक पार्टी का आयोजन किया गया था।

छ) श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, सहायक प्रोफेसर तथा प्रभारी मुख्य के मार्गदर्शन में छात्रों ने १६.११.२०१३ को जयपुर नगर में बाल श्रमिक पर एक क्षेत्र सर्वेक्षण किया। इसका मुख्य लक्ष्य था जयपुर नगर में बाल श्रमिकों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अध्ययन करना और उनकी समस्या तथा कारण का पता लगाना था। बाल श्रमिक पर आंकड़ा संग्रह करना बहुत संवेदनशील तथा कष्टसाध्य कार्य है तथापि छात्रों ने असाधारण काम किया है और क्षेत्र सर्वेक्षण की पद्धतियों के बारे में बहुत कुछ उन्हें सिखने को मिला है।

ज) २१ मार्च २०१४ को विभाग ने चौथी सेमिस्टर के छात्रों के लिए विदाई सभा का आयोजना किया था।

झ) सामान्य शिक्षण कार्य के साथ साथ संकाय सदस्यगण अपने को उच्च स्तरीय अनुसंधान तथा लेख प्रकाशन में अपने को व्यस्त रखते हैं और कमजोर छात्रों के प्रति अधिक ध्यान दे रहे हैं और छात्रों को यूजीसी-नेट की तैयारी पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

शिक्षा तथा शिक्षा तकनीकी विद्यापीठ

पत्रकारिता एवं जन संचार केंद्र

- शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ के दौरान २६ छात्रों ने अपनी स्नातकोत्तर डिग्री पूरी की। ययाती केसरी राउत एवं द्विप चंद बिहारी को स्वर्ण पदक मिला।
- विभाग ने पहली बार एम.फिल तथा पीएच.डी. कोर्स वार्क प्रारंभ किया, जेएमसी में एम.फिल कार्यक्रम ओड़िशा में प्रथम है।
- विभाग का फिल्म क्लब ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर **जापानीज वाइफ** फिल्म प्रदर्शित किया ।
- दिनांक ५ सितम्बर २०१३ को शिक्षक दिवस मनाया गया।
- दिनांक १६ नवम्बर २०१३ को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के प्रो. सुनिल कांत बेहरा, प्रोफसर तथा मुख्य, पत्रकारिता तथा जन संचार विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे।
- विभाग ने ८ मार्च को महिला दिवस मनाया और लज्जा फिल्म प्रदर्शित किया।
- विभाग के छात्रों ने विश्वविद्यालय के भीतर तथा बाहर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और पुरस्कार भी जीता।
- हॉल ही में उत्तीर्ण हुए १२ छात्रों को विभिन्न संगठनों में विभिन्न पदो पर नियुक्ति मिली जिसमें सम्मिलित हैं ओड़िशा पोस्ट (अंग्रेजी दैनिक पत्रिका), कंटिफाय टेक्नोलोजी प्रा.लि. और दूसरे मिडिया संगठनों
- इस अवधि के दौरान तीन महान व्यक्तियों ने विभाग का परिदर्शन किया और मिडिया से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। वे हैं :-
  १. प्रो. सुनिल कांत बेहरा, प्रोफसर तथा मुख्य, पत्रकारिता तथा जन संचार विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय ।
  २. श्री अभिजित मंडल, मुख्य, कंप्यूटर अनुभाग, संवाद प्रतिदिन, कोलकात्ता।
  ३. श्री सुब्रत पति, निर्माता, रेडियो चकलेट, एवं कनक टीवी, भुवनेश्वर ।

अध्यापन भ्रमण

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के चौथी सेमिस्टर, स्नातकोत्तर विभाग, पत्रकारिता तथा जन संचार विभाग के छात्रों ने १८ से २७ फरवरी २०१४ तक उनके संकायों के तत्वावधन में नईदिल्ली का अध्यापन भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान छात्रों विभिन्न मिड़िया संस्थानों/संगठनों का दौरा किया जिसमें सम्मिलित हैं भारतीय जन संचार संस्थान, जी टीवी नेटवर्क, दूरदर्शन, एजेके मॉस कम्युनिकेशन सेंटर, जामिया मिलिया इस्लामिया और लोकसभा टीवी आदि । छात्रों को विभिन्न ऐतिहासिक महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कराया गया जैसे कि राष्ट्रपति भवन, कुतुब मिनार, जामा मस्जिद, हुमायूँ का मकबरा, और इंदिरा गांधी स्मृतिपीठ आदि।

उपलब्धियाँ

१. निनि दॉ विनर, एक वृत्त चित्र जो विभाग के छात्रों द्वारा बनाया गया था जिसे इलेक्ट्रोनिक मिडिया, कुशाभाई ठाकरे विश्वविद्यालय, पत्रकारिता तथा जन संचार विभाग, रायपुर द्वारा आयोजित ७-८ मार्च २०१४ को राष्ट्रीय फिल्म निर्माण तथा फिल्म उत्सव कार्यशाला में दूसरा पुरस्कार मिला था। विभाग की ओर से सुश्री तलत जहां बेगम, व्याख्याता, जेएंडएमसी के साथ छात्र मानस कांजीलाल तथा जयंती बुरुड़ा ने भाग लिया था ।

२. कमनवेल्थ कम्युनिकेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अक्तूवर, २०१३ में यूनेस्को-सीइएमसीए विडियो चैंलेज प्रतियोगिता (कम्युनिटि रेडियो के लिए) सीयूओ, जे एंड एमसी केंद्र ने प्रवेश लिया। वृत्त चित्र दॉ पिपुल्स वयेस अंतिम प्रतियोगिता में प्रदर्शन के लिए गृहित हुआ और सांत्वनामूलक पुरस्कार मिला।

अध्यापक शिक्षा केंद्र

१. ०१ जनवरी २०१४ को नववर्ष मनाया गया । इस कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्यगण तथा छात्रों ने भाग लिया था। इस अवसर पर केंद्र के छात्रों विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियाँ दिखाईं ।

२. फरवरी के महीने में कोरापुट क्षेत्र के आसपास गांवों में क्षेत्र आधारित गतिविधियाँ (सामुदायिक अध्ययन परियोजना) आयाजित किया गया था। फरवरी-मार्च २०१४ में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, एसएमडीसी आदि विषयों पर बीएड़ पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए यह सर्वेक्षण कराया गया था।

३. ४ जनवरी २०१४ को केंद्र में आर्ट तथा क्राफ्ट प्रदर्शनी आयोजित हुआ । इस कार्यक्रम का उद्घाटन ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया था। इस अवसर पर पद्मश्री (डॉ) प्रतिभा राय, प्रो. प्रफुल कुमार मोहांति, रजिस्ट्रार, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, और दूसरे महान व्यक्ति उपस्थित थे।

४. सत्र २०१३-२०१४ के लिए बीएड पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु शिक्षकों के इंटरर्नशिप चालीस दिनों के लिए कोरापुट क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों आयोजित किया गया ।

भाषा विद्यापीठ

अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य केंद्र (सेल)

१. चौबिस छात्रों ने चौथी सेमिस्टर की परीक्षा (२०१४) में शामिल हुए और उनमें से तेईस छात्रों ने उत्तीर्ण हुए और सुश्री प्रियंका शर्मा शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ के शीर्ष स्थान पर रही। दूसरी सेमिस्टर (२०१४) परीक्षा में पच्चीस छात्रों सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए।

२. विभाग ने ७ सितम्बर से ९ सितम्बर २०१३ तक साहित्यिक सिद्धांत तथा समीक्षा पर, २७ अक्तूबर से २९ अक्तूबर २०१३ तक अंग्रेजी भाषाशास्त्र पर और २५ मार्च से २७ मार्च २०१३ को अनुवाद अध्ययन पर संगोष्ठियाँ आयोजित की ।

ओड़िया भाषा तथा साहित्य केंद्र

निम्नलिखित विषयों पर ओड़िया भाषा तथा साहित्य केंद्र में चौदह विभागीय संगोष्ठियाँ आयोजित की गयीं :

१. दिनांक ०४.०४.२०१३ को ओड़िया बायोग्राफी एंड अटोबायोग्राफी पर : मो समयर ओड़िशा, जीवन ओ सरस्वती फकीरमोहन के विशेष संदर्भ में।
२. दिनांक ११.०४.२०१३ को भगवती चरण पाणिग्राही की शिकारा : एक समीक्षात्मक विश्लेषण ।
३. दिनांक १८.०७.२०१३ को ओड़िया नाटक पर विशेष संगोष्ठी।
४. दिनांक ०८.०८.२०१३ को रामशंकर राय की कांची काबेरी : एक समीक्षात्मक विवेचना ।
५. दिनांक २६.०९.२०१३ को सारला महाभारत एवं श्रीमद् भागवतगीता पर संगोष्ठी।
६. दिनांक ०४.०४.२०१३ को प्राक् तथा पश्च स्वतंत्रता ओड़िया कथा-साहित्य।
७. दिनांक ११.०४.२०१३ को ओड़िशा की आदिम जनजाति।
८. दिनांक १८.०४.२०१३ को नयी लेखन की शैली पर एक संगोष्ठी।
९. दिनांक २६.०४.२०१३ को सारला पंचसखा रीति : सामाजिक-ऐतिहासिक विकास पर।
१०. दिनांक २७.०३.२०१४ को ओड़िया पद्य पर : रूद्रसुधानिधि , चतुरविनोद , मो समय पर ओड़िशा पर विशेष संदर्भ में।

समाज विज्ञान विद्यापीठ

समाजविज्ञान अध्ययन केंद्र

- समाजविज्ञान केंद्र में १९ नवम्बर २०१३ को प्रो. डॉ. अनुप कुमार दाश ने इक्कीसवीं सदी में पुन:परिभाषित विकास पर एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया।
- दिनांक २० दिसम्बर २०१३ को समाज विज्ञान केंद्र सीयूओ के पुराना परिसर , लांडिगुड़ा से नया केंपस, सीयूओ को पारम्परिक रीति से स्थानांतरित किया गया और कार्य आरंभ हो गया।
- दिनांक ०७ जनवरी २०१४ को शोध छात्रों (एम.फील तथा पीएच.डी.) के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया।
- समाज विज्ञान केंद्र के छात्रों ने दिनांक ४ जनवरी २०१४ को सीयूओ के नये परिसर में सरस्वती पूजा आयोजित करके अपने छात्र जीवन में आध्यात्मिक भावना को स्थान दिया है।
- समाज विज्ञान केंद्र छात्रों ने दिनांक १२ जनवरी २०१४ को एक फिल्ड एक्सपोज्यूर ट्रिप तथा पिकनिक पार्टी आयोजित किया।

छात्रावास के निवासियों को स्वास्थ्य/चिकित्सा सुविधा

छात्रावास के निवासियों को नियमित रूप से स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने बाहर से चिकित्सक को आमंत्रित करता है। यह सुविधा भी छात्रवासों में किसी भी आपातकालीन स्थिति में प्रदान किया जाता है।

विश्वविद्यालय यातायात सुविधा

छात्रों के लिए यातायात सुविधा :-जयपुर, कोरापुट, सिमलीगुड़ा और डुमरीपुट से छात्रों को लाने के लिए चार बसों की व्यवस्था की गयी है। विश्वविद्यालय तक पहुँचने के लिए छात्रावास में रहने वाले और न रहने वाले सभी छात्रों बस सुविधा का उपयोग करते हैं और शैक्षणिक तथा क्षेत्र परिदर्शन के लिए बसों का उपयोग होता है।

यांत्रिक/अनुरक्षण कक्ष

कर्मचारीगण :

१. श्री सुधाकर पटनायक, ओ.आई.सी. (अनुबंध पर)
२. इ. पद्मलोचन स्वाईं , क.यं (निर्माण)
३. श्री संजीव कुमार पापेंजा, तकनीकी सहायक
४. श्री पी. पी.क्षेत्रीय, जे.पी.ए. (अनुबंध पर)
५. श्री रविंद साहू, इलेक्ट्रिशियन (सर्विस प्रोवाइडिंग एजेंसी के जरिये)

कार्य प्रगति पर

जमीन विषय

केंद्रीय विश्वविद्यालय को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना के लिए सिमलिगुड़ा तहसील के अधीन चिकापार तथा चिकरालीपुट गांव में ओड़िशा सरकार द्वारा निशुंल्क से ४३०.३७ एकड़ सरकारी जमीन प्रदान किया गया है।

सुनाबेढ़ा परिसर में विद्युत आपूर्ति

ओड़िशा सरकार के प्रशासन नियंत्रण में विद्युत वितरण कंपनी ने राज्य की निधि से परिसर के भीतर क्यूबिकल पएंट के लिए सुनाबेढ़ा ग्रीड से ५.५. की.मी. ११ केवी लाइन खींचा है। सीयूओ को विद्युत आपूर्ति के लिए एक पावर ट्रांसफरमर आनुमानिक लागत र.४८,६९,२८८/- पर साउथको द्वारा निर्माणाधीन है। सुनाबेढ़ा

परिसर को विद्युत आपूर्ति के लिए महाप्रबंधक, साउथको, जयपुर में विश्वविद्यालय ने प्रतिभूति जमा के रूप में रु. १८,७४,६४०/- जमा किया है। आंतरिक विद्युत आपूर्ति कार्य का आनुमानिक लागत रू १.४२ करोड़ है जो काम केंलोनिवि द्वारा लिया गया है। परियोजना का पूरा होने के तुरंत बाद परिसर में विद्युत आपूर्ति हो सकती है।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का निकटस्थ सड़का निर्माण

विश्वविद्यालय ने एनएडी को अनुरोध करके उसके सड़क का इस्तेमाल कर रहा है। किंतु परिसर तक सड़का का निर्माण कार्य आर एंड बी डिविजन, कोरापुट (ओड़िशा सरकार) ने लिया है। विश्वविद्यालय सीमा से आंतरिक सड़क का निर्माण मास्टर प्लान के अनुसार बनाया जा रहा है। मुख्य सड़क १२ मीटर का होगा उसके साथ सड़क के अंतिम भाग तक प्रकाश की व्यवस्था रहेगी ।

ओकेंवि, सुनाबेढ़ा परिसर तक जल आपूर्ति

शुनावेढ़ा परिसर को प्रत्येक दिन ३.०० लाख लीटर जल की आवश्यकता के अनुसार पेय जल प्रदान करने के लिए पाँच की.मी. पाईप लाइन बिछाई गयी है और दो जल टंकी का निर्माण राज्य सरकार के खर्चे से बन रहा है । आंतरिक जल आपूर्ति का काम विश्वविद्यालय के खर्चे से राज्य सरकार की पीएचडी के जरिये विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

सुनाबेढ़ा स्थित सीयूओ परिसर में एक जीबी इंटरनेट कनेक्शन

NMEICT एक मानव संसाधन विकास मंत्रालय का अनुमोदित तथा समर्थित परियोजना है। इस परियोजना का आनुमानिक लागत है लगभग दो करोड़ रूपये। आनुमानित लागत का २५इ विश्वविद्यालय का शेयर है । बीएसएनएल ने सुनाबेढ़ा परिसर तक ध जीबी कनेक्शन प्रदान किया है। यह संयोजकता भुवनेश्वर से लेकर कोरापुट के सुनाबेढ़ा परिसर तक सक्रिय है। आज तक रूटर, यूपीएस, बैटरी आपूर्ति की गयी है।

विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त लागत और सेवा कर आदि के अलावा अपना २५इ शेयर भुगतान किया है। इस परियोजना के माध्यम से विश्वविद्यालय ने ४०० नोडस तक इंटरनेट सुविधा प्राप्त कर सकता है ।

निम्नलिखित भवन कार्य पूरा हो चुका है।

विकास कार्य	**प्लिंथ क्षेत्र (वर्ग मीटर)**
१. शैक्षणिक ब्लॉक	१४८२ आरसीसी संरचना, जीसीआई शीट
२. पुस्तकालय ब्लॉक	७५०
३. छात्राओं का हॉस्टेल	७९०५ ऊ३, २३६ कमरे
४. छात्रों का हॉस्टेल	७९०५ ऊ३, २३६ कमरे
५. अतिथि भवन	२७९७ (३२ कमरे और ०८ वीआईपी सूटस)
६. सीमा दीवार	९.२५ की.मी.
६. कैंटीन	
७. कैंटीन का विस्तार (कार्य प्रगति पर है)	
८. भूमिगत नाबदान का निर्माण	
९. अतिरिक्त शैक्षणिक खण्ड	

परिसर का मास्टर प्लॉन अंतिम चरण में है

बीएसएनएल-१जीबी पर टिप्पणी

NME-ICT कार्यक्रम के तहत १जीबी ब्रडबैंड लिंक के प्रावधान के लिए विश्वविद्यालय ने सुनाबेढ़ा स्थित सीयूओ परिसर को १जीबा लिंक देने के लिए बीएसएनएल को अपनी सहमति प्रदान की है।

सूचना संचार तकनीकी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (NME-ICT) कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय समर्थित कार्यक्रम है । १जीबी कनेक्शॉन दस सालों के लिए ४०० नोडस को प्रदान किया जाता है । एलएएन सेटअप भी ७.५ की.मी.तक सीमित योजना के अंतर्गत दी गयी है। विश्वविद्यालय द्वारा खर्च वहन किया जाता है। इस योजना का आनुमानित लागत दो करोड़ रूपये है। लागत शेयरिंग अनुपात इस प्रकार है :

रु.२.०० करोड़	**रु.२०.०० लाख**	**रु.१.३५ करोड़**	**रु.४५.०० लाख**
	बीएसएनएल	एमएचआरडी	सीयूओ

विश्वविद्यालय ने सेवा शुल्क तथा प्रासंगिक व्यय के अलावा अपना शेयर जमा कर चुका है ।

आज तक परियोजना का निम्नलिखित कार्य पूरे हो चुके हैं :

१. फिल्ड सर्वेक्षण
२. पुस्तकालय भवन में सर्वर कक्ष काम कर चुका है
३. जीबी कनेक्शन के लिए ऑप्टिकॉल फाइबर प्रदान किया गया है
४. भुवनेश्वर से यह लिंक दिया गया है

५. एनआईसी से रूटर २४.७.२०१३ को रु .१५, ५४,०२७/ - की लागत पर खरीदा गया है (जूनीपेर निर्मित)
६. १० KVA और ५ KVA यूपीएस खरीदा गया है उसका परीक्षण भी किया गया है

अविलम्ब आवश्यकता

१. पुस्तकालय भवन तथा शैक्षणिक खण्ड में LAN सेटअप।
२. विभिन्न भवनों/ब्लॉक परिसरों में केबुल बिछाई गयी
३. स्वीचों तथा सहायक पुर्जा खरीदा गया।
४. विभिन्न भवनों के पएंटों में पावर कनेक्शन तथा यूपीएस का प्रावधान ।
५. विभिन्न भवनोंमें कंप्यूटर सिस्टमों की खरीद और अधिस्थापना।
६. किसी प्रकार की हानि को हटाने के लिए ०५ और ०६ से ऊपर की स्थापना ।

बीएसएनएल से एक प्राक्कलन भेजने के लिए अनुरोध किया गया है।

जन संपर्क प्रकोष्ठ

अधिकारी का नाम : डॉ. फगुनाथ भोई, एमजेएमसी, पीएच.डी.,यूजीसी-नेट
जन संपर्क अधिकारी

संक्षिप्त प्रस्तावना :

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष २००९ के दौरान संसद की अधिनियम द्वारा कोरापुट में की गई। शुरुआत (अर्थात् २९ अगस्तख २००९) से ही विश्वविद्यालय अलग विद्यालयों के पाँच केंद्रों के साथ आगे बढ़ रही है और गुणवत्ता शिक्षण और विद्वता हेतु वातावरण को और अधिक परिणाम जनक बनाने हेतु अपने प्रयास से आगे बढ़ रही है। बाद में तीन और केंद्र शैक्षिक सत्र २०११-१२ के दौरान खोले गये और शैक्षिक सत्र २०१३-१४ में एक केंद्र खोले गए। विश्वविद्यालय अभी तक तीन दीक्षांत समारोह का आयोजन कर चुका है और अनगिनत राष्ट्रीय संगोष्ठी, वार्तालाप, विन्यास व्याख्या और परस्पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया है। विश्वविद्यालय विकास और उत्थान हेतु रोडमैप तैयार करने के लिए उच्च स्तरीय सलाहाकार समिति का गठन भी कर चुकी है।

पहाड़ी मैदान के शानदार सौंदर्य से सिरोताज और टेढी-मेढ़ी छोटी नदी केरांडी सच्चाई के घना अँधेरा नये प्रवेश करने वाले को अपनी ओर खींच लेता है और भारतीय प्रायद्वीप के विभिन्न स्थानों से अपने पूर्ण विस्तार में खिलकर और चमककर अपनी जीवंतता की कपटी चमक की पहचान कराती है। आस-पास के उपनगरों में जनजातियों द्वारा अपने सांस्कृतिक पोशाक में कोराक्लस और छोटी पतली नाव को बारबार देखना विदेशियों की आत्मा संबंधी कल्पना को अपनी ओर खींचता है और इसलिए यह एंथ्रोपो-लिंगुऑल-बायो-डायभरसीफाइड जनजाति संस्कृति का प्राकृतिक निवास बन गया है।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय की ख्याति को सुरक्षा और बनाये रखने के लिए, इसकी छवि को और मजबूत करने और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जागरुकता बढ़ाने हेतु जन संपर्क विभाग ०८ फरवरी २०१२ से जन संपर्क अधिकारी के साथ मिलकर पूर्ण विस्तार तरीके से काम कर रही है। जन संपर्क कार्यालय इंस्टीट्यूशनॉल न्यूज और मिडिया संपर्क, सरकार के साथ संबंध, मार्केटिंग और ब्रोडिंग, सृजनात्मक और संपादकीय सेवाएँ और समाराहे, संगोष्ठी, परिसंवाद, बैठक, सम्मेलन, घटनायें, चयनित प्रतिनिधियों के साथ संपर्क, स्थानीय प्रतिनिधि, विधायकों, सांसदों, जिला प्रशासन और राज्य प्रशासन आदि काम को देख रही है । विश्वविद्यालय का दौरा करने वाले अतिथि एवं विशेष मेहमानों का ध्यान भी कार्यालय रखती है।

मुख्य परिसर को कई केंद्रों का स्थानांतरण

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सुनाबेढा स्थित मुख्य परिसर में कक्षायें दिनांक २० अक्तूवर २०१३ से शुरू हुई है और अध्यापक शिक्षा केंद्र (बी.एड़. कार्यक्रम) वहां चला गया है। प्रथम बैच के रूप में बी.एड़ कार्यक्रम में एक सौ छात्रों ने प्रवेश लिया। मुख्य परिसर में कक्षाएं चलाने के लिए निर्णय लिया गया। बी.एड़. कार्यक्रम में छ: संकाय सदस्य और एक सौ छात्रों को लेकर चल रहीं हैं। उसके बाद, मुख्य परिसर को समाज विज्ञान अध्ययन केंद्र (सीएसएस) स्थानांतरित हो गया और कक्षाएं २० दिसम्बर २०१३ से शुरू हो गयी । इस विभाग में तीन संकाय सदस्य हैं, अस्सी स्नातकोत्तर छात्र हैं, एक पीएच.डी. और चार एम.फील विद्यार्थी को लेकर यह विभाग शैक्षणिक कार्यक्रम चला रहा है ।

हमारे नये परिसर का विकास

बुनियादी संरचना में प्रगति

बुनियादी संरचना के स्तर में सुधार हेतु हमारे प्रयासों में और कैंपस के संरचनात्मक विकास की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अन्य अनुषंगी सुविधाओं में, विश्वविद्यालय अंतिम शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ से कैंपस को प्रयोजनमूलक बनाने के लिए अपेक्षित बुनियादी संरचना तैयार करने में सक्षम है। वर्ष के दौरान कुछ बुनियादी संरचना विकास का एक परिदृश्य नीचे दी गई है :-

- प्रथम चरण में सुनाबेढ़ा, कोरापुट में राज्य सरकार द्वारा आबंटित ४३०.३७ एकड़ जमीन पर ९.३ कि.मी. लम्बी चारदीवार के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है।
- ओड़िशा स्थापत्यकला की विशेषताओं के अनुसार मुख्य परिसर में ३२ कमरों तथा ०८ अनुकूलित वाले २९५७ वर्ग मीटर (प्लिंथ एरिया) वाला सीयूओ अतिथि गृह (जी तथा ३) का निर्माण पूर्ण हो चुका है। और ०१ जुलाई २०१३ को मानव संसाधन विभाग के माननीय संघ मंत्री द्वारा इसका उद्घाटन हुआ है।

- २३६ कमरोंवाला ७७३५ वर्ग मीटर (प्लिंथ एरिया) का लड़कों के हॉस्टले का निर्माण का काम पूरा हो चुका है और इसे भी उसी दिन ०१ जुलाई २०१३ को मा.स.वि. के माननीय संघ मंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया है।
- इसी प्रकार २३६ कमरों वाला ७७३५ वर्ग मी. (प्लिंथ एरिया) का लड़कियों के लिए हॉस्टेल का निर्माण पूरा हो चुका है।
- १७०० वर्ग मिटर प्लिंथ एरिया के एकाडेमिक ब्लॉक का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और दोनों ब्लॉक का उद्घाटन २१ जनवरी २०१३ को हो चुका है।
- मुख्य परिसर में ७७५ वर्ग मीटर का पुस्तकालय भवन का निर्माण पूरा हो चुका है और पिछले शैक्षणिक वर्ष से यह चालू है।
- मुख्य परिसर के शैक्षिक ब्लॉक में एक सम्मेलन-सह-संगोष्ठी भवन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है । सम्मेलन भवन गोदरेज के सम्मेलन फर्निचर से सुसज्जित एवं उपस्कृत है।
- विद्यार्थियों और कर्मचारियों को पेय सुविधाएं प्रदान करने हेतु मुख्य परिसर में कैंटिन का निर्माण पूरा हो चुका है
- मास्टर प्लॉन एवं भवन डिजाइन का कार्य जारी है। स्थापत्य फर्म का कार्य जारी है। ग्रीहा के अनुसार एक पर्यावरण हितैषी और ऊर्जा संरक्षण ग्रीन कैंपस हेतु एक योजना तैयार कर ली गई है। इसके समर्थन में हम लोग भी वर्ज्य पदार्थ के रि-साइक्लिन करने,नवीकरण ऊर्जा का उपयोग करने, वारट हार्वेस्टिंग और पर्यावरण इम्पैक्ट मूल्यांकन में वचनबद्ध हैं।
- एंथ्रोपालाजी शिक्षा केंद्र के लिए, पत्रकारिता एवं जनसंार केंद्र के लिए और जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण केंद्र हेतु लांडीगुड़ा परिसर में प्रयोगशालाएं स्थापित की गई है।
- शुरुआत से ही ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय आईसीटी चालित है। विश्वविद्यालय के कौशल योजना के साथ साथ शिक्षा क्षेत्र में वर्तमान विकास को ध्यान में रखकर बड़ी सावधानी से इसकी ढांचा तैयार की गयी है।
- सभी दैनिक कार्य जैसे लेखा-हिसाब, प्रवेश,विद्यार्थियों का डाटाबेस, लाईब्रेरी डाटाबेस को कंप्यूटरकरण किया जा चुका है।
- विश्वविद्यालय के लड़के एवं लड़कियों के लिए एससीआईटीएम परिसर, सेमिलिगुड़ा में दो अलग अलग हॉस्टेल हैं।
- राज्य सरकार द्वारा मुख्य परिसर में जल आपूर्ति की व्यवस्था की जा चुकी है।
- राज्य सरकार द्वारा मुख्य परिसर तक सड़क का निर्माण काम जारी है।
- साउथको, ब्रह्मपुर प्रखंड, ओड़िशा के माध्यम से राज्य सरकार द्वरा मुख्य परिसर में बिजली आपूर्ति का काम जारी है।
- विश्वविद्यालय कार्य की लगन में लीन है और विश्वविद्यालय के विकास और उत्थान में टीम भावना का प्रयास जारी है।
- वर्तमान समय में आंतरिक जल आपूर्ति का निर्माण, एच.टी. और एल.टी. आंतरिक इलेक्ट्रिकॉल लाइन का निर्माण, पीने के पानी हेतु पचास हजार लीटर का भूमिगत परनाली का निर्माण, अतिरिक्त शैक्षिक भवन का निर्माण और कैंटीन का विस्तार हेतु अस्थायी शेड का निर्माण का कार्य जारी है।
- नवम्बर २०१४ के अंत तक, हॉस्टेल को चालू करने के लिए विश्वविद्यालय में जल आपूर्ति और बिजली आपूर्ति को पूर्ण कर लेने का लक्ष्य विश्वविद्यालय ने किया है।
- इसी प्रकार दिसम्बर २०१५ के अंत तक विश्वविद्यालय में लेन रोड के साथ अपने पूरे आंतरिक रोड़ को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही स्ट्रीट लाइटिनिंग, ड्रेनेज , कंपाउंड वाल से संबंधित परियोजना शुरु की जाएगी।
- अंतिम चरण में, प्रशासनिक ब्लॉक,रख-रखाब और इंजीनियरिंग ऑफिस, ऑडिटोरियम, स्पोर्टस कॉम्पलैक्स, स्टॉफ क्वार्टर, स्वास्थ्य केंद्र, और अन्य इसी प्रकार की संरचना सुवधिाओं का विकास दो से तीन वर्षों की अवधि के अंतर्गत किया जाएगा।

कार्यकारी परिषद के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१.	प्रो. (डॉ.) सुरभी बनर्जीमान्यवर कुलपति	मान्यवर कुलपति ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट-७६४०२० ओड़िशा	अध्यक्ष
२.	डॉ. श्रीकांत सुंदरराजन	अध्यक्ष, ग्लोबाल स्टेटेजी एंड टेक्नोलोजी पेरसिस्टेंट सिस्टमस लि. बैंगालूर	सदस्य
३.	एयार मार्शल (सेवानिवृत्त) ज्योतिनारायण बर्मा	सदस्य, स्थल सेना न्यायधिकरण, वेस्ट ब्लॉक- ऋघ्घ,, मोहन सिंह मार्केट के बगल में, सेक्टर-१, आर.के. पुरम, नई दिल्ली -११००६६	सदस्य
४.	प्रो. (डॉ.) सुधाकर पंडा, प्रोफेसर	प्रोफेसर तथा मुख्य, भौतिक विज्ञान, (स्ट्रिंग सिद्धांत) कमरा संख्या-३२५ हरिश्च चंद्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद	सदस्य
५.	प्रो. ए. एम. जायण्णावर, प्रोफेसर	निदेशक, भौतिकी संस्थान, सचिवालय मार्ग, भुवनेश्वर-७५१००५	सदस्य
६.	प्रो. वेद प्रकाश, प्रोफेसर	अध्यक्षविश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादूर शाह जाफर मार्ग, नई दिल्ली-११० ००२	सदस्य
७.	श्री अशोक ठाकुर, भाप्रसे	सचिव,मानव संसाधन मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली- ११० ११५	सदस्य
८.	श्री गगन कुमार धल, भाप्रसे	प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा विभाग,ओड़िशा सरकार, ओडिशा सचिवालय, भुवनेश्वर	सदस्य

९.	डॉ. शरत कुमार पालित	एसोसीएट प्रोफेसर तथा डीन, जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
१०.	डॉ. कपिल खेमुंडु	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, समाज विज्ञान अध्ययन केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
११.	प्रो. ए.के. मिश्रा	रजिस्ट्रार	ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य सचिव

शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१.	प्रो. (डॉ.) सुरभी बनर्जी	मान्यवर कुलपति ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट-७६४०२० ओड़िशा	पदेन अध्यक्ष
२.	प्रो. ए. एम. पठाण	भूतपूर्व कुलपति, ७५/४, रोनोजी रोड़, बांसबांगूडी, बेंगालूर-५६० ००४	सदस्य
३.	प्रो. रंजन एम. वेलूकर	कुलपति, बम्बे विश्वविद्यालय, एम.जी.रोड़, फोर्ट मुंबई-४०० ०३२	सदस्य
४.	प्रो. एस.के. स्वांई	प्रोफेसर, शिक्षा के संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, राजीब गांधी साउथ केंपस, बरकछा, मिर्जापुर-२३१००१	सदस्य
५.	प्रो. प्रशांत कुमार साहू	उप-कुलपति,उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर.	सदस्य
६.	डॉ. संजय जोडपे	निदेशक,पब्लिक हेल्थ एजुकेशन, पीएचएफआई, पीएचडी हाऊस, दूसरी मंजिल, ४/२, सिरिफोर्ट इंस्टीट्यूटशनॉल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली -१६	सदस्य
७.	डॉ. शरत कुमार पालित	एसोसीएट प्रोफेसर तथा डीन, जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
८.	डॉ. कपिल खेमुंडु	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, समाज विज्ञान अध्ययन केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
९.	डॉ. जयंत कुमार नायक	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, मानव विज्ञान अध्ययन केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
१०.	डॉ. प्रदोष कुमार रथ	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
११.	डॉ. आलोक बराल	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, ओड़िआ भाषा केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
१२.	श्री प्रदोष कुमार स्वांई	सहायक प्रोफेसर, ओड़िया भाषा केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
१३.	मुख्य प्रभारी, अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य केंद्र	ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य
१४.	मुख्य प्रभारी, गणित विज्ञान केंद्र	ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य
१५.	मुख्य प्रभारी, अध्यापक शिक्षा केंद्र	ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य
१६.	मुख्य प्रभारी, अर्थशास्त्र केंद्र	ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य
१७.	प्रो. ए.के. मिश्रा	रजिस्ट्रार	ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य सचिव

अन्य समिति के सदस्यगण

क. भवन निर्माण समिति के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
०१	प्रो. (डॉ.) सुरभी बनर्जी	कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
०२	प्रो-उप-कुलपति	ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट (रिक्त)	सदस्य

०३	वित्त अधिकारी	ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट	सदस्य
०४	श्री एस. महागॉकर	सेवानिवृत्त मुख्य टाउन प्लॉनर, जयपुर, राजस्थान तथा सलाहाकार, परिसर विकास (राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय)	सदस्य
०५	मुख्य यंत्री (भवन)	निर्माण सौध, मुख्य यंत्री का कार्यालय (भवन) केशरी नगर, यूनिट- V, भुवनेश्वर- ७५१०१५	सदस्य
०६	प्रो. कान्हू चरण पात्र	सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला-७६९००८, ओड़िशा	सदस्य
०७	प्रो. विद्याधर सुबुद्धि	सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला-७६९००८, ओड़िशा	सदस्य
०८	विश्वविद्यालय के आर्किटेक्ट	निर्माण कार्य के सलाहाकार, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
०९	विश्वविद्यालय के यंत्री (रिक्त)		सदस्य
१०	प्रो. ए.के. मिश्रा	रजिस्ट्रारओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य सचिव

ख. स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ सलाहाकार समिति के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१	प्रो. (डॉ.) सुरभी बनर्जी	कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
२	जिल्ला मुख्य चिकित्सा अधिकारी (पदेन)	जिल्ला मुख्यालय, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
३	डॉ. संजय जोडपे	निदेशक,पब्लिक हेल्थ एजुकेशन, पीएचएफआई, पीएचडी हाऊस, दूसरी मंजिल, ४/२, सिरिफोर्ट इंस्टीट्यूटशनॉल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली -१६	सदस्य
४	डॉ. चंडिल कुमार गुणशेखर	नारायण हृदयालय, आनेकल संख्या २५८/, बोमासंड्रा इंडस्ट्रियल एरिया, आनेकल तालुक, बेंगालूर -५६० ०९९	सदस्य
५	श्री राव वी. आयागिरी	सलाहाकार,अनुसंधान, विकास तथा वैज्ञानिकी संचालन, पीएचडी हाऊस, दूसरी मंजिल, ४/२, सिरिफोर्ट इंस्टीट्यूटशनॉल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली -१६	सदस्य
६	डॉ. जी. एन. क्वाजी	कुलपति,जामिआ हामडार्ड विश्वविद्यालय,नई दिल्ली-११००२५	सदस्य
७	डॉ. पी. सी. महापात्र	प्राचार्य,एससीबी मेडिकॉल कॉलेज,कटक-७५३००७	सदस्य
८	प्रो. डॉ. जेम्स थोमास	कुलपति,डॉ. डी. वाई पाटिल विद्यापीठ,डॉ. डी. वाई पाटिल विद्यानगरसेक्टर-७, नवी मुंबई-४०० ७०६	सदस्य
९	डॉ. बी. एम. हेगड़े	भूतपूर्व कुलपति, मणिपाल विश्वविद्यालय, मेंगालूर	सदस्य
१०	श्री जी. एन. राव	निदेशकएल. वी. प्रसाद आई इंस्टीच्यूटहैदराबाद-५०० ०३४	सदस्य
११	प्रो. ए.के. मिश्रा	रजिस्ट्रारओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य सचिव

ग. विधि विद्यापीठ तथा विधि अध्ययन पर सलाहाकार समिति के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१	प्रो. (डॉ.) सुरभी बनर्जी	कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
२	प्रो. आर. एन.माधव मेनन	देवी प्रिया, टीसी१७/२१६६साईराम रोड़, पूजा पूरा, तिरूवंतपुरम -६९५ ०१२ केरल	सदस्य
३	प्रो. आर. वेंकट राव	कुलपति, दॉ नेशनॉल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, नगरभावी, बेंगालूर, कर्णाटक - ५६० २४२	सदस्य
४	प्रो. रणवीर सिंह	कुलपति, नेशनॉल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली, सेक्टर-१४, द्वारका, नईदिल्ली ११० ०७८, भारत,	सदस्य
५	प्रो. श्रीधर आचार्यालु	प्रोफेसर ऑफ लॉ,नॉलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, जस्टिस सिटी, समीरपेट,रंगारेडी जिला, हैदराबाद- ५०० ०७८	सदस्य
६	श्री सोली सोराबजी	भूतपूर्व महाधिवक्ता,/१२८, नीति बाग, नई दिल्ली -११० ०४९	सदस्य

७	मान्यवर न्यायमूर्ति श्री अल्तमस कबीर	भारत के मुख्य न्यायाधीश, १७, सफदरजंग रोड़, नई दिल्ली - ११० ०११	सदस्य
८	मान्यवर न्यायमूर्ति श्री डी.के. जैन	६, मोतिलाल नेहरू पैलेस, नई दिल्ली-११० ०११	सदस्य
९	मान्यवर न्यायमूर्ति श्री ए.के. सिकरी	८, राजाजी मार्ग, नई दिल्ली-११० ०११	सदस्य
१०	प्रो. (श्रीमती) चंद्र कृष्णमूर्ति	कुलपति,नेशनॉल लॉ यूनिवर्सिटी, ओड़िशा, ब्रजबिहारीपुर, नराज ब्रिज के पास, कटक-७५३०१५, ओड़िशा (भारत)	सदस्य
११	प्रो. ए.के. मिश्रा	रजिस्ट्रारओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य सचिव

घ. विधि विद्यापीठ पाठ्यक्रम समिति के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१	प्रो. (डॉ.) सुरभी बनर्जी	कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
२	न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस	कलकत्ता उच्च न्यायालय१२/१, चक्रपेरया रोड (उत्तर) कोलकात्ता पश्चिम बंगाल-७०००२०	सदस्य
३	प्रो. अमित सेन	भूतपूर्व डीन तथा प्रोफेसर, विधि के प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकात्ता, पश्चिम बंगाल	सदस्य
४	प्रो. इश्वर भट्ट	कुलपति, नेशनॉल यूनिवर्सिटी ऑफ जुरिडिकॉल साइंस, कोलकात्ता, पश्चिम बंगाल	सदस्य
५	प्रो. जयदेव पति	प्रोफेसर,नेशनॉल स्कूल ऑफ लॉ, एसओए विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	सदस्य
६	प्रो. पी.के. सरकार	विधि के प्रोफेसर,उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर	सदस्य
७	प्रो. एस. एस. चटर्जी	मुख्य, डीन तथा सचिव, विधि के संकाय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकात्ता, पश्चिम बंगाल	सदस्य
८	प्रो. आर. वेंकट राव	उप-कुलपतिनेशनॉल लॉ स्कूल, बेंगालूर	सदस्य
९	श्री नपराजित मुखोपाद्याय,भापुसे	पुलिस महानिदेशक,राइटर्स बिल्डिंग, कोलकात्ता, पश्चिम बंगाल-७०००० १	सदस्य
१०	श्री सौमेंद्र प्रियदर्शी, भाप्रसे	पुलिस उप-महानिदेशक, स्पेशॉल ऑपरेशन विंग, भुवेनश्वर	सदस्य
११	श्री अरूण कुमार गुप्ता, भापुसे	एडीजी एंव आईजीपि, ट्राफिक पुलिस, पश्चिम बंगाल	सदस्य
१२	प्रो. ए.के. मिश्रा	रजिस्ट्रारओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य सचिव

ङ. ओड़िशा कंद्रीय विश्वविद्यालय के जनजाति कल्याण तथा सामुदायिक विकास (CTWCD) के लिए एक कार्य योजना बनाने के लिए सलाहाकार समिति के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१	प्रो. (डॉ) सुरभी बनर्जी	कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
२	प्रो. बद्री नारायण तिवारी	इतिहास के प्रोफेसर, दलित संसाधन केंद्र, जी.बी. पंत सोसल साइंस इंस्टीच्यूट, झूसी, इलाहाबाद -२११०१९, उत्तरप्रदेश	सदस्य
३	प्रो. वार्गीनिस जाजा	समाज विज्ञान विभागदिल्ली अर्थशास्त्र विद्यापीठ, दिल्ली विश्वविद्यालय (नार्थ केंपस), दिल्ली-११० ००७	सदस्य
४	प्रो. अमिताव साह	निदेशकगुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, गोटा,अहमदाबाद-३८००६०,गुजरात	सदस्य
५	डॉ. शरित भौमिक	डिन तथा प्रोफेसर,टाटा समाज विज्ञान संस्थान,वी. एन. पूरव मार्ग, पोस्ट बॉक्स संख्या-८३/३देवनार, मुंबई -४०० ०८८	सदस्य
६	प्रो. ए.बी. ओटा	निदेशक,एस/एसटी रिसर्च तथा प्रशिक्षण संस्थान, ओडिशा सरकार, यूनिट VIII,, सीआरपीएफ चौक, भुवनेश्वर - ७५१००३	सदस्य
७	प्रो. के. के. मिश्रा	मानव विज्ञान विभागसमाज विज्ञान विद्यापीठहैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद -५०० ०४६	सदस्य
८	प्रो. एस. एम. पटनायक	मानव विज्ञान विभागदिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली -११० ००७	सदस्य
९	प्रो. ए. बिमल आकोईजाम	प्रोफेसरराजनीति विज्ञान अध्ययन केंद्रजवाहार लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली -११० ०६७	सदस्य

१०	प्रो. अतिमाव बाभिस्कार	प्रोफेसरसोसिओलोजी यूनिट, इंस्टीच्यूट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ, दिल्ली विश्वविद्यालय एनक्वेव, दिल्ली-११० ००७	सदस्य
११	प्रो. एच. वी. तिवारी	भूतपूर्व उप-कुलपति,ज्ञानपरिसर, डाक-रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)- ४९२ ०१०	सदस्य
१२	प्रो. लानूनगासांग एओ	डीनसमाज विज्ञान विद्यापीठ,नागालैंड विश्वविद्यालय, लुमानी- ७९८ ६२७,जूनेबोटो, नागालैंड	सदस्य
१३	प्रो. ए.के.मिश्रा	रजिस्ट्रारओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट -७६४०२०	पदेन सदस्य सचिव

च. अध्यापक शिक्षा तथा शिक्षा सीसीडी समिति तथा सलाहाकार समिति के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१.	प्रो. (डॉ) सुरभी बनर्जी	कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
२.	डॉ. भाबग्राही बिस्वाल	भूतपूर्व निदेशक, दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम, (इग्नु) नई दिल्ली, ३६९८/५९४० प्राची बिहार, जीजीपी, भुवनेश्वर-७५१०२५	सदस्य
३.	प्रो. संदीप पोन्नाला	१२-१३-६७७/१२, किमती कॉलोनी,तारनाका, सिकंदराबाद- ५०००१७	सदस्य
४.	प्रो. एस. पद्मनाभीया	१-४-१९०/३०, भाष्कर राव नगर, (फेज- ६) सैनिकपूरी, सिकंदराबाद- ५०००९४	सदस्य
५.	प्रो. हरिचंदन	प्रोफेसर तथा निदेशक,मुंबई विश्वविद्यालय,विद्यानगरी, मुंबई - ४०००९८,	सदस्य
६.	प्रो. आर. करपागा कुमारवेल	प्रोफेसर तथा मुख्य,शैक्षणिक तकनीकी विभाग,भारतीदर्शन विश्वविद्यालय, खजामलाई,तिरुचिल्लापल्ली-६२००२३, तमिलनाडु	सदस्य
७.	प्रो. एस.के. स्वांई	प्रोफेसर, शिक्षा के संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, राजीब गांधी साउथ परिसर, बरकछा, मिर्जापुर -२३१००१	सदस्य
८.	प्रो. ए. के. मिश्रा	रजिस्ट्रारओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	पदेन सदस्य सचिव

छ. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कक्ष के सदस्यगण (IQAC)

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१.	डॉ. शरत कुमार पालित	एसोसीएट प्रोफेसर तथा डीन, एसबीसीएनआर, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	समन्वयक
२.	डॉ. कपिल खेमुंडु	सहायक प्रोफेसर, सीएसएस, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
३.	डॉ. जयंत कुमार नायक	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, सीएसएस, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
४.	डॉ. आलोक बराल	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी,सीओएलएल, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य

ज. समान अवसर कक्ष के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१.	डॉ. जयंत कुमार नायक	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, सीएसएस, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
२.	डॉ. प्रदोष कुमार रथ	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, सीजे एंड एमसी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
३.	श्री श्रीनिवास कोंटक	सहायक प्रोफेसर, सीएएस, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
४.	सुश्री मिनती साहू	सहायक प्रोफेसर, सीइ, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य

न. अंतर्विषयक अनुसंधान पत्रिका में प्रकाशन की समिति के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१.	डॉ. शरत कुमार पालित	एसोसीएट प्रोफेसर तथा डीन, एसबीसीएनआर, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	संयोजक
२.	डॉ. कपिल खेमुंडु	सहायक प्रोफेसर, सीएसएस, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
३.	डॉ. प्रदोष कुमार रथ	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, सीजे एंड एमसी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
४.	डॉ. आलोक बराल	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी,सीओएलएल, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
५.	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा	सहायक प्रोफेसर,सीजेएंड एमसी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
६.	डॉ. महेश कुमार पंडा	सहायक प्रोफेसर, मौलिक विज्ञान विद्यापीठ, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
७.	डॉ. आर. पूर्णिमा	सहायक प्रोफेसर, अध्यापक शिक्षा केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य

ट. अंतर्विषयक संवादमूलक शैक्षणिक कार्यक्रम समिति के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१.	डॉ. शरत कुमार पालित	एसोसीएट प्रोफेसर तथा डीन, एसबीसीएनआर, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	संयोजक
२.	डॉ. कपिल खेमुंडु	सहायक प्रोफेसर, सीएसएस, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
३.	श्री सौरभ गुप्ता	सहायक प्रोफेसर,सीजेएंड एमसी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
४.	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी,सीइओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य

त. लैंगिक उत्पीड़न समिति के सदस्यगण

क्र.	**सदस्यों का नाम**	**पता**
१.	रजिस्ट्रार ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	**प्रो. ए.के. मिश्रा**,पदेन अध्यक्ष
२.	विश्वविद्यालय कर्मचारियों में से एक महिला सदस्य	**डॉ. काकोली बनर्जी** सहायक प्रोफेसर, सीबीसीएनआर,ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०
३.	तीन सदस्यों में से दो महिला सदस्य	**डॉ. शरत कुमार पालित** एसोसीएट प्रोफेसर तथा डीन, एसबीसीएनआर, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, ांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२० **सुश्री मिनती साहू**सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र केंद्रओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२० **डॉ. आर. पूर्णिमा**सहायक प्रोफेसर, अध्यापक शिक्षा केंद्र,ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०
४.	एक महिला परामार्शदाता	**सुश्री सुजाता नायक**, अधिवक्ता, बार काउंसित, कोरापुट
५.	किसी गैर सरकारी संगठन अथवा अन्य निकाय जो लैंगिक उत्पीड़न मामले से परिचित है उसका एक प्रतिनिधि	**सुश्री अनुराधा मोहांति**, एंईंॅ, कोरापुट

थ. प्रवेश परीक्षा - समिति के सदस्यगण - २०१४

क्रमांक	सदस्यों का नाम	पता	अभ्युक्ति
१.	डॉ. शरत कुमार पालित	एसोसीएट प्रोफेसर तथा डीन, एसबीसीएनआर, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सलाहाकार
२.	डॉ. कपिल खेमुंडु	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, सीएसएस, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	अध्यक्ष
३.	डॉ. जयंत कुमार नायक	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, सीएसएस, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
४.	डॉ. प्रदोष कुमार रथ	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, सीजे एंड एमसी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
५.	डॉ. आलोक बराल	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी,सीओएलएल, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
६.	डॉ. काकोली बनर्जी	सहायक प्रोफेसर, सीबीसीएनआर,ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
७.	श्री संजीत कुमार दास	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी,सीइएलएल, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
८.	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी,सीइओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
९.	श्री ज्योतिस्का दत्ता	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, सीएमओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
१०.	श्री रमेंद्र कुमार पाढ़ी	सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, सीटीइओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य
११	सुश्री सागरिका मिश्रा	तदर्थ व्याख्याता,सीएसएसओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०	सदस्य

नयी नियुक्ति

डॉ. शरत कुमार पालित, एसोसीएट प्रोफेसर, जैवविविधता तथा प्राकृतिक संपदा संरक्षण

डॉ.शरत कुमार पालित ओड़िशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय में जैवविविधता एवं प्राकृतिक संपदा संरक्षण केंद्र में १ अगस्त २०१३ को एसोसीएट प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और २ सितम्बर २०१३ में केंद्र के प्रमुख का उत्तरदायित्व संभाले। कार्यभार ग्रहण से पहले उन्होंने ओड़िशा राज्य के केंद्रापड़ा स्थित केंद्रापड़ा स्वायत्त महाविद्यालय में जंतुविज्ञान के वरिष्ठ रीडर के रूप में कार्य कर रहे थे। उन्होंने ओड़िशा के नयागढ़ स्वायत्त महाविद्यालय में भी नौकरी की और पिछले २९ सालों से ऑनर्स स्तर पर जंतुविज्ञान पढ़ाते आ रहे हैं। इनके अनुसंधान का विषय आद्रभूमि जीव जैसे मैग्रोवसऔर ऊष्म जलधारा में विविधता का अध्ययन और किसी प्रदेश के पशुवर्ग का वितरण के साथ साथ यथावत एवं इसके बाहर दोनों में पशु-वर्ग के अध्ययन से संबंधित संरक्षण रहा है। ये उत्कल विश्वविद्यालय और रेवेंसा विश्वविद्यालय में एक प्रख्यात अनुसंधान मार्गदर्शक रह चुके हैं। इनका अनुसंधान के क्षेत्र में लगभग २० वर्षों का अनुभव रहा है और इन्होंने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में ३३ अनुसंधान लेख, ०३ किताबी अध्याय प्रकाशित किए और ०३ कार्यवाही पुस्तकें संपादित किए हैं।

डॉ. महेंद्र कुमार पाढ़ी, एसोसीएट प्रोफेसर, जे एंड एमसी

डॉ. महेंद्र कुमार पाढ़ी ०८.०७.२०१३ को पत्रकारिता और जनसंचार के एसोसीएट प्रोफेसर के रूप में विश्वविद्यालय में कार्य भार ग्रहण किया है। इस विश्वविद्यालय के कार्यभार ग्रहण करने से पहले डॉ. पाढ़ी लखनऊ के बाबा साहेब भीमराव अम्बेदकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में सेवारत थे।

श्री बिश्वजित भोई, अर्थशास्त्र के सहायक प्रोफेसर

श्री बिश्वजित भोई अर्थशास्त्र केंद्र में अर्थशास्त्र के सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किए । ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने से पहले, आप आई.सी.एस.आर. इंस्टीच्यूशनॉल फेलोशिप पुरस्कार के माध्यम से इंस्टीच्यूट फॉर सोशल एंड इकोनामिक चेंज (आईएसइसी) में पी.एच.डी. अनुसंधान के विद्यार्थी थे। शिक्षा में आप हैदराबाद विश्वविद्यज्ञलय से अर्थशास्त्र में एम.ए. किया है और आपने अर्थशास्त्र में यू.जी.सी. के जे.आर.एफ. भी उत्तीर्ण किया है। आप ने भारत के विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लिया है। कृषि अर्थशास्त्र , श्रम अर्थशास्त्र और विकास अर्थशास्त्र में अनुसंधान में आपकी विशेष रूचि रही है।

श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र

श्री प्रशांत कुमार बेहेरा अर्थशास्त्र के एक सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किए और अर्थशास्त्र में क्रेंद्र के प्रमुख प्रभारी का उत्तरदायित्व संभाले। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कार्यभार ग्रहण करने से पहले, आप किट विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के व्याख्याता थे। इन्होंने उत्कल विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए. की पढ़ाई पूरा किया और रेवेंसा विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.फिल. की पढ़ाई पूरी की है। इन्होंने अर्थशास्त्र में यू.जी.सी.-नेट और जे.आर.एफ. दोनों उत्तीर्ण किए । इनको एन.सी.डी.एस, भुवनेश्वर की तरफसे आई.सी.एस.एस.आर. इन्स्टीटयूशनॉल डॉक्टोरल फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। भारत के विभिन्न यू.जी.सी और आई.सी.एस.एस. आर. द्वारा आयोजित प्राणालीविज्ञान से संबंधित कार्यशालाओं में भाग लिए और राष्ट्रीय और अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अनेक अनुसंधान लेख प्रस्तुत किए। इनके अनुसंधान का क्षेत्र श्रम अर्थशास्त्र, विकास अर्थशास्त्र और स्वास्थ्य अर्थशास्त्र रहा है ।

सुश्री मिनती साहू, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र

सुश्री मिनती साहू केंद्र अर्थशास्त्र में अर्थशास्त्र के सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्य भार ग्रहण की है। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने से पहले, इन्होंने रेवेन्सा विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के व्याख्याता के रूप में कार्यरत थी। आपने रेवेंसा स्वायत्त महाविद्यालय, कटक से अर्थशास्त्र में एम.ए., उत्कल विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.फिल. की और पुन: रेवेंसा विश्वविद्यज्ञलय से पीएच.डी. कर रही है। आपने अर्थशास्त्र में यूजीसी-नेट भी उत्तीर्ण की है। आपने सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाली पत्रिकाओं में अपनी विभिनन अनुसंधान लेख प्रकाशित की और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अनेक अनुसंधान लेख प्रस्तुत किए । पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र और स्वास्थ्य अर्थशास्त्र में अनुसंधान आपकी विशेष रूचि रही है।

श्री ज्योतिस्का दत्ता, सहायक प्रोफेसर, गणित विज्ञान

श्री ज्योतिस्का दत्ता गणित विज्ञान केंद्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में और केंद्र के प्रमुख प्रभारी के रुप में भी कार्यरत है। आप भारतीय खान विद्यालय, धनवाद विशेष महत्व (२०१३) के साथ से गणित में एम.फील डिग्री धारक हैं। आप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर (२०११) से गणित में एम.एससी. उत्तीर्ण है। आपने यू.जी.सी., भारत द्वारा प्रस्तावित जूनियर रिसर्च फेलोशिप (दिसम्बर २०१२) के लिए और साथ ही उसी संस्था द्वारा प्रस्तावित व्याख्यानदाता (जून २०१२) के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) की परीक्षा दो बार उत्तीर्ण किए हैं। इस विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने से पहले आप २०११-१२ के दौरान गौर बंबे विश्वविद्यालय के अंतर्गत गौर महाविद्यज्ञलय में गणित के अतिथि व्याख्याता थे। आप विभाजन सिद्धांत और अरेखिय गतिकी के विशेषज्ञ हैं।

डॉ. महेश कुमार पंडा, सहायक प्रोफेसर, सांख्यिकी

डॉ. महेश कुमार पंडा, २०१३ में ओड़शा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। आपकी विशेषज्ञता सांख्यिकी में है। आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से २०१२ में ऑप्टिकॉल डिजाइन फॉर मिक्चर एक्सपेरिमेंटस विषय पर पीएच.डी. की डिग्री हासिल की है। आपका नोवारटिस हेल्थकेयार प्रा.लिमिटेड, हैदराबाद के क्लिनिकॉल ट्रायल्स में सांख्यिकी प्रयोग में दो वर्षों की औद्योगिक अनुभव के अतिरिक्त सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में तीन वर्षों का गहन अध्यापना का अनुभव रहा है। आपकी रूचि का क्षेत्र प्रयोग में डिजाइन, क्लिनिकॉल डायल्स में सांख्यिकी का प्रयोग, जेनोमिक्स और बायोमेडिकल आप्लिकेशन में सांख्यिकी, पैर्टन पहचान रहा है।

श्री रामेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्रोफेसर, अध्यापक शिक्षा

श्री रामेंद्र कुमार पाढ़ी २० सितम्बर २०१३ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्यापक शिक्षा में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। आपने अपनी एम०ए. (शिक्षा) , एम.ए. (अर्थशास्त्र) , एम. एड., एम. फील. (शिक्षा) , यू.जी.सी. नेट की शिक्षा पूरा किया है। आपने आर.आई.ई., भुवनेश्वर से पीजीडीजीसी (एनसीआरटी) पूरा किया है। आप संबलपुर विश्वविद्यालय से शिक्षा में पीएच.डी. की पढ़ाई कर रहे हैं। आप शिक्षा में दो पुस्तकों के लेखक हैं और आपने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ख्याति स्तर पर ग्यारह अनुसंधान लेख प्रकाशित किया है। आपने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों संगोष्ठियों और सम्मेलनों में लेख प्रस्तुत किया है। इस विश्वविद्यज्ञलय में कार्यभार ग्रहण करने से पहले श्री पाढ़ी बी.एड. में, डीआईपीएसआर, देवगढ़ में ईटीई प्रोग्राम, के.के.एम. कॉलेज, पाकुर, बी.एस. सीटी कॉलेज, बोकारो और सिक्किम विश्वविद्यालय के अधीन टीटीटी कॉलेज, धनवाद और भी.बी. विश्वविद्यालय, झारखण्ड में शिक्षा के व्याख्याता के रूप में सेवारत थे। आप एक अंश-कालीन व्याख्याता, संसाधन व्यक्तित्व और इग्नू के रॉची क्षेत्रीय केंद्र में आसाइनमेंट मूल्यांकक के रूप में भी कार्य किए थे और आर.आई.इ (एनसीआरटी), भुवनेश्वर में ईआरआईसी परियोजना में जीपीएफ के रूप में कर्यरत थे।

डॉ. आर. पूर्णिमा, सहायक प्रोफेसर, अध्यापक शिक्षा

डॉ. आर. पूर्णिमा अन्नामलाई विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में एमएससी और द्राविडियन विश्वविद्यालय से शिक्षा में पीएच. डी. की पढ़ाई पूरी की है। अपनी विशिष्ट शिक्षा और स्नातक स्तर पर पुनर्वास में दक्ष होने के लिए इन्हें श्रीमती मालिनी लायनेल आवार्ड से सम्मानित किया गया और अपनी संपूर्ण शैक्षणिक कैरियर में इसी तरह प्रवीण पुरस्कार सुनिश्चित करती गई। यूजीसी द्वारा प्रायोजित मुख्य अनुसंधान परियोजना में लगभग तीन वर्षों तक प्रोजेक्ट फेलों के रूप में कार्यरत थी। अपनी मर्यादा हेतु, आपने शिक्षा से संबंधित दो पुस्तकें और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय दोनों पत्रिकाओं में शिक्षा के विभिन्न पहलूओं से संबंधित २८ से भी अधिक लेख लिखी है। अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता में आपको नौर्वे अनुसंधान परिषद, ओस्लो द्वारा नौर्वे में शिक्षा पद्धति पर पोस्ट-डॉक्टरॉल रिसर्चस हेतु अन्वेषण और विद्वता (यागड्रासिल २०११-१२) हेतु नैर्वे यंग अतिथि और डॉक्टोरॉल रिसर्चस एनुअल स्कलारशिप से सम्मानित किया गया। अक्तूबर २०१२ में आपको भारतीय मनोनित और शैक्षिक अनुसंधान संगठन, पटना द्वारा श्रीनाथ भारगवा मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

Guest house at CUO Permanent Campus, Sunabedha

CENTRAL UNIVERSITY OF ORISSA, KORAPUT

(Established by an Act of Parliament)
Campus : Central Silk Board Building, At : Landiguda
P.O. : Koraput, Dist. Koraput - 764020, Odisha

Permanent Campus :
Sunabeda, Koraput, Odisha

Camp Office :
Type 'C', Block-4, New Govt. Colony
Gajapati Nagar, Bhubaneswar-751017, Odisha